हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

दुमका, औरंगाबाद, आरा एवं पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

● दुमका ● वर्ष -04 ● अंक - 274 ● बुधवार 19 नवंबर 2025 ● रजि नं. - JHAHIN/2022/82776 ● पृष्ठ -12 ● मूल्य : 2 रुपये

भारत का विकास मॉडल दुनिया के लिए आशा का प्रतीक बना: पीएम

छठवें रामनाथ गोयनका व्याख्यान में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छठवें रामनाथ गोयनका व्याख्यान में दिए अपने भाषण को साझा करते हुए देशवासियों से अगले दस वर्षों में गुलामी की मानसिकता से पूर्ण मुक्ति का संकल्प लेने अपील की। उन्होंने कहा कि यह मानसिकता उपनिवेशवाद की देन है और अब समय आ गया है कि देश इससे पूरी तरह बाहर निकले। उन्होंने देशवासियों से सामूहिक संकल्प के साथ औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किए अपने पोस्ट में कहा कि रामनाथ गोयनका का जीवन राष्ट्रप्रथम की भावना और सत्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने हमेशा कर्तव्य को सर्वोपरि रखा और यही भावना आज भी पत्रकारिता और लोकतंत्र दोनों के लिए प्रेरणा है। लोकतंत्र पर बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के बिहार विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड मतदान और विशेष रूप से महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत का लोकतंत्र लगातार सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत के विकास को विश्व के लिए आशा का मॉडल बताते हुए कहा कि देश की आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन दुनिया के सामने मिसाल बन रहे हैं। चुनाव जीतने का मूल मंत्र जनता की भावनाओं को समझना है, न कि लगातार चुनाव मोड में बने रहना। प्रधानमंत्री ने कहा कि माओवाद का प्रभाव लगातार घट रहा है, जो भारत के विकास और सुरक्षा के लिए अत्यंत सकारात्मक संकेत है।

पीएम आज आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु दौरे पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 नवंबर को आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के दौरे पर जाएंगे। सुबह करीब 10 बजे वे आंध्र प्रदेश के पुट्टापर्थी स्थित भगवान श्री सत्य साईं बाबा के धाम और महासमाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद लगभग 10:30 बजे वह सत्य साईं बाबा के शताब्दी उत्सव में शामिल होंगे, जहां प्रधानमंत्री उनके जीवन और शिक्षाओं पर आधारित स्मारक सिक्का और डाक टिकटों का सेट जारी करेंगे। इस कार्यक्रम में वे सभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आंध्र प्रदेश के बाद प्रधानमंत्री कल दोपहर तमिलनाडु के कोयंबटूर पहुंचेंगे, जहां करीब 1:30 बजे 'दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री देश के 9 करोड़ किसानों को समर्थन देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे, जिसकी राशि 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। 19 से 21 नवंबर तक चलने वाला दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती सम्मेलन तमिलनाडु नेचुरल फार्मिंग स्टेकहोल्डर्स फोरम द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य सतत, पर्यावरण अनुकूल और रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देना है।

दिल्ली में कोर्ट और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली में चार जिला अदालतों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद एहतियात के तौर पर संबंधित स्कूलों और अदालत परिसरों को खाली करा लिया गया है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम को मंगलवार सुबह फोन कर दावा किया कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ के स्कूलों में बम लगाए गए हैं। इसके बाद दोनों परिसरों को खाली करा लिया गया। उन्होंने बताया कि पटियाला हाउस कोर्ट, साकेत कोर्ट, रोहिणी कोर्ट और द्वारका कोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अदालतों में कामकाज अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। बम की धमकी ई-मेल के जरिये मिली थी। सीआरपीएफ और बम निरोधक दस्ते मामले की जांच में जुड़े हैं। हालांकि जांच में अभी तक किसी भी अदालत में बम मिलने की खबर नहीं है। अग्निशमन विभाग के अनुसार आज सुबह करीब 9 बजे आए इस कॉल के बाद स्थानीय पुलिस, बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड, आपदा प्रबंधन, अग्निशमन विभाग सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर घंटों जांच की गयी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला। पुलिस ने एहतियात के तौर पर दोनों स्कूलों को खाली कराया।

राष्ट्रपति ने छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय-जनभागीदारी पुरस्कार प्रदान किए

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार और जल संचय-जनभागीदारी पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जनसंख्या की तुलना में जल संसाधन सीमित होने के कारण देश में जल का कुशल उपयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रभावी जल प्रबंधन व्यक्तियों, परिवारों, समाज और सरकार की भागीदारी से ही संभव है। जल का सक्षम उपयोग, एक वैश्विक अनिवार्यता है। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा में नदियाँ, झीलें और अन्य जलस्रोत पूजनीय हैं। हमारे राष्ट्रीय गीत में बंकिम चंद्र चटर्जी ने जो पहला शब्द लिखा था, वह है सुजलाम। इसका अर्थ है 'प्रचुर जल संसाधनों से धन्य।' यह तथ्य हमारे देश के लिए जल की प्राथमिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का सर्वाधिक सक्षम तरीके से उपयोग करना हमारे सभी देशवासियों की जीवन-शैली का अभिन्न अंग होना चाहिए। व्यक्तिगत और सामूहिक स्तर पर सभी को जल संरक्षण के प्रति निरंतर सचेत रहना है। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि पिछले वर्ष शुरू की गई जल संचय-जनभागीदारी पहल के तहत 35 लाख से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों और उद्यमियों को कम से कम पानी का उपयोग करके, अधिक से अधिक उत्पादन के नए-नए तरीके अपनाने चाहिए। उत्साह के साथ व्यक्तिगत योगदान देने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी जल महत्वपूर्ण हितधारक हैं। जल से जुड़ी चक्रीय अर्थव्यवस्था की प्रणालियों को अपनाकर सभी उद्योग तथा अन्य हितधारक जल-संसाधन का प्रभावी उपयोग कर सकते हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जल पुरस्कारों का उद्देश्य लोगों में जल के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें जल उपयोग के सर्वोत्तम तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) पहल सामुदायिक भागीदारी और संसाधनों के अभिसरण के माध्यम से कृत्रिम भूजल पुनर्भरण के लिए विविध, मापनीय और अनुकरणीय मॉडलों के उद्भव में अग्रणी रही है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश की सीमा पर मारा गया खूंखार नक्सली हिड़मा, पत्नी समेत 6 नक्सली ढेर

जगदलपुर। सुरक्षाबलों ने खूंखार नक्सली हिड़मा को मार गिराने में बड़ी सफलता हासिल की है। मारा गया नक्सली हिड़मा सबसे चर्चित और खतरनाक नक्सली नेताओं में शामिल था। जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़–आंध्रप्रदेश सीमा पर चली मुठभेड़ में 06 नक्सली मारे गए हैं। इनमें हिड़मा और उसकी पत्नी भी शामिल बताए गए हैं। मौत की अधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। वैसे घटनास्थल से सभी नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए और क्षेत्र में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। एर्राबोर थाना क्षेत्र के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षा बलों ने उनके खिलाफ अभियान शुरू किया था। इसी अभियान के तहत मंगलवार सुबह से सुरक्षाबल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। मुठभेड़ के बाद सुरक्षबलों ने घटनास्थल से एक नक्सली का शव बरामद किया। इसके अतिरिक्त सुकमा में दूसरी मुठभेड़ 18 नवंबर की सुबह से जारी है। बताया गया है कि पहली कार्रवाई के साथ ही सुकमा जिले के एर्राबोर थाना क्षेत्र में भी दूसरे मार्चे पर भी मुठभेड़ चल रही है। इस भिड़ंत के दौरान कई नक्सलियों के घायल होने की सूचना है। सुरक्षा बलों ने इलाके को चारों ओर से घेरकर कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। दरअसल पुलिस को रात में सूचना मिली थी, कि एर्राबोर के जंगलों में बड़ी संख्या में नक्सली एकत्रित हो रहे हैं।

दिल्ली धमाका: अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 3 राज्यों के 30 ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

नई दिल्ली। 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके की जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। जांच की रडार पर आए अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े 30 ठिकानों पर मंगलवार की सुबह 5 बजे 25 ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की। जांच एजेंसियों को दिल्ली ब्लास्ट और फरीदाबाद से बरामद विस्फोटकों से यूनिवर्सिटी का लिंक मिला है, जिसके बाद अल-फलाह के खिलाफ ताबड़तोड़ ऐक्शन जारी है।ये कार्रवाई विश्वविद्यालय, उसके ट्रस्टीज और उससे जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है। एजेंसी ने वित्तीय अनियमितताओं के मामले में पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की एक बैठक और दिल्ली-हरियाणा से एमपी तक हलचल, 30 जगहों पर हो रही रेडदिल्ली ब्लास्ट और उससे जुड़े फरिदाबाद टेरर मॉड्यूल की जांच में अब केंद्र सरकार ने पूरी ताकत झोंक दी है। ईडी ने हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क पर औपचारिक रूप से केस दर्ज कर लिया है और शनिवार सुबह से ही देश के तीन राज्यों में बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चल रहा है।अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार सुबह से दिल्ली, हरियाणा के फरीदाबाद और मध्यप्रदेश में कुल 30 लोकेशंस पर एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। यह छापेमारी सीधे तौर पर उस नेटवर्क को खंगालने के लिए है जो फरिदाबाद टेरर मॉड्यूल और कथित व्हाइट कॉलर आतंकी फंडिंग के शक के दायरे में आया है।

ईडी ने दिल्ली-एनसीआर में अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े 25 ठिकानों पर छापा मारा

एजेंसी। नई दिल्ली

लाल किले के पास हुए कार ब्लास्ट केस में केंद्रीय जांच एजेंसियां लगातार जांच में जुटी हुई हैं। इसी कड़ी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के नई दिल्ली स्थित ओखला कार्यालय सहित अन्य 25 ठिकानों पर छापा मारा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को अल फलाह विश्वविद्यालय मामले में उसके ट्रस्टियों, संबंधित व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़े मामलों में सुबह 5 बजे से छापेमारी कर रहा है। ईडी की ये कार्रवाई दिल्ली सहित अन्य 25 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम अल फलाह ट्रस्ट पर शिकंजा कसने को लेकर ईडी की टीम ने दिल्ली और फरीदाबाद में अलग-अलग जगहों पर ये छापेमारी की है। ईडी की यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) से जुड़े एक मामले के तहत की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी को संदेह है कि यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े मालिकों और प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियों को अंजाम दिया है। इसी वजह से उनके ठिकानों पर दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ महीने पहले ईडी ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी और इसके संचालकों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप है कि यूनिवर्सिटी और ट्रस्ट के नाम पर करोड़ों की अवैध फंडिंग की गई, विदेशी दान (एफसीआरए) नियमों का उल्लंघन हुआ और संपत्तियों के गलत इस्तेमाल से काले धन को वैध रूप दिया गया।

क्या अब रुमालों का कैसे इस्तेमाल हो, इस पर भी हम नजर रखें?

वकीलों के पहनने वाले बैंड्स से जुड़ी याचिका देखकर सुप्रीम कोर्ट भड़का

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को वकीलों के पहनने वाले बैंड्स से जुड़ी एक याचिका पहुंची। इसमें कहा गया कि इस्तेमाल के बाद इन बैंड्स के निपटान के लिए एक समान व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं। खास बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार से इनकार कर दिया है। साथ ही बेंच ने सवाल उठाया है कि क्या अब रुमालों का कैसे इस्तेमाल हो, इस पर भी हम नजर रखें? दरअसल याचिकाकर्ता साक्षी विजय ने जनहित याचिका दाखिल की थी। उन्होंने मांग की थी कि इन बैंड्स को इकट्ठा करने और निपटान के लिए एक समान और ईको-फ्रैंडली व्यवस्था की जाए। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस

विनोद चंद्रन की बेंच याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक याचिका देख कोर्ट ने कहा कि हमारा काम फिर कहां खत्म होगा? इसकी निगरानी करना कि रुमालों का इस्तेमाल कैसे हो रहा है? या गांव में कचरे का किया जा रहा है?... हमें रिट कहां जारी करनी चाहिए। याचिकाकर्ता जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल में एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

याचिकाकर्ता का कहना था कि उन्हें कोर्ट के बाहर कचरे के डिब्बे के पास, फुटपाथ के पास सिंथैटिक बैंड्स पड़े मिले थे। इसमें कहा गया है कि हालात पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं और पेशे की गरिमा को दर्शाते हैं। याचिका में इस बात पर जोर दिया था कि सफेद बैंड्स के सम्मान के साथ निपटान की कोई नीति नहीं है। साथ ही पर्यावरण के लिहाज से भी मौजूदा हालात पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि पहले के समय में वकील कॉटन के बैंड्स का इस्तेमाल करते थे, जो धुलकर दोबारा इस्तेमाल हो सकते थे। जबकि, मौजूदा स्थिति में बैंड्स सिंथैटिक के हैं और नॉन बायोडिग्रेडेबल हैं। ये 10 रुपए के आते हैं और कई वकील एक बार के इस्तेमाल के बाद इन्हें फेंक देते हैं। याचिका में कहा गया कि ऐसे हजारों बैंड्स रोज फेंके जा रहे हैं, जिन्हें डिकम्पोज होने में 200 साल से ज्यादा का समय लगेगा। याचिका में पर्यावरण (सुरक्षा) कानून का हवाला दिया गया। उनकी मांग की थी कि भारतीय बार काउंसिल और संबंधित सरकारी मंत्रालयों को बैंड डिस्पोजल बिन लगाने के निर्देश दे।

आईसीजी ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर 79 बांग्लादेशी मछुआरों को पकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पर निगरानी के दौरान 79 मछुआरों को पकड़ा है। यह सभी मछुआरे भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए नौकाओं के साथ आये थे। आईसीजी ने उनकी मछली पकड़ने वाली तीन नौकाओं (बीएफबी) को भी जब्त किया है। कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि 15 एवं 16 नवंबर को भारत के ईईजेड के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तीन बांग्लादेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं (बीएफबी) और उनके 79 चालक दल के सदस्यों को पकड़ा गया है। नियमित निगरानी के दौरान मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भारतीय जल क्षेत्र के भीतर पाया गया, जो भारतीय समुद्री क्षेत्र (विदेशी जहाजों द्वारा मछली पकड़ने का विनियमन) अधिनियम, 1981 का उल्लंघन था। आईसीजी की बोर्डिंग टीमों ने नौकाओं को तुरंत रोककर गहन निरीक्षण किया। आईसीजी के अनुसार किसी भी चालक दल के पास भारत के समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने का वैध प्राधिकरण या परमिट नहीं था।

कॉप 30 में बोले भूपेंद्र यादव- विकसित देश पहले नेट-जीरो हासिल करें

बेलेम। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तनमंत्री भूपेंद्र यादव ने विकसित देशों से अधिक जलवायु महत्वाकांक्षा दिखाने, समय से पहले नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करने और जलवायु वित्त को अरबों नहीं बल्कि खरबों में उपलब्ध कराने की सख्त अपील करते हुए कहा कि कॉप 30 को "अमल का कॉप" और "वादों की पूर्ति का कॉप" के रूप में याद किया जाना चाहिए। उन्होंने ब्राजील के बेलेम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन कॉप 30 के उच्च स्तरीय सत्र में ब्राजील सरकार और अमेजन क्षेत्र के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि अमेजन पृथ्वी की पर्यावरणीय संपदा का जीवंत प्रतीक है और ऐसे स्थान

पर यह सम्मेलन वैश्विक जलवायु जिम्मेदारी की गंभीरता को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों ने अब तक अपने वादों पर पर्याप्त प्रगति नहीं दिखाई है, जबकि जलवायु संकट तेजी से बढ़ता जा रहा है। विकसित देशों को मौजूदा समय-सीमा से काफी पहले नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करना चाहिए और नई अतिरिक्त और रियायती जलवायु वित्त सहायता खरबों के स्तर पर देनी होगी।

मतदाता सूची की पवित्रता की रक्षा के लिए कांग्रेस पूर्णतः प्रतिबद्धः खरगे

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से गुजर रहे 12 राज्यों के पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कांग्रेस के महासचिव, संबंधित राज्यों के प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, विधानमंडल दल के नेता और राष्ट्रीय सचिव शामिल हुए। बैठक के बाद खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस मतदाता सूची की पवित्रता की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का भरोसा कमजोर हो रहा है, ऐसे समय में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग का रवैया अत्यंत निराशाजनक रहा है। चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह किसी राजनीतिक दबाव में तो काम नहीं कर रहा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह एसआईआर प्रक्रिया को वोट चोरी के साधन के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है। इस पर चुनाव आयोग को आंखें नहीं मूंदे रहना चाहिए। खरगे ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता, बूथ स्तर अधिकारी तथा जिला, शहर एवं ब्लॉक अध्यक्ष पूर्ण सतर्कता के साथ हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाने या फर्जी नाम जोड़ने की किसी भी कोशिश को बेनकाब किया जाएगा। खरगे ने दोहराया कि कांग्रेस किसी भी संस्था के दुरुपयोग से लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर नहीं होने देगी।

एसआईआर का विरोध: केरल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, कर्मचारियों ने किया बायकॉट का ऐलान

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पश्चिम बंगाल के बाद केरल और तमिलनाडु में विरोध बढ़ता जा रहा है। तमिलनाडु के बीएलओ के साथ ही तहसीलदार लेवल तक के अधिकारियों ने मंगलवार से बायकॉट का ऐलान किया है। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने केरल में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। इसमें कहा गया है कि एसआईआर और स्थानीय निकाय चुनावों को साथ-साथ नहीं कराया जा सकता। याचिका में कहा गया है कि राज्य में 9 और 11 दिसंबर को दो चरणों में स्थानीय निकाय चुनावों होने वाले हैं, जबकि एसआईआर ड्राफ्ट 4 दिसंबर को पब्लिश होनी है।

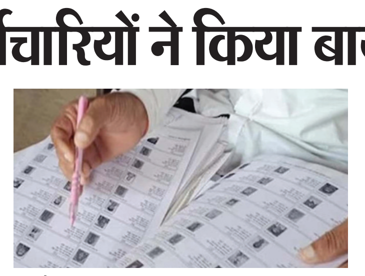

इससे निकाय चुनाव की प्रक्रिया पर असर पड़ेगा। तमिलनाडु राजस्व कर्मचारी संघों के संगठन ने कहा कि वे वर्कलोड, कम लोग, टाइम लिमिट दबाव और अधूरी ट्रेनिंग और मेहनताने विरोध में प्रदर्शन करेंगे। इधर, केरल सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव पूरे होने तक एसआईआर स्थगित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य का तर्क है कि स्थानीय चुनावों के साथ-साथ एसआईआर कराना कठिन है। आयोग ने असम में एसआईआर कराने का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, असम में 1 जनवरी 2026 को 18 साल के हो रहे नए वोटरों को शामिल किया जाएगा और पुराने वोटर्स का सत्यापन किया जाएगा। फाइनल वोटर लिस्ट 10 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। यह 12 राज्यों में हो रहे एसआईआर से अलग है। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जारी निर्देशों के अनुसार, राज्य में स्पेशल रिविजन के लिए क्वालिफाइंग डेट 1 जनवरी, 2026 होगी। यानी इस दिन तक वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जा सकेंगे। घर-घर जाकर वोटर वेरिफिकेशन 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक होगा। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन 27 दिसंबर को होगा।12 राज्यों में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप शामिल हैं।

यूपी में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस पलटने से 3 की मौत, कई घायल

लखनऊ/कानपुर। उत्तर प्रदेश में मंगलवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को बड़ा सडक़ हादसा हो गया, जिसमें दिल्ली से बिहार जा रही यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इस घटना पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संज्ञान लिया है। मृतकों पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों को तुरंत इलाज के लिए आदेशित किया है। सडक़ हादसे पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच पर जानकारी देते हुए कहा कि छह घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी बिल्हौर से डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि चार यात्री वहीं भर्ती हैं। करीब 15 गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। तीन मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और उनकी शिनाख्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगरा एक्सप्रेसवे पर बस पलटने से तीन यात्रियों की मौत और कई लोगों के घायल होने की घटना अत्यंत दुखद है।

एनसीआर में नहीं मिल रही जहरीली हवा से निजात, एक्यूआई 400 के पार

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। इस श्रेणी की हवा न केवल अस्थमा, हृदय और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद नुकसानदेह है, बल्कि स्वस्थ लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। ग्रेटर नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 430 के रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज किया गया, जिससे यह एनसीआर के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया है। वहीं गाजियाबाद में कई मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 404 से 438 के बीच रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे खराब स्तर माना जा रहा है। नोएडा और दिल्ली भी बेहतर स्थिति में नहीं हैं। नोएडा के सेक्टर–125, सेक्टर–1 और सेक्टर–116 जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 324 से 402 के बीच दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक और अलीपुर जैसे इलाकों में प्रदूषण 350 से 426 के बीच बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपाः कांग्रेस से अब अलग होगा झामुमो झामुमोः हेमंत जीवंत है, भाजपा का अंत है

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अजय आलोक द्वारा सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखे गए एक वाक्य ने झारखंड की राजनीति में हलचल मचा दी। उन्होंने पोस्ट किया-'अब नया बम झारखंड में, हेमंत अब जीवंत होंगे। यह पोस्ट कुछ ही घंटों में सोशल मीडिया की 'सनसनी बन गई। कई यूजर्स ने अजय आलोक से इसका मतलब पूछने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने प्लेटफॉर्म पर जवाब नहीं दिया। जब उनसे बातचीत की और पूछा कि क्या वे लोगों को भ्रमित कर रहे हैं, अफवाह फैला रहे हैं या सिर्फ राजनीतिक संदेश दे रहे हैं। अजय आलोक ने कहा कि पोस्ट महज संकेत है कि बिहार चुनाव के बाद देशभर के क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस से मोहभंग होगा। बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और यूपी जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दल अब समझ चुके हैं कि कांग्रेस के साथ रहने से वे अपने वोटर खो देंगे। इसलिए आने वाले दिनों में क्षेत्रीय दल कांग्रेस से दूरी बनाएंगे। सबसे पहले झारखंड में बदलाव दिखेगा। झामुमो कांग्रेस से अलग होगा और हेमंत सोरेन वही कदम उठाएंगे। डॉ. अजय आलोक के सोशल मीडिया पोस्ट पर झामुमो ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया। इधर, झामुमो के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा-'हेमंत जीवंत हैं, भाजपा का अंत निश्चित है'। गौरतलब है कि राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा है कि झामुमो महागठबंधन से अलग होकर सरकार चलाना चाहता है। हालांकि झामुमो, कांग्रेस और राजद इसे हमेशा अफवाह बताते रहे हैं। लेकिन बिहार चुनाव के दौरान झामुमो को एक भी सीट न मिलने से नाराजगी खुलकर दिखाई दी। बिहार चुनाव प्रचार के वक्त झामुमो के वरिष्ठ नेता और राज्य सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार ने यह बयान दिया था कि पार्टी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करेगी। चुनाव के बाद भी उन्होंने इसे दोहराया। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा नेता अजय आलोक के पोस्ट पर कहा कि हेमंत सोरेन पूरी तरह जीवंत हैं, तभी भाजपा का लगातार सफाया हो रहा है। एक अकेला मुख्यमंत्री कई पर भारी है। भाजपा लगातार झारखंड को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। भाजपा भय और भ्रम की राजनीति कर रही है। लेकिन झारखंड के लोग विकास और सम्मान की राजनीति चाहते हैं। आने वाले समय में जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। राज्य में लोकतांत्रिक ताकतें और मजबूत होकर उभरेंगी।

जेएससीए के बाहर छह जगहों पर गाड़ी पार्क कर सकेंगे क्रिकेट प्रेमी

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को वनडे मैच खेला जाएगा। रांची में होने वाले इस वनडे मैच को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले क्रिकेट प्रेमियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पार्किंग को लेकर हर बार जो किचकिच होती थी, इसे दूर करने के लिए इस बार एक की जगह छह पार्किंग की व्यवस्था होगी। एचईसी ने इसके लिए 6 मैदानों को चिह्नित भी कर लिया है। इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। चिह्नित 6 मैदान को टेंडर के माध्यम से एचईसी एक दिन के लिए पार्किंग के लिए देगा। एचईसी अधिकारियों की मानें तो फिलहाल टेंडर प्रक्रियाधीन है। एक से दो दिनों में टेंडर फाइनल कर लिया जाएगा। पार्किंग शुल्क में ठेकेदार की मनमानी को रोकने के लिए भी इस बार विशेष प्लान तैयार किया गया है। टेंडर में ही कार व बाइक के लिए अलग-अलग पार्किंग शुल्क निर्धारित होगा। 9 अक्टूबर 2022 को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए क्रिकेट मैच देखने के लिए पहुंचने वाले वाहन सवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। पार्किंग स्थल पर खड़े युवकों द्वारा जेएससीए की पर्ची दिखाकर अवैध वसूली करने का आरोप लगा था। पार्किंग के नाम पर मनमाना पैसा लेते हुए लाखों रुपए की अवैध वसूली की गई थी। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले बाइक सवार से 100-200 रुपया जबकि कार सवार से 200-400 रुपए तक लिए गए थे। इस संबंध में जेएससीए ने स्टेडियम के बाहर का मामला होने की बात कहते हुए पल्ला झाड़ लिया था। क्रिकेट मैच के लिए टिकट की बिक्री 25 या 26 नवंबर से शुरू होगी। क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम के पश्चिमी गेट के पास बने काउंटर से ऑफलाइन टिकट खरीद सकेंगे। जेएससीए ने फिलहाल टिकट बिक्री के तारीखों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। टिकट का दर जारी कर दिया गया है। सबसे न्यूनतम दर की टिकट पूर्वी और पश्चिमी हिल एरिया के लिए निर्धारित की गई है। टिकट का न्यूनतम दर 1200 रुपए जबकि अधिकतम 12 हजार रुपए रखा गया है। टिकटों की बिक्री ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन भी होगी। 30 को राजधानी में चरम पर होगा क्रिकेट का रोमांच, आमने-सामने होंगी भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम एक आदमी को 5 से ज्यादा टिकट नहीं: कालाबाजारी को रोकने के लिए एक व्यक्ति को अधिकतम 5 टिकट देने का ही नियम बनाया गया है। फिलहाल जेएससीए प्रबंधन इस पर भी विचार कर रहा है। एक व्यक्ति को टिकट देने का निर्धारित संख्या को बढ़ाया या घटाया भी जा सकता है।

एसीबी ने पूर्व उत्पाद आयुक्त फैज अक अहमद से की पूछताछ, आज फिर बुलाया

रांची। शराब घोटाला में जांच कर रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को तत्कालीन उत्पाद आयुक्त और वर्तमान में रामगढ़ उपायुक्त फैज अक अहमद से लंबी पूछताछ की। उनसे मैन पॉवर सप्लाई करने वाली दो प्लेसमेंट एजेंसियों विजन हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज एंड कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स मार्शन इनोवेटिव सिक्यूरिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित सवाल पूछे गए। फैज के कार्यकाल के दौरान ही इन दोनों प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी देने का मामला सामने आया था। मंगलवार को एसीबी ने फैज को फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। एसीबी सूत्रों के अनुसार अगर फैज अहमद इस मामले में सरकारी गवाह बन जाते हैं तो तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। एसीबी इस मामले में जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। शराब घोटाला में एसीबी उत्पाद विभाग के दो पूर्व आयुक्त से पूछताछ कर चुकी है। एसीबी पूछताछ में यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस मामले में किसके कार्यकाल में क्या कार्रवाई हुई है। ताकि उसका उल्लेख चार्जशीट में किया जा सके। एसीबी के अनुसार दो प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा फर्जी बैंक गारंटी दिए जाने की वजह से उत्पाद विभाग को 38.44 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। इसी को आधार बनाकर एसीबी में शराब घोटाला की प्राथमिकी दर्ज की गई। एसीबी अबतक तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे, तत्कालीन संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह, जेएसबीसीएल के तत्कालीन महाप्रबंधक सुधीर कुमार सहित एक दर्जन से अधिक को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि इनमें से अधिकतर को कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाले की जांच पर सुनवाई

एजेंसी। रांची

सुप्रीम कोर्ट में झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच पर रोक हटाने की मांग वाली याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। यहां कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सीबीआई से सवाल किया कि उसका इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई लड़ने के लिए क्यों किया जा रहा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ झारखंड विधानसभा द्वारा झारखंड हाईकोर्ट के सितंबर 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थीः झारखंड हाई कोर्ट ने विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ विधानसभा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए 14 नवंबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर झारखंड हाई कोर्ट के विधानसभा नियुक्ति घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश पर लगी रोक को हटाने का अनुरोध किया था।

क्या है मामलाः झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर झारखंड के अधिकारियों को विधानसभा में अवैध नियुक्तियों के संबंध में जांच आयोग के 30 संदर्भ बिंदुओं के क्रियान्वयन के संबंध में तत्कालीन राज्यपाल द्वारा तत्कालीन स्पीकर को 2018 में दिए गए निर्देश को लागू करने का निर्देश देने की मांग की। याचिकाकर्ता शिवशंकर शर्मा ने कथित अवैध नियुक्तियों की CBI द्वारा जांच की भी मांग की थी। सितंबर, 2024 में हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली और निर्देश दिया कि झारखंड विधानसभा में अवैध नियुक्ति/पदोन्नति के मामले में हुई कथित अनियमितताओं की प्रारंभिक जांच CBI द्वारा की जाए।

◆ **सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से पूछा- अपनी मशीनरी का इस्तेमाल राजनीतिक लड़ाई के लिए क्यों**

झारखंड में मौसम पिछले 24 घंटे से शुष्क

एजेंसी। रांची

झारखंड में पिछले 24 घंटों से मौसम पूरी तरह शुष्क बना हुआ है। राज्य के पश्चिमी और मध्य हिस्सों में उत्तरी हवाओं का असर गहराने लगा है, जिससे सुबह और रात की ठंड में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम केंद्र रांची के अनुसार, राज्य में कोई बड़ा मौसम तंत्र सक्रिय नहीं है, लेकिन निचले वायुमंडल में उत्तरी से उत्तर-पूर्वी दिशाओं में हवा बह रही है। इसका असर रात के तापमान पर साफ दिखाई दिया। अधिकतम तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ और यह सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस के उतार-चढ़ाव के बीच बना हुआ है। चाईबासा में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची में यह 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से लगभग 3.5 डिग्री सेल्सियस कम है।

बीते 24 घंटे में चतरा सबसे ठंडा जिलाः रात के तापमान में गिरावट ज्यादा प्रभावी रही। कई जिलों में पारा सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। चतरा राज्य का सबसे ठंडा जिला बना, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रांची में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में 10.5 डिग्री सेल्सियस और गिरिडीह में 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से -5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गया है। नमी में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पूरे राज्य में हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना जताई है। सुबह धुंध छाएगी, लेकिन दिन में आसमान साफ रहेगा। इन दिनों अधिकतम तापमान 26-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

जमशेदपुर के बिरसानगर लूट कांड का खुलासा

एजेंसी। जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

जमशेदपुर पुलिस ने बिरसानगर थाना क्षेत्र में 10 नवंबर को विश्वकर्मा इंजीनियरिंग के कैशियर से हुई लूट का खुलासा कर दिया है। इस मामले में मास्टरमाइंड अजीत बेहरा और बाबू सरदार उर्फ नेपु सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1.23 लाख रुपए नगद, एक देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस, एक स्कूटी और लूट के पैसों से खरीदा गया एक मोबाइल फोन बरामद किया है।

लूट की साजिश का मुख्य सूत्रधार अजीत बेहराः सिटी एसपी कुमार शिवशीष ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लूट की साजिश का मुख्य सूत्रधार अजीत बेहरा था, जो विश्वकर्मा इंजीनियरिंग में ही कार्यरत था। अजीत का पहले भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। एसपी के अनुसार, अजीत ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर इस वारदात की योजना बनाई थी। पुलिस ने अजीत और उसके एक सहयोगी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

लगभग साढ़े चार लाख रुपए की लूट हुई थीः पुलिस ने 10.25 लाख रुपए की लूट की खबरों का खंडन किया है।

झारखंड को आत्मनिर्भर बनाने का सरकार के पास विजन नहीं : अरुण

एजेंसी। रांची

रांची भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने सोमवार को कहा कि हेमंत सरकार के पास आत्मनिर्भर झारखंड बनाने का कोई विजन नहीं है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि झारखंड में केवल लूट और भ्रष्टाचार का तांडव हो रहा है। राहुल गांधी विदेशों में भारत को गाली देते रहते हैं। इस कारण ही जनता उन्हें और कांग्रेस को बार-बार नकार रही है। अरुण सिंह आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की समीक्षा बैठक में शामिल होने झारखंड आए थे। बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार विकसित झारखंड के लिए 2050 का लक्ष्य बता रही है, लेकिन आज झारखंड को जिस रास्ते पर ले जा रही है, वह विकास से कोसों दूर करने वाला है। प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम और प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक भी मौजूद थे।

पॉलिटिकल रिपोर्ट| रांची झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों को झारखंड की हेमंत सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से उपजी घबराहट बताया है। झारखंड की प्रगति को भाजपा के नेता पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने डेढ़ दशक के शासन में झारखंड को जिस बदहाल स्थिति में छोड़कर गई थी, आज वही अरुण सिंह के आरोपों की असल वजह है। पांडेय ने पूछा कि अरुण सिंह बताएं, क्या भाजपा के डेढ़ दशक के शासन में आदिवासी-मूलवासी समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जल, जंगल, जमीन पर अधिकार मिला? क्या पूरे राज्य में अधूरे पुल, रुका हुआ सड़कों को निर्माण और बंद फैक्टरियां झूठ थीं? सहयोग करना केंद्र की जिम्मेदारी पांडेय ने कहा कि मोदी सरकार का झारखंड बताना उपकार नहीं है। झारखंड टैक्स के साथ खनिज और ऊर्जा भी देता है। इसलिए झारखंड को सहयोग करना केंद्र की जिम्मेदारी है, दया नहीं। कोयला रॉयल्टी के 1.36 लाख करोड़ के बारे में भाजपा नेता कुछ बोल क्यों नहीं पाते? हार की कुंठा में झामुमो की जीत को सहानुभूति बता रही भाजपा झामुमो महासचिव ने कहा कि घाटशिला की जनता ने उपचुनाव में झामुमो को चुना, क्योंकि उन्होंने विकास देखा और उस पर भरोसा किया। लेकिन, भाजपा कुंठा में अपनी करारी हार को सहानुभूति बता रही है। विनोद पांडेय ने कहा जिस भाजपा ने पूरे देश में भ्रष्टाचार का नया इकोसिस्टम खड़ा किया, उसके राष्ट्रीय स्तर के नेता द्वारा भ्रष्टाचार का आरोप लगाना शोभा नहीं देता। नाकामी छिपाने के लिए दोषारोपण वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा बीते दिनों केंद्र पर सहयोग नहीं देने के आरोपों पर अरुण सिंह ने कहा कि नाकामियां छुपाने के लिए दोष मढ़ रहे हैं। झारखंड में भारत माला प्रोजेक्ट के लिए 35 हजार करोड़ का बजट है। यूपीए काल में बुनियादी सुविधाओं का बजट 2.50 लाख करोड़ था और आज 12.50 लाख करोड़ है। घाटशिला चुनाव में भाजपा की हार पर अरुण सिंह ने कहा कि यह जीत सहानुभूति, धन-बल और सत्ता के दुरुपयोग की जीत है। वहीं, बिहार चुनाव के परिणाम पर कहा कि वहां जनता ने विकास को चुना।

2035 तक झारखंड को 6800 मेगावाट बिजली की जरूरत पड़ेगी

लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए ट्रांसमिशन निगम का ब्लू प्रिंट तैयार

एजेंसी। रांची

झारखंड में वर्ष 2035 तक कितनी बिजली की जरूरत होगी और उसके अनुसार क्या-क्या बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए। इसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। झारखंड ट्रांसमिशन निगम ने इंट्रा स्टेट ट्रांसमिशन रिसोर्स एडिक्वेसी प्लान का प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) को भेजा था। जिसे काफी प्रयास एवं क्वायरी के बाद आखिरकार सीईए ने अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। इसको लेकर कई स्तर एवं कई दौर की बैठकें भी हुईं। अब झारखंड ट्रांसमिशन निगम इसे अपने ससाधनों को देखते हुए अन्य राज्यों के साथ मिलकर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करेगा। 2035 तक विभिन्न स्टेज में इसे पूरा किया जाएगा। -शेष पेज 9 पर

-शेष पेज 9 पर

ऐसे बढ़ाई जाएगी क्षमताः 480 मेगावाट क्षमता वृद्धि और 324 सर्किट किमी. नई लाइनें वर्ष 2026-27 में जोड़ने का प्रस्ताव 1440 मेगावाट और 2300 मेगावाट क्रमशः वर्ष 2027-28 और 2028-29 में क्षमता वृद्धि की जाएगी 400 केवी और 220 केवी नेटवर्क का बड़ी संख्या में विस्तार होगा 114.5 सर्किट किमी. पुराना नेटवर्क वर्ष 2030-31 तक उन्नत किया जाएगा। 320 मेगावाट और 150 सर्किट किमी. नई लाइनें वर्ष 2034-35 तक अंतिम चरण में जोड़ी जाएंगी।

सीईए से मंजूरी मिलना बहुत बड़ी उपलब्धिः प्लान में बताया गया है कि फिलहाल झारखंड के पास कुल 3212.95 मेगावाट बिजली ट्रांसमिशन की क्षमता उपलब्ध है। वर्तमान में ट्रांसमिशन नेटवर्क में 132 केवी, 220 केवी और 400 केवी के स्तर पर कुल 4309 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइन मौजूद है। वर्ष 2034-35 तक बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए सीईए ने बड़ी मात्रा में नई लाइनें जोड़ने, मौजूदा लाइनों को अपग्रेड करने और सब-स्टेशनों की क्षमता बढ़ाने की सिफारिश की है। प्लान के अनुसार, झारखंड को वर्ष 2034-35 तक कुल 16250 मेगावाट बिजली ट्रांसमिशन क्षमता की अतिरिक्त जरूरत होगी। इसके लिए 3476.10 सर्किट किमी. नई ट्रांसमिशन लाइनों और मौजूदा नेटवर्क के लगभग 172.1 सर्किट किमी. रीकंडक्टिंग की जरूरत होगी।

झारखंड में कामकाजी महिलाओं के लिए बनेगा 500 बेड का हॉस्टल

एजेंसी। रांची

कामकाजी महिलाओं के लिए राज्य के पांच जिलों में 500-500 बेड का वर्किंग वूमन हॉस्टल बनेगा। पहले चरण में रांची, गिरिडीह, हजारीबाग, जमशेदपुर एवं बोकारो में बनाया जाएगा। इसके बाद धनबाद और देवघर समेत चार और जिलों में बनाए जाएंगे। एक वर्किंग वूमन हॉस्टल के निर्माण पर करीब 24 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उद्योग विभाग के प्रस्ताव पर विभागीय मंत्री संजय प्रसाद यादव ने स्वीकृति दे दी है। केंद्र सरकार के गाइडलाइन के अनुसार इन छात्रावास के निर्माण के लिए राज्य सरकार निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराएगी। सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं होने पर राज्य सरकार उक्त जमीन का मूल्य वहन करेगी। पांच छात्रावास के लिए झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (जियाडा) द्वारा स्थल भी चिन्हित किए गए हैं। इन हॉस्टलों का निर्माण केंद्र सरकार के स्पेशल असिस्टेंट टू स्टेट फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट के तहत होगा। केंद्र सरकार राज्यों को 50 वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण दे रही है। झारखंड को 163 करोड़ की स्वीकृति केंद्र से मिल चुकी है। इन 163 करोड़ में से पहले चरण में बनने वाले 5 कामकाजी महिला छात्रावास पर करीब 118 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके निर्माण के लिए झारखंड औद्योगिक आधारभूत संरचना विकास निगम (जिडको) ने तकनीकी स्वीकृति के साथ-साथ डीपीआर भी उपलब्ध करा दिया है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद संपत्ति का स्वामित्व उद्योग विभाग के अधीन होगा, जबकि रखरखाव की जिम्मेदारी जियाडा की होगी। औद्योगिक क्षेत्र वाले इलाकों में इन हॉस्टलों के निर्माण की रूपरेखा तय की गई है।

एक एक्स पोस्ट से झारखंड की राजनीति में हलचल

एजेंसी। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक के सोमवार को किए गए एक छोटे से पोस्ट ने झारखंड की राजनीति में हलचल बढ़ा दी। उन्होंने लिखा - अब नया बम झारखंड में, हेमंत अब जीवंत होंगे। कुछ ही घंटों में यह वाक्य सोशल मीडिया पर बहस का केंद्र बन गया। यूजर्स लगातार इसका मतलब पूछते रहे, लेकिन आलोक ने कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी। हालांकि दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि यह संकेत है- बिहार चुनाव के बाद देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस से दूरी बनाएंगे। उनके मुताबिक बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र और यूपी के क्षेत्रीय दल समझने लगे हैं कि कांग्रेस के साथ रहने से उनका वोट बैंक कमजोर होता है। इसी वजह से आगामी दिनों में सबसे बड़ा बदलाव झारखंड में देखने को मिलेगा। झामुमो कांग्रेस से अलग होने की ओर बढ़ेगा।

हेमंत जीवंत हैं, भाजपा का अंत निश्चित हैः अजय आलोक की टिप्पणी पर झामुमो ने भी उसी अंदाज में जवाब दिया। पार्टी के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि हेमंत जीवंत हैं, भाजपा का अंत निश्चित है। राजनीतिक गलियारों में लंबे समय से चर्चा रही है कि झामुमो महागठबंधन से अलग होकर सरकार चलाने के विकल्प पर विचार कर रहा है। हालांकि तीनों दल इसे अफवाह बताते रहे हैं, लेकिन बिहार चुनाव में झामुमो को एक भी सीट न मिलने पर नाराजगी खुलकर सामने आ चुकी है। चुनाव प्रचार के बीच झामुमो के वरिष्ठ नेता और मंत्री सुदिव्य कुमार ने भी बयान दिया था कि पार्टी इस पूरे घटनाक्रम की समीक्षा करेगी। चुनाव के बाद भी उन्होंने यही बात दोहराई थी।

कांग्रेस बोली - हेमंत की सक्रियता से ही भाजपा घबराईः प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि हेमंत सोरेन पूरी तरह सक्रिय हैं और इसी वजह से भाजपा राज्यों में लगातार जमीन खो रही है। उनके मुताबिक एक अकेला मुख्यमंत्री कई नेताओं पर भारी पड़ रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा झारखंड को अस्थिर करने की राजनीति कर रही है, जबकि जनता विकास और सम्मान की राजनीति चाहती है। दुबे ने कहा कि आने वाले समय में झारखंड की जनता भाजपा को कड़ा जवाब देगी और राज्य में लोकतांत्रिक ताकतें और मजबूत होंगी।

◆ **बीजेपी प्रवक्ता अजय आलोक के पोस्ट से बढ़ी बेचैनी, जेएमएम बोली- हेमंत जीवंत, होगा भाजपा का अंत**

भाजपा ने भी बढ़ाई दबाव की राजनीतिः भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने भी इस मुद्दे को और धार दी। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में कांग्रेस-राजद ने झामुमो को पूरी तरह किनारे कर दिया और उन्हें एक भी सीट नहीं मिली। यह साफ संकेत है कि महागठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है। उनके मुताबिक जब झारखंड में तीनों दल मिलकर सरकार चला रहे हैं, तो बिहार में झामुमो की अनदेखी सवाल खड़े करती है। उन्होंने दावा किया कि इसका असर झारखंड की राजनीति में साफ दिखेगा और गठबंधन के भीतर की कटुता अब सतह पर आएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

ई-पेपर sonvarshavani.com/epaper

संक्षिप्त समाचार

ट्रेलर की चपेट में आने से युवक की मौत

» आक्रोशित भीड़ ने घंटों किया मार्ग जाम

गिरिडीह । नगर थाना क्षेत्र के व्यस्ततम नेताजी चौक पर देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ, जिसमें अलकापुरी निवासी 28 वर्षीय युवक रोहित सिंह राठौर की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा इतनी भीषण था कि स्थानीय लोगों में क्षणभर में आक्रोश की लहर फैल गई और देखते ही देखते गुस्साई भीड़ ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। इससे शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और घंटों तक यातायात बुरी तरह बाधित रहा। रात से सुबह तक लोगों में तनाव का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना इतनी भयावह थी कि बाइक सहित युवक एक अन्य खड़े ट्रक के नीचे जा दबा, जिससे बचने की कोई गुंजाइश नहीं थी। घटना तब हुई जब रोहित सिंह राठौर झंडा मैदान से अपने घर लौट रहे थे। इससे पहले वे कोडरमा सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव को देवघर एयरपोर्ट छोड़कर आ रहे थे। झंडा मैदान में क्रिकेट मैच देखने के बाद जैसे ही वे नेताजी चौक पहुंचे, एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रोहित बाइक समेत उछलकर पास खड़े एक ट्रक के नीचे जा फंसे और घटनास्थल पर उनकी मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक वाहन सहित फरार हो गया, जिसके बाद भीड़ का गुस्सा और बढ़ गया। कुछ स्थानीय युवकों ने हिम्मत दिखाते हुए दूसरे ट्रक को पीछा कर रोक लिया, लेकिन ट्रेलर चालक पहले ही मौके से भाग चुका था। हादसे की सूचना मिलते ही नेताजी चौक पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और उन्होंने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। लोगों की मांग थी कि ट्रेलर चालक को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और शहर में अनियंत्रित भारी वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ जीतवाहन उरांव, डीएसपी कौशर अली, नगर थाना प्रभारी ज्ञान रंजन, पचम्बा थाना प्रभारी राजीव कुमार समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुँचा। अधिकारियों ने भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन लोगों का आक्रोश कम नहीं हुआ। उनकी साफ मांग थी कि कार्रवाई के ठोस आश्वासन के बिना वे सड़क नहीं छोड़ेंगे। इस दौरान नेताजी चौक से लेकर आसपास की सड़कों पर लंबा जाम लग गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। काफी मशक्कत, बातचीत और आश्वासन के बाद भीड़ धीरे-धीरे शांत हुई और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा, जिसके बाद यातायात बहाल कराया गया। इस दर्दनाक हादसे ने मृतक परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे गिरिडीह शहर को शोक और आक्रोश से भर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नौ-एंट्री हटने के बाद बड़े वाहन तेज रफ्तार से शहर से गुजर रहे हैं, जिससे लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन सड़क सुरक्षा पर गंभीर नहीं है और यदि समय रहते स्पीड कंट्रोल और भारी वाहनों पर कड़े नियम लागू किए जाते, तो ऐसे हादसों को रोका जा सकता था। लोगों की मांग है कि शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पुनः नियंत्रण लगाया जाए, स्पीड लिमिट लागू हो और नेताजी चौक जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था को और मजबूत किया जाए। फिलहाल शहर में इस हादसे को लेकर गहरा शोक और नाराजगी बनी हुई है।

उपायुक्त के साप्ताहिक जनता दरबार में हो रहा समस्याओं का समाधान

» उपायुक्त ने एक-एक कर उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

गिरिडीह । जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं।सभी कार्यों के बीच जनता की समस्याओं को हमेशा प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त ने एक-एक कर उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।जिस विषय पर जांच की आवश्यकता है संबंधित पदाधिकारी पारदर्शी तरीके से जांच करते हुए समस्याओं का निराकरण करें।यथा संभव प्रयास करें कि किसी भी व्यक्ति को एक कार्य के लिए बार - बार न आना पड़े।वैसे सभी लोग जो योग्य हैं और किसी योजना के लाभ से वंचित हैं उनको जल्द से जल्द योजना से जोड़ा जाए । जनता दरबार में पेंशन,राशन कार्ड, आवास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव है, उनका निपटारा नियमानुसार ढंग से तुरंत किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है।

विश्व शौचालय दिवस पर "स्वच्छता जागरूकता रथ" का भव्य शुभारंभ

संवाददाता

» उपायुक्त ने हरी झंडी दिखाकर समाहरणालय परिसर से किया रवाना

पाकुड़। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिले में स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने और शौचालय उपयोग के महत्व को आमजन तक पहुँचाने हेतु स्वच्छता जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार व उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, परियोजना निदेशक आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, जिला योजना पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडिस बाड़ा एवं कार्यपालक दंडाधिकारी कांति रश्मि ने संयुक्त रूप से समाहरणालय परिसर से रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वच्छता जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्यः-ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता और शौचालय उपयोग के महत्व पर व्यापक जन-जागरूकता,लाभुकों को स्वयं शौचालय निर्माण हेतु प्रेरित कर 12,000 की प्रोत्साहन राशि सीधे खाते में उपलब्ध कराना। जिन परिवारों के पास शौचालय नहीं है, उन्हें सूचीबद्ध कर निर्माण के लिए प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन प्रदान करना।स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज हेतु व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देना रथ द्वारा संचालित प्रमुख गतिविधियाँः-स्वच्छता एवं शौचालय उपयोग पर जनसंपर्क अभियान, घोषणाएँ और संवाद, गांव-गांव जाकर लोगों से सीधे संवाद कर स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करना। बिना शौचालय वाले परिवारों को चिन्हित कर उन्हें निर्माण हेतु सलाह एवं सहायता उपलब्ध कराना।सामुदायिक स्तर पर स्वच्छता को जनभागीदारी का रूप देना अभियान से अपेक्षित लाभः-स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता और सकारात्मक सोच में वृद्धि, ग्रामीण वातावरण में स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान का स्तर ऊँचा होना। खुले में शौच मुक्त (ODF) माहौल की ओर जिले की तेज़ प्रगति, स्वच्छता मिशन में सामुदायिक सहभागिता का विस्तारउपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि "स्वच्छता एक आदत नहीं, बल्कि जीवनशैली है। स्वच्छता जागरूकता रथ का उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करना और हर परिवार को शौचालय निर्माण की दिशा में प्रेरित करना है। हमारा लक्ष्य है कि पाकुड़ जिला स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बने। उन्होंने आमजन से अपील किया कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएँ तथा अपने घर एवं आसपास को स्वच्छ रखने की पहल को निरंतर आगे बढ़ाएँ।

उपायुक्त की अध्यक्षता में सरदार @150 पदयात्रा को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित

संवाददाता

पाकुड़ । उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सरदार @150 पदयात्रा के सफल आयोजन के संबंध में समाहरणालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा की गई बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयःपदयात्रा 24 नवम्बर 2025 को सुबह 10:00 बजे सिद्धू-कान्हू पार्क से आरंभ होगी। यात्रा वीआईपी रोड होते हुए आगे बढ़ेगी। मार्ग में प्रतिभागी भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। पदयात्रा का समापन बैंक कॉलोनी स्टेडियम में होगा, जहाँ प्रतिभागी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करेंगे।प्रतिभागियों की सहभागिताः पदयात्रा में बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जिले के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ, भारत स्काउट एवं गाइड, एन.सी.सी कैडेट,

» 24 नवम्बर को सिद्धू-कान्हू पार्क से होगी पदयात्रा की शुरुआत

एनएसएस स्वयंसेवक उत्साहपूर्वक शामिल होंगे।उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि सरदार @150 पदयात्रा का उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण, एकता, अखंडता और सरदार वल्लभभाई पटेल जी के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुँचाना है। छात्रों, युवाओं और समुदाय की सक्रिय भागीदारी इस कार्यक्रम को सफल बनाएगी।उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि पदयात्रा के आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे तथा सभी सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाएँ पूरी की जाएँ।

महेशपुर में उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का हुआ सफल आयोजन

संवाददाता

पाकुड़ । महेशपुर प्रखंड परिसर में उद्योग विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम (JIIDCO) द्वारा विश्व बैंक समर्थित RAMP कार्यक्रम के तहत उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया इस शिविर का मुख्य उद्देश्य MSMEs को औपचारिक रूप देना, पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं और अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। शिविर के दौरान 12 उद्यमियों ने ऑन-द-स्पॉट* पंजीकरण कराया, जिससे जिले में औपचारिक MSMEs इकाइयों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। यह स्थानीय उद्यमिता को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिला उद्योग केन्द्र, पाकुड़ के महाप्रबंधक रमाकांत चतुर्वेदी ने कहा कि इस तरह के शिविर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को प्रोत्साहित करते हैं और नए उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड उद्यमी समन्वयक श्री प्रवीण होरो ने किया इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक अमित कुमार सिंह, जेएसएलपीएस बीपीओ मोहन साहा सहित जिला उद्योग केंद्र के अन्य कर्मी उपस्थित रहे

उपायुक्त की अध्यक्षता में नशामुक्ति, स्वच्छता एवं साइबर सुरक्षा को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित

संवाददाता

पाकुड़ । समाहरणालय सभागार में आज उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में नशामुक्ति, स्वच्छता एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता को लेकर जिले के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक के दौरान उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि "मन की स्वच्छता, व्यवहार की स्वच्छता और पर्यावरण की स्वच्छता—तीनों ही एक स्वस्थ एवं जागरूक समाज की बुनियाद हैं। नशा न केवल व्यक्ति, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।" उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों व कर्मियों से नशे से पूर्ण रूप से दूरी बनाने, अपने कार्यालय और आसपास के परिसर को स्वच्छ रखने तथा कार्यस्थल पर स्वच्छ, सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का आग्रह किया। नशामुक्ति पर विशेष निर्देश उपायुक्त ने जिले में नशामुक्ति अभियान को और प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने नागरिकों से भी अपील किया कि नशा छोड़ने में यदि किसी को कठिनाई हो रही है तो वह मनोचिकित्सक डॉ. प्रकाश मुर्मु से संपर्क कर सकते हैं। मोबाइल नंबरः 7667274788 जो नशा छुड़ाने में निरंतर मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान कर रहे हैं।* साइबर फ्रॉड से बचाव पर सावधानी बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी कर्मियों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि "फर्जी कॉल, मैसेज, लिंक या बैंक से संबंधित धोखे से बचने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है।" सभी विभागों को साइबर सुरक्षा से संबंधित नियमित जागरूकता गतिविधियाँ चलाने के भी निर्देश दिए गए। नशामुक्ति की सामूहिक शपथ कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और समाज में नशामुक्ति को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया

बालिका एवं किशोरी शिक्षा में सकारात्मक बदलाव की झलक – फेस द्वारा प्रतिभा उन्मोचन कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

संवाददाता

पाकुड़ । स्वयंसेवी संस्था फेस, पाकुड़ द्वारा आज बाल दिवस के उपलक्ष्य में बालिका शिक्षा एवं किशोर–किशोरी कौशल विकास परियोजना के तहत छात्राओं की प्रतिभा और कौशल को प्रदर्शित करने हेतु एक भव्य प्रतिभा उन्मोचन कार्यक्रम का आयोजन संस्था के पाकुड़ प्रखंड स्थित चापाडांगा प्रशिक्षण केंद्र में किया गया कार्यक्रम में परियोजना से जुड़े छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों—संगीत, नृत्य, भाषण और नाटक के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके साथ-साथ फेस की किशोर–किशोरी सशक्तिकरण परियोजना के चारों क्लस्टरों की छात्राओं ने विषयवार—अंग्रेजी, डिजिटल लर्निंग, सिलाई एवं स्वास्थ्य—से जुड़े स्व-निर्मित मॉडल्स का आकर्षक प्रदर्शन किया तथा दर्शकों को प्रत्येक मॉडल के उद्देश्य और उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस प्रदर्शन ने प्रतिभागियों की बढ़ती क्षमता, तकनीकी समझ और नवाचार की स्पष्ट पहचान कराई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार एवं सामाजिक कार्यकर्ता सहित फेस के मुख्य बोर्ड सदस्य उपस्थित रहे फेस द्वारा बालिका शिक्षा, कौशल विकास और समुदाय के वंचित वर्गों के उत्थान हेतु किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं। यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव रख रही है उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि फेस द्वारा बालिकाओं किशोर– किशोरियों तथा समुदाय के वंचित वर्गों के लिए संचालित शिक्षा एवं कौशल विकास कार्यक्रम सराहनीय हैं। इस प्रकार के प्रयास न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की एक मजबूत नींव भी तैयार करते हैं। प्रतिभागियों की प्रस्तुतियाँ उनके उज्ज्वल भविष्य, सशक्त सोच और निरंतर सीखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। जिला प्रशासन ऐसे नवाचारपूर्ण एवं प्रभावी सामाजिक पहलों के साथ सदैव सहयोग के लिए तत्पर है। फेस संस्था की सचिव श्रीमती रितू पांडेय ने मुख्य अतिथियों तथा सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए फेस के सशक्त समाज निर्माण के संकल्प को दोहराया कार्यक्रम के सफल संचालन में मेहबूब आलम, प्रिया दास, निकिता झा, सहादत, देवज्योति तथा अन्य फेस कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता

पाकुड़। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी आमंत्रण सूचना

ई–नीलामी सूचना सं.: एएसएन/एमएसएस/28/11 **दिनांकः** 13.11.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन–713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण इस प्रकार है: **कैटलॉग सं.: एएसएन–एमएसएस–28–11, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय :** 28.11.2025, 12.00 बजे। **क्रम सं.:** एए/1, **लॉट सं.: एमएसएस–एएसएन–डीजीआर–एसटीजीईएन–109–25–3** (एमआईएससी–स्टैटिक–सेवाएँ–स्टैटिक जनरल), **विवरणः** दुर्गापुर स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में ऐप आधारित कैब/बाइक बुकिंग कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। **क्रम सं.:** एए/2, **लॉट सं.: एमएसएस–एएसएन–एएसएन–एसटीजीईएन–108–25–2** (एमआईएससी–स्टैटिक–सेवाएँ–स्टैटिक जनरल), **विवरणः** आसनसोल स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में ऐप आधारित कैब/बाइक बुकिंग कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को दी गई सूची के अनुसार उक्त ई–नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-246/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

जमुआ में अवैध खनन पर भड़की विधायक मंजू देवी

संवाददाता

» प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप

गिरिडीह । जमुआ प्रखंड में अवैध खनन, खराब कानून व्यवस्था और अनाज की कालाबाजारी को लेकर जमुआ विधायक मंजू देवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 23 वैध खदानों के अलावा कई खदानें बिना अनुमति के संचालित हो रही हैं और यह प्रशासनिक संरक्षण के बिना संभव नहीं। दलिया में हुए खूनी संघर्ष में एक मौत और कई घायल होने तथा गोविंदपुरा में ब्लास्टिंग के विरोध का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि अवैध खनन माफियाओं को खुली छूट मिली हुई है, जिससे कानून व्यवस्था चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जमुआ थाना क्षेत्र में गरीबों का शोषण और मामले दर्ज करने के नाम पर वसूली जारी है, जबकि अंचल कार्यालय की स्थिति भी इसी तरह है। खाद्यान्न की कालाबाजारी पर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि कई ट्रक एफसीआई पहुँचने से पहले ही माल उतार देते हैं। मंजू देवी ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वह मुद्दे को विधानसभा से सड़क तक उठाएँगी।

रामगढ़ जिले भर में टीचर नीड असेसमेंट (TNA) परीक्षा में 967 शिक्षक हुए शामिल

रामगढ़। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखण्ड सरकार के निर्देशानुसार 18 नवंबर से 20 नवंबर 2025 तक झारखण्ड राज्य में टीचर नीड असेसमेंट (TNA) परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को यह परीक्षा रामगढ़ जिला के एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय गोला , उत्क्रमित प्लस टू उच्च चटाक दुलमी, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चितरपुर, मध्य विद्यालय मांडू, उच्च विद्यालय सौदा डी पतरातु ,मध्य विद्यालय ब्लॉक परिसर रामगढ़ में टीचर नीड असेसमेंट (TNA) के तहत दूसरा चरण के पहले दिन का परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें पहले दिन प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत 967 शिक्षक शामिल हुए। परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय चटाक, दुलमी, एडीपीओ नलिनी रंजन ने मध्य विद्यालय ब्लॉक परिसर रामगढ़ और एपीओ कुमार राज ने मध्य विद्यालय माण्डू परीक्षा केंद्र का भ्रमण किया। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने कहा कि यह टीचर नीड असेसमेंट शिक्षकों के क्षमता निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण और संगठित पहल है।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन–713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत देवघर स्टेशन में मोबाइल फूड वैन/ट्रक और दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार हैः

(क) नीलामी कैटलॉग सं.: एएसएन–एमएसएस–एसटीजीईएन10, क्रम सं.: एए/1, **लॉट सं./कैटेगरीः एमएसएस–एएसएन–डीजीएचआर–एसटीजीईएन–110–25–1, ई–नीलामी की तिथि और समयः** दिनांक 01.12.2025 को 12.30 बजे। **कार्य का विवरणः** देवघर (डीजीएचआर) रेलवे स्टेशन में सबवे मार्ग के पास और उद्यान के निकट सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित 180 वर्गफीट माप में निर्दिष्ट क्षेत्र में एक मोबाइल फूड वैन/ट्रक का परिचालन एवं रखरखाव (संलग्न स्केच प्लान में दर्शित अनुसार)।

(ख) नीलामी कैटलॉग सं.: एएसएन–डब्ल्यूवीएम–25–15, क्रम सं.: एए/1, **लॉट सं./कैटेगरीः एमएसएस–एएसएन–डीजीआर–डब्ल्यूवीएम–48–25–2, ई–नीलामी की तिथि और समयः** 02.12.2025 को 12.30 बजे। **कार्य का विवरणः** 05 वर्ष की अवधि के लिए दुर्गापुर रेलवे स्टेशन में द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय/आरक्षण कार्यालय के सामने दक्षिणी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में स्टैंड अलोन आधार पर 01 वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) के संस्थापन एवं परिचालन के लिए लाइसेंस प्रदान करना।

ASN-247/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

शेरे आलम बने कसमार प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि

प्रखंड स्तरीय बैठकों में करेंगे प्रतिनिधित्व

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के युवा झामुमो नेता शेरे आलम को गोमिया विधायक सह राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कसमार प्रखंड का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस मनोनयन के साथ शेरे आलम अब कसमार प्रखंड मुख्यालय स्तर पर आहूत सभी बैठकों में विधायक का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री ने उन्हें अधिकृत करते हुए कहा है कि वे जनसमस्याओं और विकास कार्यों के समन्वय में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। शेरे आलम की इस नियुक्ति से उनके समर्थकों में हर्ष व्याप्त है। स्थानीय स्तर पर उनकी सक्रियता, संगठन में पकड़ और लोगों से जुड़ाव को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गयी है। मनोनयन के बाद उन्होंने मंत्री योगेंद्र प्रसाद के प्रति आभार जताते हुए कहा कि वे जनता और संगठन के विश्वास पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। उनकी नियुक्ति पर प्रखंड बीस सूत्री समिति सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार हेंब्रम, सोहेल अंसारी, सुभाष चंद्र ठाकुर, कुलदीप करमाली, मोबिन अंसारी, शास्त्री मुर्मू, धनंजय स्वर्णकार सहित कई नेताओं ने बधाई दी है।

जमीन के नेचर परिवर्तन व मुआवज़े को लेकर ग्रामीण जाएंगे हाईकोर्ट

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड के मुरहूलसूदी पंचायत में मंगलवार को ग्रामीणों की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई, जिसमें जमीन के गलत नेचर दर्ज होने और उचित मुआवजा नहीं मिलने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता सिद्धेश्वर महतो ने की। ग्रामीणों ने बताया कि 2016-17 में जिन जमीनों का सड़क निर्माण हेतु अधिग्रहण किया गया था, उनका वास्तविक स्वरूप आज तक राजस्व अभिलेखों में परिलक्षित नहीं किया गया है। जहां लोगों के पक्के मकान और आबादी मौजूद है, उस भूमि को रिकॉर्ड में कृषि नेचर दिखा दिया गया है। इस वजह से मुआवज़ा भी पुराने और न्यूनतम दरों पर दिया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अंचल कार्यालय से लेकर जिला स्तर तक कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। हाल ही में एक विस्तृत आवेदन मुख्यमंत्री सचिवालय को भी भेजा गया है, जिसमें सही नेचर दर्ज करने और उचित मुआवज़ा सुनिश्चित कराने की मांग की गई है।

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब इस मामले को लेकर झारखंड हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की जाएगी, ताकि प्रभावित परिवारों को न्याय मिल सके। बैठक में सिद्धेश्वर महतो के अलावा राजेंद्र महतो, रामविलास महतो, केदार महतो, लालमोहन महतो, विनोद बिहारी मुंडा,जयराम करमाली, देवेन महतो, अखिलेश्वर महतो, बेनीलाल महतो, रामचरण महतो, कामेश्वर महतो, मंगरू महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

कसमार प्रखंड में पंचायतवार शिविरों की तिथियां की गयी घोषित

कसमार (बोकारो) : कसमार प्रखंड में आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान के तहत विभिन्न पंचायतों में आयोजित होने वाले शिविरों की तिथियां तय कर दी गयी हैं। बीडीओ नम्रता जोशी द्वारा जारी सूचना के अनुसार 21 नवंबर से लेकर 15 दिसंबर 2025 तक क्रमवार पंचायतों में शिविर लगेगा। प्रत्येक शिविर सुबह साढ़े 10 बजे से लेकर अपराह्न साढ़े 3 बजे तक संचालित होगा। अभियान के दौरान आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ स्थल पर ही उपलब्ध कराने, प्रमाण-पत्र निर्गत करने, शिकायतों के निदान और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। बताया गया कि 21 नवंबर को दांतू पंचायत भवन, 24 को पोण्डा, 25 को सोनपूरा, 27 को गर्री, 28 को बरईकला, 29 को मधुकरपुर, एक दिसंबर को दुगदा, दो को बगदा, चार को मंजूरा, पांच को टांगटोना, नौ को खैराचातर, दस को सिंहपुर, 12 को मुरहूलसूदी, 13 को हिसीम तथा 15 दिसंबर को प्रखंड मुख्यालय, कसमार में शिविर लगेगा। बीडीओ ने ग्रामीणों से निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

राज्यस्तरीय टीम ने किया कुष्ठ रोगी खोज अभियान का औचक निरीक्षण

कसमार (बोकारो) : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कसमार अन्तर्गत कुष्ठ रोगी खोज कार्यक्रम 2025 में कार्यरत टीम का औचिक निरीक्षण मंगलवार को राज्य स्तरीय टीम द्वारा किया गया। टीम के सेंट्रल मॉनिटर लाल बाबू सिंह ने दल द्वारा किये गए अब तक के कार्यो का अवलोकन किया एवं दल के सदस्यों को इस कार्य को और बेहतर कार्य करने को निर्देश दिया। इसके पूर्व राज्यस्तरीय टीम के सदस्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद कसमार पहुँचकर इस कार्यक्रम से सम्बंधित आवश्यक कार्यो के विषय में पीएमडब्लू राजेश कुमार से प्राप्त किया। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमार द्वारा अब तक किये प्रतिदिन के रिपोर्ट को देखा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। कार्यक्रम में शामिल पर्यवेक्षकों में अमित विक्रम, अविनाश रंजन एवं कविता टैगोर से मिलकर उनसे भी अब तक किये गए रिपोर्ट की जानकारी ली। राज्यस्तरीय टीम के सदस्यों में लाल बाबू सिंह सेंट्रल मॉनिटर के अलावा काशीनाथ चक्रवर्ती, एनएलआर मोहम्मद सज्जाद आलम, जिला कुष्ठ सलाहकार व अन्य लोग शामिल थे।

संगीत समारोह में शास्त्रीय व सुगम संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियों से कलाकारों ने बांधा समां

संवाददाता

बोकारो : वरिष्ठ संगीतज्ञ पं. बच्चन जी महाराज के संयोजन में सेक्टर 5 बोकारो क्लब के बैडमिंटन हॉल में ध्रुपद सम्राट पं रामवृक्ष पाठक अखिल भारतीय संगीत समारोह का आयोजन किया गया। आईडी शाह कॉलेज ऑफ म्यूजिक, डांस एंड फाइन आर्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस संगीत समारोह में बोकारो व बाहर से आये ख्याति प्राप्त कलाकारों के साथ ही कुछ उदीयमान कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों को आनंदित किया। संगीत समारोह का उद्घाटन बीएसएल के डीजीएम संजय कुमार शर्मा व उनकी धर्मपत्नी सरिता शर्मा, दूरदर्शन व आकाशवाणी के गायक पं. कृष्ण मोहन पाठक, देश-विदेश में कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुके पं. शैलेन्द्र कुमार पाठक, बोकारो की संगीतज्ञ उषा रानी पाठक ने किया। कार्यक्रम संयोजक पं. बच्चन महाराज ने आगंतुकों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया।

उन्होंने कहा कि संगीत व कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन बीच बीच में संस्था द्वारा किया जाता है। कार्यक्रम में एक ओर जहां ख्याति प्राप्त कलाकारों को सुनने का अवसर संगीत प्रेमियों को मिलता है, वहीं नवोदित कलाकारों को भी मंच प्रदान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत कृष्णा तुलसी द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुई। तबले पर राजू गोस्वामी ने संगति की। तत्पश्चात आराध्या, कनक आनंद, आरोही मिश्रा, अद्विका मिश्रा ने राग यमन में गायन प्रस्तुत किया। तबले पर रुद्र आनंद ने साथ दिया। हिमांशु राज ने राग पटदीप सुनाया इनके साथ तबले पर पीयूष अनुराग ने संगति की। अथर्व श्रेष्ठ ने एकल तबला वादन व आदित्य राज ने एकल गिटार वादन प्रस्तुत किया। शंकर कुमार के ख्याल गायन में तबले पर आदित्य दुबे ने संगति की। सूरज गोस्वामी, पंडित श्याम गोस्वामी, शंकर कुमार, सूरज ठाकुर ने भजन प्रस्तुत किया। इनके साथ तबले राजू गोस्वामी, शंकर कुमार, दीप नारायण गोस्वामी व हरेक नाथ गोस्वामी ने संगति की। पं. बच्चन महाराज के शिष्य हिमांशु शेखर मिश्रा ने एकल तबला वादन प्रस्तुत किया। चंद्रकांत शर्मा ने राग श्याम कल्याण एवं नंद, मिलन गोस्वामी राग बागेश्री में ख्याल गायन, प्रभा मोहनन नायर ने कर्नाटक शैली में राग भीमपलासी में गायन, हरेक नाथ गोस्वामी ने राग बिहाग, पं. शैलेन्द्र कुमार पाठक ने राग भूपकल्याण, पं अभिराम पाठक ने राग बिहाग में धुरपद, पं कृष्ण मोहन पाठक ने राग अड़ाना, धुरपद व धमार सुनाकर शास्त्रीय संगीत के कद्रदानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनके साथ पखावज पर पं. राम वचन पाठक उर्फ बच्चनजी महाराज ने संगति की। इस अवसर वरिष्ठ संगीतज्ञ डॉ राकेश रंजन, अरुण पाठक, सुमन उपाध्याय, श्रुति रंजन, अरुण कुमार, कमलेश मिश्र, शैलेश कुमार हिमांशु आदि संगीत प्रेमी श्रोता उपस्थित थे।

शिकायतें जिला मुख्यालय तक न पहुंचें, पूरी निष्ठा से काम करें क्षेत्रीय पदाधिकारी : उपायुक्त

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के प्रशासनिक मुखिया ने आज जिले के क्षेत्रीय पदाधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश दिए हैं। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने मंगलवार को आयोजित नियमित जनता दरबार में स्पष्ट कहा कि सभी शिकायतों का निष्पादन त्वरित और संवेदनशीलता के साथ किया जाना चाहिए, ताकि आम जनता की शिकायतें जिला स्तर तक न पहुंचें।

जनता दरबार में आज लगभग 60 से ज्यादा मामले पहुंचे, जिसमें आमजन अनेकों मामले एवं शिकायतों को लेकर उपायुक्त के समक्ष हाजिर हुए। इनमें ज्यादातर शिकायतें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड के साथ-साथ भूमि विवाद से संबंधित थीं। उपायुक्त श्री झा ने एक-एक कर सभी के आवेदन एवं शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों की त्वरित जांच करते हुए इसके निष्पादन के लिए निर्देशित किया। डीसी झा ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया कि वे अपने कार्यालय कार्यों को पूरी जवाबदेही एवं गंभीरता से करें। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ आम जनता के साथ व्यवहार करने का निर्देश दिया। जनता दरबार के दौरान अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पीयूष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मानदेय नहीं मिलने से जैनामोड़ की 10 पंचायतों में 22 नवंबर से बंद होगी जलापूर्ति

संवाददाता

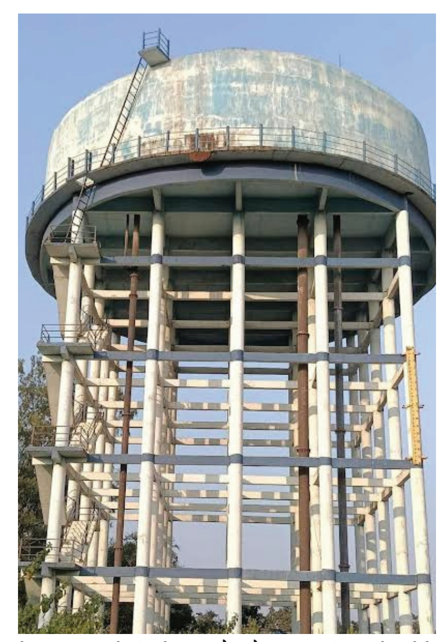

बोकारो : जैनामोड़ ग्रामीण जलापूर्ति योजना से जुड़ी 10 पंचायतों के घरों में आगामी 22 नवंबर से रोजाना सुबह मिलने वाला सप्लाई पानी बंद हो जाएगा। खुटरी स्थित पानी टंकी से जलापूर्ति करने वाले आठ कर्मचारियों ने यह कड़ा कदम उठाने की घोषणा की है।

कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें बहु पंचायत समिति से विगत पांच महीने से बकाया मानदेय नहीं मिला है, जिसके कारण उनके घर चलाने में भारी दिक्कत हो रही है। कर्मचारियों ने अपनी मजबूरी बताते हुए कहा, पानी बंद करना पाप होगा, पर हमारी भी मजबूरी है।

कर्मचारियों ने बताया कि मानदेय के अलावा, तुपकाडीह पम्प हाउस समेत कई स्थानों पर मेन पाइप लाइन में लीकेज और वितरण पाइप में लगभग पचास जगह फटा होना भी काम करने में बड़ी बाधा है। कर्मी सरयू महतो, अरुण मरांडी, विशेश्वर ठाकुर, सत्यम मिश्रा और मुकेश महतो ने बताया कि मेन रोड की मरम्मत के समय मशीन से तीन-चार स्थानों में पाइप दब गया है। पंप हाउस में लगा बिजली कनेक्शन भी खराब है, जिससे जैसे-तैसे मशीन चलाकर पानी उठाना पड़ता है। बहु पंचायत समिति को जानकारी देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती। इधर, प्रमुख देवनारायण भगत ने कहा कि थोड़ी परेशानी है और जल्द ही मानदेय देने पर विचार किया जा रहा है।

बीएसएल में तकनीकी ज्ञान का महाकुंभ, फर्नेस लाइफ बढ़ाने की रणनीति पर हुई कार्यशाला में जुटे देश के महारथी

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) आज देश के प्रमुख स्टील प्लांट्स और औद्योगिक साझेदारों के लिए तकनीकी नवाचार का केंद्र बन गया। री-हीटिंग फर्नेस कैम्पेन लाइफ को बढ़ाने तथा फर्नेस में स्केल फॉर्मेशन को कम करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आज एचआर-एलएंडडी विभाग एवं हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एलईओ (लर्निंग, एक्सेलेंस व ऑप्टिमाइजेशन) कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेल की भिलाई, राउरकेला, बोकारो, इस्को बर्नपुर और दुर्गापुर स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस सहित देश के प्रमुख निजी स्टील प्लांट्स जैसे जेएसडब्ल्यू विजयनगर वर्क्स तथा जिंदल स्टील प्लांट, ओडिशा एवं औद्योगिक साझेदार जैसे डेनिएली इंडिया और फाइव्स स्टीन इंडिया के इंजीनियरों, मेंटेनेंस प्रोफेशनल्स एवं फर्नेस विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी की। यह आयोजन ज्ञान के आदान–प्रदान हेतु एक उत्कृष्ट सहयोगात्मक मंच सिद्ध हुआ।

नियमित मेंटेनेंस पर जोर– कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन एवं अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) ए. के. दत्त, मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (सर्विसेज) अरविंद कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (एफएंडए) निर्मल कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (हॉट स्ट्रिप मिल) पी. के. वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) नीता बा की उपस्थिति में हुआ।

स्वागत संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) पी. के. वर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य को फर्नेस मेंटेनेंस, परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन एवं कैम्पेन लाइफ इंप्रूवमेंट के क्षेत्र में तकनीकी उत्कृष्टता और सहयोग को बढ़ावा देने वाला बताया।

अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने सभी को सुरक्षा शपथ दिलाते हुए री-हीटिंग फर्नेस की नियमित एवं प्रिवेंटिव मेंटेनेंस के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्केल एवं रस्ट फॉर्मेशन को नियंत्रित करने से न केवल फर्नेस की आयु बढ़ती है, बल्कि उत्पाद की गुणवत्ता और परिचालन लागत में भी उल्लेखनीय सुधार होता है।

तकनीकी सत्रों में एडवांस्ड प्रिवेंटिव मेंटेनेंस, रिफ्रैक्ट्री रणनीतियाँ और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। यह कार्यशाला स्वस्थ, तकनीकी रूप से जागरूक एवं सशक्त औद्योगिक परिवेश के निर्माण की दिशा में बीएसएल की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रतिबिंबित करती है।

बीएसएल के मन्नान अली ने राष्ट्रीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जीता रजत पदक

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में कार्यरत मन्नान अली ने राष्ट्रीय स्तर पर प्लांट और राज्य का नाम रौशन किया है। उन्होंने 35वीं राष्ट्रीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैम्पियनशिप 2025–2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इंक्लाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता (95 किलोग्राम वर्ग) में रजत पदक जीतकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

यह राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भारतीय स्ट्रेंथ लिफ्टिंग फेडरेशन के तत्वावधान में सिक्किम स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा 10 से 13 नवंबर, 2025 तक गंगटोक में आयोजित की गई थी। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच श्री अली ने अपने उत्कृष्ट कौशल, तकनीक, शक्ति, अनुशासन और खेल-भावना का परिचय देते हुए शानदार प्रदर्शन किया। बीएसएल शीर्ष प्रबंधन ने मन्नान अली की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है।

राजकीयकृत उमवि नई बस्ती की दयनीय स्थिति, एक कमरे में तीन कक्षाओं के विद्यार्थी पढ़ने को विवश

संवाददाता

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के डीवीसी पुर्नवासित गांव नई बस्ती स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय (उमवि) की शैक्षिक व्यवस्था जर्जर भवनों के साये में चल रही है। विद्यालय के छह कमरों की स्थिति वर्तमान में अत्यंत दयनीय है, जिसके चार कमरों का प्लास्टर गिर चुका है और छत से लोहे की छड़ें दिखाई दे रही हैं। राज्य सरकार की ऐसी व्यवस्था सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की बराबरी का दंभ भरने की खोखली दावेदारी को उजागर करती है।

एक एकड़ 37 डिसमिल जमीन पर वर्ष 1953 में डीवीसी ने पुर्नवासित गांव के बच्चों की पढ़ाई के लिए इस विद्यालय की स्थापना की थी, लेकिन कालांतर में डीवीसी ने भी इसकी सुध लेना छोड़ दिया। स्थापना के समय प्राथमिक तक की पढ़ाई होती थी, जिसे बाद में उत्क्रमित कर आठवीं तक कर दिया गया। वर्तमान में स्कूल में 101 बच्चे नामांकित हैं, परंतु कमरों के घोर अभाव के कारण आठवीं तक के बच्चों की पढ़ाई महज तीन कमरों में मैनेजिंग सिस्टम के तहत करवाई जा रही है। एक कमरे में कक्षा छह से आठवीं, दूसरे में कक्षा चार एवं पांचवीं तथा तीसरे कमरे में कक्षा एक से तीन तक के विद्यार्थी जैसे-तैसे बैठकर पढ़ने को विवश हैं। अन्य दो कमरों में से एक में स्कूल की लाइब्रेरी और दूसरे में प्रधानाध्यापक) का कार्यालय है।

स्कूल में आठवीं तक की पढ़ाई स्कूल के एचएम मो. इबरार अहमद के अलावा केवल दो पारा शिक्षकों के भरोसे चल रही है। जर्जर कमरों की हालत यह है कि सुरक्षा की दृष्टि से उनमें ताला बंद कर रखना पड़ रहा है। एचएम मो. इबरार अहमद ने बताया कि विद्यालय के सभी जर्जर कमरों की मरम्मत और निर्माण के लिए प्रखंड कार्यालय से लेकर डीवीसी बोकारो थर्मल सीएसआर और सीसीएल स्वांग-गोविंदपुर के पीओ को दर्जनों बार लिखित पत्र दिया जा चुका है, परंतु कहीं से भी कमरों की मरम्मत या निर्माण कार्य नहीं किया गया। स्कूल की चारदीवारी को ऊंचा करवाने के लिए अरमो पंचायत के मुखिया से भी आग्रह किया गया, लेकिन वह भी नहीं हो सका, जिसके कारण स्कूल में चोरी का भय बना रहता है। स्कूल के सामने ही गिरिडीह सांसद के प्रतिनिधि जितेंद्र यादव का आवास होने के बावजूद, उनके द्वारा भी स्कूल की मरम्मत करवाने को लेकर कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। इस उपेक्षा के कारण स्कूल प्रबंधन वर्तमान में जैसे-तैसे तीन कमरों में ही शिक्षा व्यवस्था चलाने को विवश है।

पीवीटीजी मैत्री परियोजना के तहत कार्यशाला आयोजित, शैक्षणिक उत्थान का सामुदायिक संकल्प

संवाददाता

गोमिया (बोकारो) : गोमिया प्रखंड कार्यालय के सभागार में पीरामल फाउंडेशन ने अपनी महत्वाकांक्षी पीवीटीजी मैत्री परियोजना के तहत एक विशेष कार्यशाला मंगलवार को आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण आयोजन में क्षेत्र के सभी मुखियाओं एवं पंचायत सचिवों ने उत्साहपूर्वक और सक्रिय रूप से भाग लिया, जो ग्रामीण शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में सामुदायिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने प्रभावी संबोधन में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सामुदायिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सभी मिलकर बच्चों के सीखने के स्तर को उठाने के लिए प्रतिबद्ध रहें, तो निश्चित ही आने वाले समय में हमारे प्रखंड के शिक्षा परिणाम बेहतर होंगे। यह कार्यशाला ग्रामीण शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने हेतु नए उपायों, नवाचारों और प्रभावी रणनीतियों पर गहन चर्चा करना रहा। इसके अतिरिक्त, स्थानीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्य के महत्व और उनके सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी गई, जो प्रतिभागियों को वैश्विक लक्ष्यों से जोड़ने का एक प्रयास था।

फाउंडेशन की ओर से प्रोग्राम लीडर सुश्री पौलोमी रॉय ने इस कार्यशाला का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। उनके साथ टीम के सदस्य अभिषेक शिवहरे, वैभव घाटे, राखी, और शितांशु भी उपस्थित रहे, जिन्होंने मिलकर पूरे कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को बच्चों की सीखने की क्षमता को अधिकतम करने हेतु विभिन्न गतिविधियों, अनुभवों और व्यवहारिक रणनीतियों से परिचित कराया गया। कार्यशाला का समापन एक सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। मुखिया रामवृक्ष मुर्मू, तारामणि भोक्ता, शांति देवी, पार्वती देवी, बलराम रजक, सोनाराम मुर्मू, विनोद विश्वकर्मा, हाथी मिकाइल अंसारी सहित सभी मुखियाओं और पंचायत सचिव मोहसिन परवीन, राधा कुमारी सहित समस्त पंचायत सचिवों ने यह दृढ़ संकल्प लिया कि वे अपने-अपने पंचायतों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए निरंतर और समर्पित प्रयास करते रहेंगे।

सीएम योगी ने गोरखपुर में विधि विज्ञान प्रयोगशाला का किया उद्घाटन, 72.78 करोड़ की लागत से हुई तैयार

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में 72.78 करोड़ रुपये की लागत से बने क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। कहा, देश में तीन नए कानून लागू किए गए थे। मुख्य रुप से पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन नए कानून लागू किए गए थे, जिनकी अवधारणा प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को समय से न्याय देने की रही है।

यानि ब्रिटिश कालखंड की जो अवधारण थी, दंड पर आधारित इससे अलग हटकर हर व्यक्ति को न्याय मिले और समय से न्याय मिले, इसी वजह से भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को पिछले वर्ष जुलाई में लागू किय गया था।

लागू होने के बाद ये अनिवार्य हो गया कि उन सभी अपराधों में फोरेंसिक साक्ष्य जुटाएं जाएंगे जिसमें सात वर्ष से ऊपर की सजा है। इसकी तैयारी हमने प्रदेश में पहले से ही कर ली थी। अक्सर अपराधी अपराध करता था और अपराध के बाद साक्ष्य के आभाव में अपराधी को सजा नहीं मिल पाती थी। क्योंकि लैब्स के आभाव के अपराधी बच जाते थे।

2017 में सूबे में सिर्फ 4 लैब थे। हमने उसी समय निर्देश जारी किया और कमिश्नरी स्तर पर

एक एक लैब तैयार कराया जाए, इसका प्रयास शुरू किया। पिछले 8 वर्ष में 4 लैब से बढ़कर 12 लैब हो गए हैं। सूबे के 18 कमिश्नरी में लैब बनाए होंगे। 6 कमिश्नरी में लैब का काम संचालित है।

यहां हर प्रकार को फोरेसिंग साइंस से अपराध के खिलाफ समय से ठोस साक्ष्य के साथ पीड़ित तो न्याय दिलवाने का काम किया जाएगा। हर जिले में मोबाइल फॉरेंसिंक वैन भी जुटाए गए हैं। अब अपराध करने पर पीड़ित को भटकने की जरूरत नहीं।

अपराधी मौज मस्ती साक्ष्य नहीं होने से बच निकलता है, अब बचेगा नहीं। अपराध होने के कुछ ही घंटों के अंदर पुख्ता साक्षाय होगा और लैब भी बता देगी कि ये अपराध व्यक्ति ने कारित किया है। युवाओं को भी रोजगार का माध्यम प्राप्त हो सके।

मुख्यमंत्री योगी ने भरा एसआईआर प्रक्रिया का फॉर्म, इस प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 223 के हैं मतदाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक सजग मतदाता के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में मतदाता सूची के एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया का फॉर्म भरा। मुख्यमंत्री गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में झूलेलाल मंदिर के पास स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बूथ संख्या 223 के मतदाता हैं।

भारत निर्वाचन आयोग की तरफ से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत मंगलवार सुबह बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एसआईआर प्रक्रिया का फॉर्म उपलब्ध कराया। फॉर्म भरकर मुख्यमंत्री ने उन्हें वापस हस्तगत किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, तहसीलदार सदर ज्ञान प्रताप सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, स्थानीय पार्षद एवं नगर निगम बोर्ड के उपसभापति पवन त्रिपाठी, जीडीए बोर्ड के सदस्य दुर्गेश बजाज आदि भी उपस्थित रहे।

सीएम योगी का सख्त निर्देश- पुलिस से जुड़े मामलों में करें सख्त कार्रवाई, की गोसेवा, मोर को भी दुलारा : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि पुलिस से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है।

किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनने के दौरान दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह के साथ संपन्न हुआ

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ विश्वविद्यालय के 105वें स्थापना दिवस सप्ताह का पहला सांस्कृतिक दिवस सोमवार को उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक चले सांस्कृतिक सत्र में छात्रों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। मुख्य प्रस्तुतियों में सांस्कृतिक नृत्य, संगीत, तबला, गिटार और गायन शामिल रहे। कशिश जायसवाल व समूह की गणेश वंदना, दीपिका राज का घूमर नृत्य विशेष रूप से सराहा गया। अनुष्का तिवारी की ओर से प्रस्तुत राजस्थानी लोक गीत और श्रुति व समूह का छठ गीत कार्यक्रम की प्रमुख आकर्षणों में रहा। वहीं विनायक सिंह की टीम की ओर से 'बेरोजगारी' पर प्रस्तुत सामाजिक सरोकारों से जुड़ी लघु नाटिका को दर्शकों ने पसंद किया। संचालन विनायक व परिणति ने किया। समारोह का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि प्रो. अरूप चक्रवर्ती, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वी.के. शर्मा और अधिष्ठाता प्रबंधन संकाय ने किया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय की गौरवपूर्ण परंपरा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक समृद्धि पर चर्चा की।

ध्यान व योग कार्यक्रम 28 को, राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ

लखनऊ , एजेंसी। मुज्जमनगर सुल्तानपुर मार्ग स्थित गुलजार उपवन में 28 नवंबर को एक दिवसीय विश्व एकता और विश्वास विषय पर ध्यान और योग कार्यक्रम होगा। इसका शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी। इसे लेकर सोमवार को गोमतीनगर के विपुलखंड में ब्रह्माकुमारीज संस्था की ओर से केंद्र में सुबह 11 बजे प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी गई। उप अंचल प्रभारी राजयोगिनी राधा दीदी ने बताया कि इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व एकता और विश्वास को बढ़ा देना है। 28 नवंबर को दोपहर 12 बजे राष्ट्रपति कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगी। वह पिछले 24 वर्षों से संस्था से जुड़ी हैं। माउंट आबू से आईं लीना दीदी ने बताया कि इसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, राजयोग प्रशिक्षक और सामाजिक क्षेत्र के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोग भाग लेंगे। भाई नथमल, मंजू दीदी आदि लोग मौजूद रहे।

बिहार चुनाव में भाजपा की स्थिति पूछना डॉक्टर को पड़ा भारी, मेडिकल स्टोर संचालक ने पीट दिया

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ के चिनहट के मल्हौर में परिचित से बिहार चुनाव में भाजपा की सीटों की स्थिति पूछने पर मेडिकल स्टोर संचालक ने डॉक्टर को पीट दिया। एफआईआर दर्ज की गई है। निजामपुर निवासी श्रवण कुमार तिवारी दांतों के डॉक्टर हैं। शनिवार रात वह क्लीनिक बंद करके निकल रहे थे कि एक परिचित मिल गए। वह उससे चुनाव में भाजपा की सीटों के बारे में पूछ रहे थे कि तभी बगल के मेडिकल स्टोर से संचालक चंद्र प्रकाश यादव आया और पीटने लगा। उसका साथी भी धमकाने लगा। श्रवण ने आरोप लगाया कि चंद्र प्रकाश ने उनसे 50 हजार रुपये लिए थे। रकम वापस मांगने पर धमका रहा था। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा के मुताबिक पीड़ित चंद्र प्रकाश के मेडिकल स्टोर की दवाएं नहीं लिखता था। इससे वह रंजिश रखता था।

खदान हादसा: बच्ची के कपड़ा खरीद लिहा, हम इतवार के दवाई लेके आइब... घटना से पहले पत्नी से फोन पर किया था वादा

सोनभद्र , एजेंसी। सोनभद्र जिले में खदान हादसे के बाद कृपाशंकर के परिवार के लोग हर शव को निहार रहे थे, लेकिन किसी से पहचान नहीं हो पाई। पोस्टमार्टम हाउस के सामने चबूतरे की ओट में बैठी सुरसती देवी की आंखों के आंसू सूख चुके थे। गोद में तीन माह की बेटी को लेकर वह निढाल पड़ी थी। कानों में बार-बार वही शब्द गूंज रहे थे, जो पति ने घटना से एक दिन पहले फोन पर हुई बातचीत में उससे कहा था। करीब 15 दिन पहले खदान में मजदूरी के लिए घर से निकले कृपाशंकर ने कहा था कि वह इस रविवार को घर जरूर आएगा।

शुक्रवार को फोन पर बातचीत में सुरसती ने उसे मासूम बच्ची की तबीयत के बारे में जानकारी दी थी। कहा था कि उसे दवा दिलानी होगी। तब पति ने भरोसा दिया था कि शनिवार को काम खत्म होने पर हिसाब होगा। पैसे लेकर वह सीधे घर आएगा। पत्नी से कहा था कि बेटी के लिए नए कपड़े खरीद लेना। वह दवा लेकर आएगा। पति के साथ इस अंतिम बातचीत का जिक्र करते हुए सुरसती देवी बिलखती रही। पास में उसके साथ उनकी छह साल की बेटी सरिता भी थी।

दोनों बच्चियों को निहारते हुए वह लोगों से पूछती रही कि अब उनकी परवरिश कैसे होगी। सुरसती देवी के मुताबिक कृपाशंकर घर पर रहकर ही खेती करता था। इस वक्त खेती का काम नहीं था, इसलिए वह खदान में काम करने चला गया था। सोचा था कि कुछ पैसे मिल जाएंगे। इसके बाद वह घर आकर धान की कटाई करेगा, मगर होनी को कुछ और ही मंजूर था।

राम खेलावन को ढूंढते पहुंची पत्नी, घटना के बाद से लापता : खदान के अंदर मलबे में छह मजदूरों के दबने की पुष्टि अब तक प्रशासन की ओर से की गई है। इसमें एक नाम राम खेलावन का भी है। प्रशासन की ओर से जारी सूची में पनारी ग्राम पंचायत के खड़री टोला निवासी रामखेलावन (40) पुत्र सीताराम का उल्लेख है। सोमवार को दोपहर जुगैल के ढोसरी डांड टोला निवासी मानमति पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। वह अपने पति रामखेलावन को ढूंढ रही थी।

बताया कि पति 15 दिन पहले खदान में काम करने के लिए निकला था। दो दिन पहले क्षेत्र के एक व्यक्ति से मुलाकात होने पर बताया था कि शनिवार को मजदूरी का हिसाब करने के बाद रविवार को घर पहुंचेगा। पति के न पहुंचने पर चिंतित मानमति अपनी सास मितका देवी के साथ पहले खदान पहुंचीं। वहां से उन्हें पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया।

श्रावस्ती चीनी मिल में गन्ना पेराई शुरू

शिवपुर, एजेंसी। नानपारा की श्रावस्ती सहकारी चीनी मिल में नए पेराई सत्र का शुभारंभ मंत्रोच्चार के साथ किया गया। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने हवन-पूजन कर मिल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि गन्ना खरीद, तौल प्रक्रिया और भुगतान में किसी भी स्तर पर किसानों को असुविधा न हो। इस मौके पर किसानों का सम्मान भी किया गया।

उद्घाटन समारोह में पुरोहित मुकुंद राम मिश्रा ने जिलाधिकारी का तिलक किया और पूजा संपन्न कराई। डीएम ने डोंगे में गन्ना डालकर पेराई सत्र का औपचारिक शुभारंभ किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने तौल कराने आए गुलालपुरवा निवासी किसान मोती लाल का स्वागत करते हुए उन्हें गुड़ खिलाया और उनकी बैलगाड़ी पर टीका लगाया।

इसके बाद बैलगाड़ी में भरे 27 क्विंटल 50 किलो गन्ने की तौल कराई गई। दूसरे गेट पर खुदादभारी के किसान रामसुख के ट्रैक्टर का 99 क्विंटल 40 किलो गन्ना तौला गया और उन्हें पर्ची उपलब्ध कराई गई।

डीएम ने कहा कि किसान अपनी

सुविधा के अनुसार गन्ना मिल में लाएं। उन्होंने वादा किया कि तौल और पर्ची वितरण में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मिल संचालन समयबद्ध तरीके से करते हुए किसानों को भुगतान शीघ्र किया जाए।

शुभारंभ कार्यक्रम में पूर्व सांसद अक्षयवर लाल गौड़, विधायक राम निवास वर्मा, सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष घनश्याम सिंह, भाजपा नेता ओम प्रकाश गुप्ता, आनंद प्रकाश श्रीवास्तव, राम वर्मा, जिला गन्ना अधिकारी आनंद शुक्ला, वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मनोज उपाध्याय, मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार, मुख्य रसायनविद गजेंद्र सिंह, गीतेंद्र कुमार, मुख्य लेखाकार गौरव द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

40 लाख क्विंटल पेराई का लक्ष्य

महाप्रबंधक महेश कैथल ने बताया कि इस पेराई सत्र में 40 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य पूरा करना मिल की प्राथमिकता है। साथ ही मिल तक आने-जाने वाले मार्गों की खराब स्थिति जल्द सुधारने की व्यवस्था की जाएगी।

यूपी के 70 हजार वक्फ के मुतवल्ली कौन...पता नहीं, वक्फ बोर्ड में दर्ज होने के बाद 37 साल से नहीं किया संपर्क

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के करीब 70 हजार वक्फ के मुतवल्ली कौन हैं? वर्तमान में जिंदा हैं या नहीं, इसकी जानकारी वक्फ बोर्ड के पास नहीं है। बोर्ड के रिकार्ड में करीब 37 साल पहले दर्ज होने के बाद से अधिकांश मुतवल्ली संपर्क मे नहीं हैं। तमाम जिलों में 11 साल तक चले सर्वे के बाद वर्ष 1988 में गजट में इन अवकाफ को दर्ज किया गया था।

प्रदेश में वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराने के लिए नवंबर 1976 में शासनादेश जारी किया गया और वर्ष 1977 में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने सर्वे वक्फ कमिश्नर विभाग का गठन कर वर्ष 1977 से 1988 के बीच वक्फ संपत्तियों का सर्वे कराया। गजट नोटिफिकेशन के बाद बोर्ड के दफा 37 रजिस्टर में एक लाख 11 हजार 418 संपत्तियां दर्ज की गई थीं।

सर्वे वक्फ विभाग ने कुछ समय बाद अपने स्तर से सर्वे कराकर कुल 1,33785 अवकाफ दर्ज किए थे। वर्तमान में उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ

बोर्ड में करीब 1 लाख 26 हजार और उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड में करीब 7 हजार 785 संपत्तियां पंजीकृत हैं। दर्ज होने के बाद से करीब 80 फीसद सुन्नी और करीब 40 फीसद शिया वक्फ के मुतवल्लियों ने बोर्ड कार्यालय से कोई संपर्क नहीं रखा।

सुन्नी वक्फ बोर्ड के चेयरमैन जुफर फारूकी ने बताया कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ का पंजीकरण अनिवार्य होने के बाद सबसे बड़ी चुनौती करीब 60 से 70 हजार वक्फ के मुतवल्लियों से संपर्क करने की है। इनमें ज्यादातर उन संपत्तियों के मुतवल्ली शामिल हैं जिनकी कोई आमदनी नहीं है।

उन्होंने बताया कि 37 साल पहले बने मुतवल्लियों में अधिकांश के जिंदा होने की उम्मीद भी नहीं है। समस्या के समाधान के लिए वेबसाइट पर जिलावार वक्फ की सूची और गजट की कॉपी अपलोड की गई है। शिया वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी जीशान रिजवी ने बताया कि करीब 2 से 3 हजार वक्फ के मुतवल्ली कार्यालय के संपर्क में नहीं हैं।

रेलवे के खंडहर मकान में बेहोश मिली महिला...पास ही पड़ा था बैग, होश में आने पर बताई आपबीती

आगरा , एजेंसी। आगरा के कैंट रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह एक खंडहर मकान में इटावा की महिला बेहोश मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह 6:30 बजे रेलवे कॉलोनी के एक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि एक महिला खंडहर मकान में बेहोश पड़ी है। पास ही उसका बैग भी रखा है। ऑटो वाले फेंक गए हैं। अस्पताल में दोपहर बाद होश आने पर महिला ने पुलिस को बताया कि वह हरियाणा जाने के लिए सहेली के घर से निकली थी। रास्ते में तबीयत खराब हो गई। महिला ने अपने पति का मोबाइल नंबर दिया। पुलिस ने पति से बात की। हालांकि परिजन देर रात तक नहीं आए।

एसीपी इमरान अहमद ने बताया कि महिला के मुताबिक वह इटावा के भरथना की है। बीमार रहती है। कई बार बेहोश हो जाती है। अक्सर इलाज के लिए आगरा आती रहती है। एक सप्ताह पहले घर से निकली थी। फिरोजाबाद में अपनी दोस्त के घर चली गई थी। वहां से आगरा दवा लेने आई थी।

इसके बाद हरियाणा नौकरी करने जाना चाहती थी। आगरा कैंट स्टेशन के पास तबीयत खराब हो गई। उसने किसी तरह की घटना से इन्कार किया है। वहीं पति ने फोन पर पुलिस को बताया कि उनके एक बच्चा है। परिजन के आने पर महिला को उनके सुपुर्द किया जाएगा।

यात्रीगण ध्यान दें...आगरा-लखनऊ इंटरसिटी सहित कई ट्रेनों का संचालन बदला

आगरा , एजेंसी। यदि आप ट्रेन से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो कृपया ध्यान दें। राजधानी -लखनऊ रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 और 5 पर निर्माण काम चल रहा है। इस कारण रेलवे ने कुछ दिनों के लिए कई ट्रेनों का संचालन बदल दिया है। इसका सीधा असर शहर के यात्रियों पर पड़ेगा। पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि आगरा फोर्ट-लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस अब कुछ दिनों तक लखनऊ स्टेशन की जगह ऐशबाग स्टेशन से चलेगी। यात्रा करने से पहले ट्रेन का स्टेशन और समय एक बार जरूर चेक कर लें।

आगरा से कटरा, जम्मू, पंजाब या मध्य प्रदेश जाने वाले यात्रियों को इससे आगे की यात्रा के लिए दूसरी ट्रेनों या बसों का सहारा लेना पड़ सकता है। लखनऊ स्टेशन पर निर्माण कार्य भविष्य में यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाएगा लेकिन अभी के लिए आगरा के यात्रियों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे की ओर से कई ट्रेनों का संचालन कुछ दिन के लिए बदला गया है।

12180/12179 आगरा-लखनऊ इंटरसिटी (13 से 22 दिसंबर तक) यह ट्रेन लखनऊ की जगह ऐशबाग स्टेशन पर पहुंचेगी और वहीं से चलेगी। आगरा से जाने वाली ट्रेन (12180) ऐशबाग पर 12:25 मिनट पर पहुंचेगी। लखनऊ से आगरा आने वाली ट्रेन (12179) ऐशबाग स्टेशन से 3:55 मिनट से चलेगी। इस बदलाव के कारण आगरा के यात्रियों को लखनऊ जाने पर अलग स्टेशन तक पहुंचना होगा। ऐशबाग स्टेशन मुख्य लखनऊ स्टेशन से थोड़ा दूर है इसलिए वहां तक पहुंचने के लिए समय से पहले निकलना होगा।

स्टार्टअप योद्धा: 80 करोड़ की वर्चुअल दुकानदार हैं वर्तिका पंजाबी, चिकनकारी को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाया

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ शहर की युवा उद्यमी वर्तिका पंजाबी ने लखनऊ की चिकनकारी को स्थानीय बाजारों से निकालकर दुनिया के हर कोने तक पहुंचा दिया है। उनकी ई-कॉमर्स वेबसाइट हर साल 80 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। बदलते व्यापारिक दौर को देखते हुए अब वह क्विक कॉमर्स में भी कदम बढ़ा रही हैं, ताकि ग्राहक ऑर्डर करने के कुछ ही घंटों में चिकनकारी उत्पाद अपने घर पर पा सकें।

वर्तिका बताती हैं कि कंपनी से 30 हजार कारीगर और 15 हजार अन्य स्टाफ जुड़े हैं, जिनकी मेहनत ने लखनऊ की इस पारंपरिक कला को वैश्विक पहचान दिलाई है। डाटा एनालिटिक्स के सहारे उन्होंने कई शहरों में वेयरहाउस तैयार किए हैं, जहां लोगों की पसंद के हिसाब से माल स्टॉक होता है।

करीब 90 साल पुराने चिकनकारी व्यवसाय से जुड़े परिवार की बेटी वर्तिका

(चौथी पीढ़ी) ने परंपरा से हटकर 2008 में ई-कॉमर्स की राह पकड़ी थी। वह कहती हैं कि जब मैंने शुरुआत की, तब मेरे सामने कोई मिसाल नहीं थी। आज भी इतनी बड़ी रेंज वाली चिकनकारी कलेक्शन कहीं दिखाई नहीं देती। 2018 में जब चिकनकारी को ओडीओपी के तहत शामिल किया गया, तो उनका कारोबार और तेजी से फैलने लगा। इससे असली और मशीन की कढ़ाई में फर्क समझना आसान हुआ और ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा।

नवाबी दौर से निकली चिकनकारी की कहानी: वर्तिका बताती हैं कि नवाबी सल्तनत में दरबारी कारीगर जरदोजी और चिकनकारी का काम करते थे। नवाबी शासन खत्म होने पर ये कारीगर लखनऊ में ही बस गए और छोटे-छोटे कपड़ों पर कढ़ाई कर बाजार में लाने लगे। यही परंपरा आज भी पीढ़ियों से चली आ रही है।

सख्त चेकिंग के बीच पॉलीटेक्निक सेमेस्टर परीक्षा शुरू

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी के राजकीय, अनुदानित और पीपीपी मॉडल पॉलीटेक्निक कॉलेजों में सोमवार से डिप्लोमा इंजीनियरिंग की सेमेस्टर परीक्षाएं शुरू हुई। दो पाली में आयोजित परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग की गई। प्रवेश पत्र के अलावा पर्स या किसी भी तरह के कागज ले जाने पर पाबंदी रही। चेकिंग के दौरान कुछ अभ्यर्थियों के पास कागज मिले, जिन्हें बाहर रखवाने के बाद परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दी गई। प्राविधिक शिक्षा परिषद के संयुक्त सचिव विजय पाल ने बताया कि सघन चेकिंग के लिए जिला और कॉलेज स्तर पर कई टीमें तैनात रहीं। ऑनलाइन पेपर से नकल की संभावना बेहद कम रही। हीवेट पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य कुंदन सिंह के मुताबिक, दो पाली में आयोजित परीक्षा में एक हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए। राजकीय महिला पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिंह ने बताया कि परिषद के कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जा रही है।

प्राकृतिक का अनमोल खजाना है दुनिया की यह जादुई गुफा

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जो अपने आप में अनोखी है। ऐसी चीज लोगों को हैरान कर देती है। हर चीज के पीछे कोई ना कोई कारण भी अवश्य छुपा होता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के बारे में बताएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस गुफा के अंदर एक रहस्यमई दुनिया भी है, जो यकीन से परे है। यहां के रास्ते, गहराई और अनदेखे नजारे आपको हैरान कर देंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चमत्कारिक गुफा मानी जाती है। आज हम आपको उस गुफा के बारे में बताएंगे, जो इतनी विशाल है कि उसके अंदर एक अलग सी दुनिया बसी हुई है। यहां का रहस्य काफी अलग है। यहां हर किसी को जाने की इजाजत भी नहीं मिलती है।

ऐसे पड़ा गुफा का नाम

दरअसल, इस गुफा का नाम सॉन डूंग गुफा है जो कि वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित है। यहां फॉन्ग न्हाके बांग नेशनल पार्क भी है, जो कि 9 किलोमीटर लंबी है। इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है। इसके पास एक छोटा सा गांव बसा है, जिसका नाम डूंग है। इसी नाम के आधार पर इस गुफा का नाम रखा गया है।

किसान ने की थी खोज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यहां आस-पास रहने वाले किसान हो खान ने 1991 में इस गुफा को ढूंढा था, लेकिन वह इसे भूल गया। फिर साल 2009 में ब्रिटिश गुफा अनुसंधान संघ ने इसे दोबारा खोजा, जिसे देख सभी हैरान रह गए थे। इस गुफा के अंदर 80 मीटर तक ऊंचे चूने के स्टैलेग्माइट्स है। इस रहस्यमई गुफा में कई बड़े-बड़े मोती मिलते हैं, जो पानी और चूने से बने होते हैं। लंबाई और चौड़ाई की बात करें, तो यह 150 मीटर चौड़ी और 200 मीटर ऊंची है और 9 किलोमीटर लंबी है। जिसमें एक पूरा शहर या फिर हवाई जहाज भी समा सकता है।

बसी है अलग दुनिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें एक अलग दुनिया भी बसी है। यहां बारिश होती है, जंगल है, नदी बहती है। जिस कारण यहां अलग जलवायु बन चुकी है। साल 2013 में वियतनाम सरकार द्वारा इसे खोला गया, जहां केवल चुनिंदा पर्यटकों को ही जाने की इजाजत मिलती है। वह भी केवल चार दिन के लिए.. ऑक्जेलिक एडवेंचर कंपनी परमिट से लेकर गाइड तक सब कुछ संभालती है, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। यह जादुई दुनिया प्राकृतिक का अनमोल खजाना है।

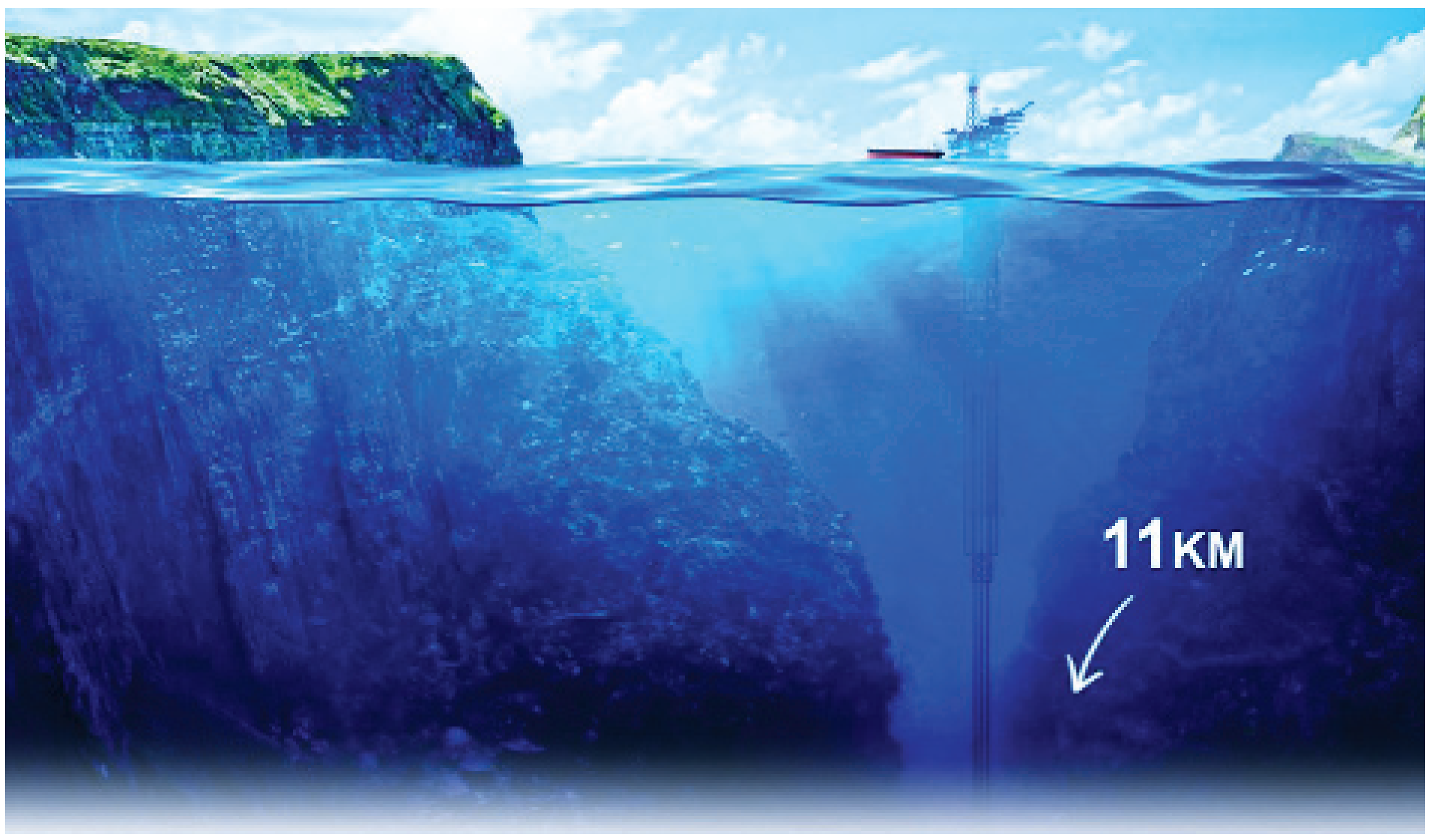

समुद्र रहस्यमय जगह मारियाना ट्रेंच

सूरज की रोशनी जहां कभी नहीं पहुंची। कहीं बर्फीला पानी तो कहीं उबाल देने वाले स्प्रिंग्स। प्रेशर इतना कि इंसान की हड्डियां पल में चकनाचूर हो जाएं। पानी की सतह से 11 हजार मीटर नीचे बसती है एक दुनिया जिसने समेट रखी हैं कई पहेलियां और होश उड़ा देने वाले नजारे। जिसकी तुलना चांद की सतह से की जाती है और जहां दूसरे ग्रहों की तरह वैज्ञानिक जीवन की खोज में जुटे रहे- ये है कहानी दुनिया के सबसे गहरे पॉइंट मारियाना ट्रेंच की।

धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक मारियाना ट्रेंच की गहराई इसे धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बनाती है। यहां सूरज की रोशनी पहुंचती नहीं और अंधेरे की चादर हमेशा कायम रहती है। उस पर से शून्य डिग्री सेल्सियस का जमा देने वाला तापमान। सबसे भयानक होता है पानी का दाब जो इंसानी हड्डियों को पल में चकनाचूर कर सकता है। यहां हर स्क्वेयर इंच पर 8 टन का दबाव होता है जो गहराई के साथ और भी ज्यादा बढ़ता जाता है। पानी का यह दबाव इंसानी शरीर पर इस तरह असर करता है कि ऐसा कोई भी हिस्सा जहां हवा भरी हो, वह बाकी नहीं रह जाता। धीरे-धीरे फेफड़े धंस जाते हैं और हड्डियां टूट जाती हैं। मारियाना ट्रेंच धरती की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट की सबसे गहरी जगह है। यह कितना गहरा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट को ट्रेंच के सबसे गहरे पॉइंट पर रख दिया जाए तो भी उसकी चोटी समुद्र स्तर से 7 हजार फीट नीचे ही रह जाएगी। दो टेक्टॉनिक प्लेटों- पैसिफिक और मारियाना- की टक्कर से मारियाना ट्रेंच बना है। इसमें एक प्लेट दूसरी के नीचे दब गई जिसकी वजह से पुराना और घना क्रस्ट नीचे की सतह मैंटल में धंस गया।

गहरे समंदर की इस अंजान दुनिया में पहली बार कदम रखा था ओशियनॉग्रफर जैक पीका और लेफ्टिनेंट डॉन वॉल्श ने। 23 जनवरी 1960 को Trieste नाम की सबमर्सिबल की खिड़की से बाहर झांकते हुए दोनों ऐसे नजारों के गवाह बने जो पहले किसी ने नहीं देखे थे। उनके अनुभव जानने के बेताब दुनिया के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि

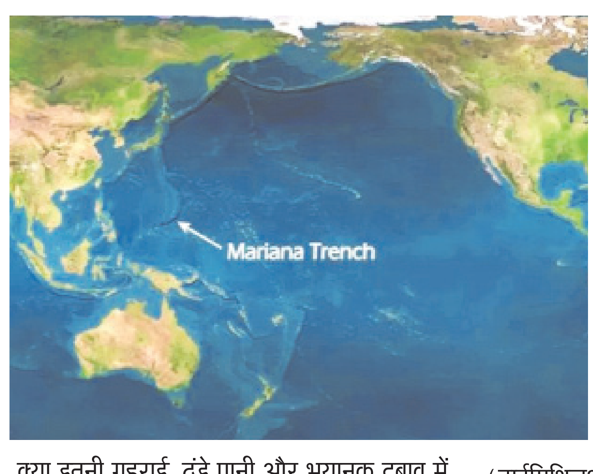

क्या इतनी गहराई, ठंडे पानी और भयानक दबाव में जीवन की संभावना है? चार घंटे और 47 मिनट में सतह पर पहुंचने पर रेत में हुई हलचल की वजह से दोनों कोई तस्वीर नहीं ले सके लेकिन उनकी आंखों ने जो देखा उस पर लंबे वक्त तक बहस चलती रही। जैक ने खिड़की को खिड़की से बाहर एक फ्लैटफिश नजर आई। उन्होंने फौरन वॉल्श को बताया। वॉल्श ने भी इस मछली को देखा और तभी नीचे से निकली रेत उनकी खिड़की के सामने आ गई। हालांकि, मरीन बायॉलजिस्ट्स ने दावा किया कि इतने दबाव में मछलियों का होना नामुमकिन है और पीका और जैक्स ने जो देखा वह कुछ और रहा होगा लेकिन अमेरिकी नौसेना के इन अनुभवी अफसरों ने साफ-साफ कहा कि जब तक वैज्ञानिक उन्हें गलत साबित नहीं कर देते वे यह मानते रहेंगे कि उन्होंने जो देखा वह मछली ही थी। इस मिशन के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या मारियाना ट्रेंच में जीवन मुमकिन है।

...तो क्या यहां मुमकिन है जीवन?

मारियाना ट्रेंच पर जीवन के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन जीवन जरूर फल-फूल रहा है। वह बताते हैं, बिना रोशनी, एसिड, तापमान और दबाव जैसी स्थितियों में भी हैरान कर देने वाली संख्या में जीव यहां पाए जाते हैं। 200 से ज्यादा सूक्ष्मजीवियों से लेकर क्रस्टेशियन और ऐंफपॉड समेत सी क्युकूंबर, ऑक्टोपस और मछलियां यहां मौजूद हैं। साल 2014 में गुआम के पास सबसे गहराई में 8000 मीटर नीचे पाई जाने वाली स्नेलफिश की खोज की गई। जेम्स कैमरन ने जो तस्वीरें लीं उनमें एकदम गहराई में भी समुद्री जीवन देखा जा सका। इन पर वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर यहां जीवन कैसे मुमकिन है।

इन परिस्थितियों में भी कैसे पनप रहा है जीवन?

माना जाता रहा कि दबाव की वजह से कैल्शियम, जिससे हड्डियां बनती हैं, वह रह ही नहीं सकता है। बिना हड्डियों के मछलियों के जीवन पर भी सवाल बना रहा। हालांकि, डॉ. राम करन बताते हैं कि प्रकृति विज्ञान को हैरान करती रही है और मारियाना में स्नेलफिश का पाया जाना इसका सबूत है। उन्होंने बताया है, सतह के पास रहने वाली मछलियों में तैरने के लिए ब्लैडर होता है जिसमें हवा भरी होती है। इसकी मदद से वे ऊपर-नीचे करती हैं लेकिन गहराई में रहने वाली मछलियों में ये एयर-बैग नहीं होते हैं। इसलिए दबाव का इन पर असर नहीं होता। यही नहीं, यहां पाए जाने वाले जीवों में हड्डियों के अलावा कार्टिलेज पर ज्यादा निर्भरता होती है। इनके खोपड़ों में भी जगह खाली रहती है ताकि टूटने का खतरा कम हो। सबसे बड़ा बदलाव जेनेटिक स्तर पर हुआ है। किसी भी प्रक्रिया के लिए उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन अपनी संरचना स्थिरता के साथ बदल सकें, इसके लिए जरूरी TMAO (ट्राईमिथिलअमीन-ऑक्साइड) को बनाने वाले जीन की स्नेलफिश में ज्यादा कॉपी पाई गईं। बर्फीले पानी में रहने के लिए इन जीवों में ऐसे फैट होते हैं जो जमते नहीं हैं।

इसके अलावा अंधेरा होने के बावजूद के बाद कुछ जीव तेज नजर पर भरोसा करते हैं तो कुछ स्पर्श और वाइब्रेशन की मदद लेते हैं। कुछ खुद की रोशनी पैदा करते हैं जिससे शिकार को पकड़ा जाता है और खुद शिकार होने से बचा जाता है। सूरज की रोशनी के बिना होने वाली खाने की कमी ऊपर से आने वाले मृत जीवों के अवशेषों से लेकर लकड़ी के टुकड़ों तक पर निर्भर करते हैं।

यहां रिसर्च में क्यों जुटे हैं वैज्ञानिक?

किसी भी ट्रेंच में छिपे रहस्यों को उजागर करने से दवाओं, खाद्य, ऊर्जा स्रोत जैसे उत्पाद तो मिल ही सकते हैं, भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से बचने की तैयारी की जा सकती है। सबसे बड़े जिस सवाल का जवाब यहां छिपा हो सकता है वह है धरती के पर्यावरण में हो रहा बदलाव। इतने गहरे पानी, अंधेरे, दबाव और तापमान के हालात में रह रहे जीवों का विज्ञान हमें बता सकता है कि उनमें विकास कैसे हुआ। रिसर्चर्स को गहरे समुद्र में रहने वाले ऐसे सूक्ष्मजीवी मिले हैं जो ऐंटीबायॉटिक और ऐंटी-कैंसर दवाओं के काम आ सकते हैं। ऐसे में यहां रिसर्च से डायबिटीज के इलाज से लेकर लॉन्ड्री डिटर्जेंट जैसी जरूरतों तक को पूरा किया जा सकेगा।

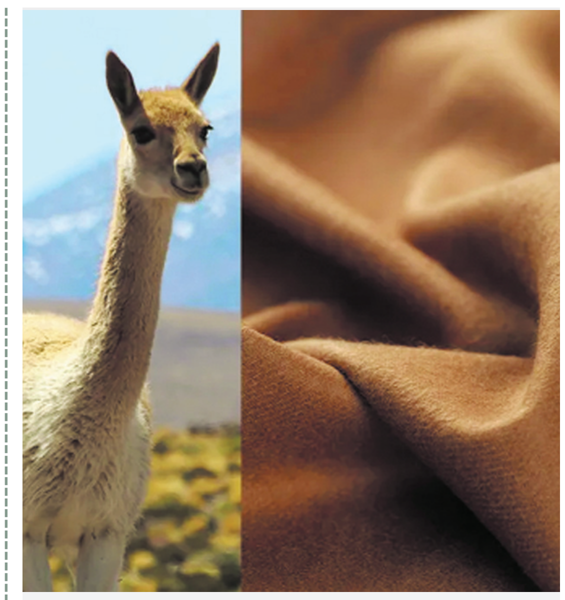

दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक विकुना

इस दुनिया में सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी चीज मौजूद है। इसे खरीदने वाले भी अलग-अलग बजट के लोग होते हैं। कुछ लोग महंगी चीज खरीदना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को सस्ती और बजट के अंदर मिलने वाली चीज पसंद आती है। कुछ ब्रांड ऐसे हैं जिनकी वैल्यू बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह महंगे मिलते हैं। आपने अब तक सस्ती से महंगी कई चीजों के बारे में सुना होगा। आप में से सभी लोगों ने सस्ते से महंगी हर तरह की चीजों की खरीदी की होगी और उनका उपयोग भी किया होगा। इस दौरान क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगा कपड़ा कौन सा होगा। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक के बारे में बताते हैं। यह इतना ज्यादा महंगा है कि अगर आप इसके मोजे भी खरीदना चाहे तो आपको अपनी गाड़ी बेचनी पड़ सकती है।

विकुना है सबसे महंगा फैब्रिक

दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक की बात करें तो यह कोई और नहीं बल्कि विकुना है। इसकी कीमत का अंदाजा इससे बने हुए कपड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इससे बने हुए मोजे की कीमत 80000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपको इससे बनी टी-शर्ट खरीदनी है तो आपको लाखों रुपए चुकाने पड़ सकते हैं। शर्ट खरीदना हो तो यह कीमत 5 लाख से ऊपर जा सकती है। पैंट की कीमत 8 लाख से ज्यादा हो सकती है। वहीं अगर कोट खरीदना है तो शायद 11 लाख रुपए से ऊपर चुकाना होंगे।

कहां मिलता है

दुनिया का सबसे महंगा कपड़ा विकुना एक दुर्लभ ऊन है, जो दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वतों में मिलता है। ये बहुत ही मुलायम, महीन और गर्म होता है। हालांकि, इससे बने कपड़े आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

क्यों है महंगा

दुनिया का यह सबसे महंगा फैब्रिक ऊंट के ऊन से तैयार होता है। यह ऊंट आम नहीं होते बल्कि बहुत ही खास प्रजाति के होते हैं, जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं। 1960 में इन्हें दुर्लभ प्रजाति घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद इन्हें पालने के नियम भी सख्त बना दिए गए थे। इस ऊंट से जो ऊन निकलता है वह 12 से 14 माइक्रोन मोटा होता है। यह इतना ज्यादा गर्म होता है कि सर्दी आपको छू भी नहीं सकती। हालांकि, एक कोट बनाने के लिए कम से कम 35 ऊंटों का ऊन निकलेगा तब जाकर कोट तैयार होगा। दुर्लभ प्रजाति के ऊंट के ऊन से तैयार होने के कारण ही यह फैब्रिक इतना महंगा है।

दुनिया का इकलौता देश जहां नहीं है एक भी अस्पताल

दुनिया में कई ऐसी अनोखी जगह हैं, जिनके बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं। इनमें से एक ऐसा देश भी है, जहां पिछले 96 साल से एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। यह बात चौंकाने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। घर में बच्चों की किलकारी ना गुंजे, तो घर सुना-सुना लगता है। कई बार अपने बड़े बुजुर्गों से हम दो, हमारे दो वाली कहावत भी सुनी होगी, लेकिन इस देश में आजतक कोई बच्चा जन्म नहीं लिया, तो आप बहुत सारी बातों को सोचने पर मजबूर हो गए होंगे कि आखिर बीमार पड़ने पर लोग क्या करते होंगे।मन में यह भी सवाल उठ रहे होंगे कि यदि यहां पर अस्पताल नहीं है, तो क्या यहां के लोग बीमार नहीं पढ़ते होंगे। यदि कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो फिर यहां क्या होता है। किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है तो जनसंख्या वृद्धि कैसे होगी। आइए आपको इसका जवाब बताते हैं।

वेटिकन सिटी

दरअसल, इस देश का नाम वेटिकन सिटी है, जो दुनिया का सबसे छोटा देश है। जनसंख्या की बात करें, तो यह करीब 800 के आसपास है। जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा संभाल गया है। यहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्मगुरु रहते हैं। इस देश की स्थापना 11 फरवरी साल 1929 में किया

अस्पताल नहीं है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति यहां पर बीमार पड़ जाता है या फिर इमरजेंसी हेल्थ केयर की जरूरत होती है, तो उन्हें इटली के अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

किसी बच्चे का नहीं हुआ जन्म

यह देश रोम सिटी के बीचो-बीच है, जिसका क्षेत्रफल मात्र 111 एकड़ है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन हर बार इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ऐसे में यहां कोई बीमार हो जाए या फिर कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। यही कारण है कि यहां अब तक किसी भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया, क्योंकि यहां पर प्रसव कक्ष की कोई सुविधा नहीं है।

कैसे होता है बीमार लोगों का इलाज

वेटिकन सिटी में स्थानीय नागरिकता नहीं मिलती।

पड़ता है। वहीं, जो लोग यहां काम करते हैं, वह भी अस्थाई रूप से ही यहां रहते हैं। जिनका परिवार आमतौर पर इटली या फिर अन्य देशों में रहता है। यही कारण है कि पिछले 96 सालों से कोई जन्म नहीं हुआ। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान वेटिकन सिटी के अंदर एंबुलेंस की टीम मौजूद रहती है, जो रोम के अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाती है। इसके अलावा, यहां पर एक छोटा सा मेडिकल डिस्पेंसरी है, जहां प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इसके साथ ही यहां दुनिया की सबसे पुरानी फार्मेसी स्थित है।

दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन

दुनिया का सबसे छोटा देश होने के साथ ही यहां का रेलवे स्टेशन भी सबसे छोटा है, जहां केवल दो ट्रैक है। इसकी लंबाई मात्र 300 मीटर है और एक स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाते हुए पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करे कार्य- डीएम

नीलाम पत्र वादों को प्राथमिकता में रखते हुए तेजी से निष्पादन करने का दिया निर्देश

मधुबनी, एजेंसी। मधुबनी जिला के जिलाधिकारी आनंद शर्मा की अध्यक्षता में डीआरडीए स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ अंतर विभागीय समन्वय, विभिन्न विकास योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता एवं कार्यालय गतिविधियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक सोमवार को आयोजित किया गया। जिलाधिकारी श्री शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक सोमवार को बैठक में अंतर्विभागीय समस्याओं का निष्पादन किया जाएगा ताकि विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके। डीएम ने कहा कि बैठक में प्राप्त भूमि अतिक्रमण,भूमि की उपलब्धता, भूमि का सीमांकन आदि मामलों को पोर्टल पर डालने के लिए कहा तथा उन्होंने कहा कि इसे एडीएम राजस्व मुकेश रंजन देखेंगे एवं अगली बैठक में इसकी प्रगति से अवगत करवाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि अंतर विभागीय मामलों में सिर्फ पत्राचार से काम नहीं चलेगा,इसमें तीव्रगति से समाधान करना होगा ताकि विकास योजनाओं को ससमय क्रियान्वित किया जा सके। बैठक में शिक्षा विभाग के कुछ विद्यालयों में अतिक्रमण, भूमि की उपलब्धता एवं सीमांकन आदि मामलों को अविलंब समाधान के लिए अपर समाहर्ता मुकेश रंजन को जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। बस स्टैंड के लिए आवंटित भूमि का शीघ्र सीमांकन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जिले के शेष छुटे हुए टोला में नल जल योजना के क्रियान्वयन के लिए भूमि की उपलब्धता के लिए भी निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त कई विभागों द्वारा सड़क निर्माण के लिए भू अर्जन, कार्यालयों एवं योजनाओं के लिए भूमि की उपलब्धता, भूमि अतिक्रमण,एनओसी आदि मामलों को जिलाधिकारी द्वारा अविलंब समाधान का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिया कि अंतर्विभागीय मामलों का अविलंब समाधान करे ताकि विकास कार्यों को तेज गति प्रदान की जा सके।

डीएम ने जिला नीलाम पत्र वाद, जिला स्तरीय जनता दरबार में प्राप्त आवेदन, सीपी ग्राम, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों, उच्च न्यायालय में चल रहे मामलों, सूचना का अधिकार, मानवाधिकार आदि से संबंधित मामलों की बारी बारी से समीक्षा की गई। नीलाम पत्र वादों की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियो को इसे सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर तेजी से निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी बड़े राशि वाले कम से कम पाँच मामले का चयन कर उसका निष्पादन करे। विभागीय कारवाही की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया कि विभागीय कार्यवाही के मामले में संचालन पदाधिकारी निर्धारित अवधि के अंदर अपनी रिपोर्ट दें। कर्मियों के लॉगबुक की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि कार्यालयों में लॉग बुक का संबंधित पदाधिकारी नियमित रूप से जाँच करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समय से संचिकाओं को प्रस्तुत नहीं करने वाले सहायकों पर करवाई करें। जिलाधिकारी ने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समय से निष्पादन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय में लंबित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखकर कार्य करें। इसमें थोड़ी भी शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से लंबित रखने वाले पदाधिकारी को स्पष्टीकरण करें। समीक्षा के क्रम में सिडब्लूजेसी में शिक्षा विभाग एवं भू-अर्जन विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पाए गए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर प्रगति लाएं। बैठक में एडीएम मुकेश रंजन झा, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजेश कुमार, डीटीओ मधुबनी, सिविल सर्जन डॉ.हरेंद्र कुमार, डीपीओ नमामि गंगे आनंद अंकित, जिला समन्वयक आईसीडीएस स्मित प्रतीक, जिला कृषि पदाधिकारी,जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया सोनपुर मेला में 'रेल ग्राम प्रदर्शनी' का शुभारंभ

सोनपुर, एजेंसी। सोमवार को पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा बिहार के हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में ''रेल ग्राम प्रदर्शनी'' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार, सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह भी उपस्थित थीं। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि महाप्रबंधक ने रेल ग्राम में आकर्षण का केंद्र बने वाणिज्य यांत्रिक, सिग्नल,संरक्षा,

सुरक्षा एवं चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में यात्री सेवा एवं रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं एवं यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं सहित रेलवे से संबंधित जानकारियों को पोस्टर द्वारा दर्शाया गया है। रेल ग्राम में लगाये गये टॉय ट्रेन बच्चों के मध्य विशेष आकर्षण का केंद्र है। रेल ग्राम परिसर में श्रद्धालू यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष टिकट काउंटर भी खोला गया है।

रेल ग्राम प्रदर्शनी को सम्मिलित रूप देते हुए जम्मू -कश्मीर के पीर पंजाल रेलवे सुरंग का रूप दिया गया है, जिसमें मेलार्थियों को रेल कोच का अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही सभी कंपार्टमेंट में अलग-अलग विभागों की प्रदर्शनी लगाई गई है। पीर पंजाल टनल में कवच सुरक्षा प्रणाली से आप अवगत होते हुए विभिन्न विभागों के प्रदर्शनियों से रूबरू होते है।

यहां ''रेल स्मृति केंद्र'' भी खोला गया है जहां से रेलवे से संबंधित स्मृति खरीद सकते हैं। यहां बच्चों के मनोरंजन हेतु गेमिंग ज़ोन, सेल्फ़ी पॉइंट आदि लगाए गए हैं। सेल्फी के लिए हवा में लटकते इंजन वंदे भारत का मॉडल इत्यादि उपलब्ध है।

समारोहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ वैदेही कला परिषद का कार्यक्रम

मधुबनी, एजेंसी। वैदेही कला परिषद द्वारा आयोजित नवंबर माह का मासिक कार्यक्रम एक स्कूल के तत्वधान में भोलानंद झा की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्नेहा वत्स द्वारा राम विवाह गीतों से हुआ। जाह्नवी मिश्र ने जेहन किशोरी मोरी.. गा कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया खूब सराहना बटोरी। कुमारी छवि 6 वर्ष ने बच्चे मन के सच्चे तथा राशिका ने मैना के बच्चा गाकर माहौल खुशनुमा कर दिया। राजलाल के हा हम बिहारी हैं जी , पिंकी मंडल के जरा देर ठहरो तथा सुबोध मंडल के मुझे दस बना के रख लेना ने भी श्रोताओं से खूब तालियां बटोरी। शिवम मिश्र द्वारा गाए ग़ज़लों को श्रोताओं ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में अध्यक्ष भोलानंद झा ने राग भीमपलासी में दिनन को

आसरा प्रभु तुमरो गा कर मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तबला पे संगत धीरज मिश्र तथा चैतन्य ने की तथा हारमोनियम पर प्राचार्य रविशंकर मिश्र ने साथ दिया। मंच संचालन रविशंकर मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन सन्नी कुमार ने किया। कार्यक्रम में उदय जायसवाल, प्रो. शुभ कुमार वर्णवाल, ज्योति रमण झा, चन्देश्वर ख़ां, रेवती रमन झा, वेदानंद साह सहिय कई अन्य लोग उपस्थित थे।

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर पटना जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी की गई रद्द

पटना, एजेंसी। 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में होने वाले नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के मद्देनजर पटना जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। कार्यक्रम की सुरक्षा और व्यवस्थित संचालन के लिए पटना के जिआदिकारी डॉ. त्यागराजन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार, 20 नवंबर तक किसी भी परिस्थिति में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जाएगा। सभी कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यस्थलों पर मौजूद रहना अनिवार्य होगा, ताकि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे। आपको बता दें कि 20 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण

समारोह का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल एवं दर्जनों गणमान्य लोगों की मौजूदगी में नितीश कुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

आज भंग होगी विधानसभा, राज्यपाल से मिले नीतीश

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत के बाद नई सरकार बनाने की कवायद शुरू हो गई है। नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से मुलाकात कर पत्र सौंपा है। जिसमें 19 नवंबर को विधानसभा भंग किए जाने की जानकारी दी गई। साथ ही एनडीए की प्रचंड जीत को लेकर नीतीश कुमार को बधाई दी गई है। इससे पहले सोमवार को आखिरी कैबिनेट मीटिंग हुई, जिसमें मौजूदा विधानसभा को 19 नवंबर को भंग भंग करने का प्रस्ताव पास हुआ।

मंगलवार को जदयू विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है। बीजेपी विधायक दल की भी बैठक होगी। इसके बाद कल होनेवाली एनडीए की बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा, उसके बाद नई सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। 20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बताया कि नई कैबिनेट में 36 मंत्री होंगे, जिसमें 16 भाजपा से, 15 जदयू से, 3 लोजपा (आर) से, हम और रालोमो से 1-1 मंत्री होंगे। गांधी मैदान में इसकी तैयारी चल रही है। शपथ ग्रहण में मप्र नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

पिता की अर्थी को कंधा देने जा रहा था बेटा, रास्ते में बाइक सवार ने रौंदा

सहरसा, एजेंसी। सहरसा जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां किस्मत के क्रूर मजाक ने एक परिवार को दो दिनों में पूरी तरह उजाड़ दिया। पिता की मौत के बाद उनकी शवयात्रा में शामिल होकर अंतिम विदाई देने जा रहे बेटे की भी सड़क हादसे में जान चली गई। यह घटना सौर बाजार थाना क्षेत्र के सुहथ पंचायत के अरंहा वार्ड-04 की है। परिजनों के अनुसार, रामचलीतर साह (50) अपने पिता, 75 वर्षीय घूरण साह की रविवार रात करीब 10:30 बजे बीमारी से हुई मौत के बाद सोमवार सुबह निकली शवयात्रा में शामिल थे। गांव और समाज के लोग शव यात्रा को श्मशान घाट लेकर जा रहे थे, वहीं रामचलीतर साह भी पैदल अपने पिता को अंतिम विदाई देने जा रहे थे। श्मशान घाट से पहले, बैजनाथपुर-सोनबरसा मुख्य मार्ग पर घर से लगभग 700 मीटर की दूरी पर तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात बाइक सवार ने रामचलीतर को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत रामचलीतर को सौर बाजार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें सदर अस्पताल, सहरसा रेफर कर दिया गया। लेकिन सोमवार रात इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। रामचलीतर तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और मजदूरी कर पूरे परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके चाचा अनिल कुमार के अनुसार, मृतक अपने पीछे चार बच्चे दो बेटे और दो बेटियां छोड़ गए हैं। परिवार में दो दिनों के भीतर दादा और पिता की मौत से कोहराम मचा हुआ है। घटना की पुष्टि करते हुए सौर बाजार थाना अध्यक्ष अजय पासवान ने बताया कि अज्ञात बाइक की ठोकर से रामचलीतर साह की मौत हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार सुबह शव परिजनों को सौंप दिया।

पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नदी में गिरी कंटेनर मुजफ्फरपुर में ड्राइवर-कंडक्टर बाल-बाल बचे; पुलिस ने गाड़ी को निकाला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के करजा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसा होते-होते टल गया। करजा पुल पर एक कंटेनर बेकाबू होकर रेलिंग तोड़ते हुए सीधे बाया नदी में जा गिरी। हादसे में किसी तरह का जान का नुकसान नहीं हुई है। कंटेनर के चालक और उपचालक समय रहते बाहर निकलकर सुरक्षित बच गए। थानाध्यक्ष परम हंस ने बताया कि कंटेनर रेवा रोड में दूध उतारकर मुजफ्फरपुर लौट रहा था। इसी दौरान करजा बाया नदी पुल के पास सामने से आ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने अचानक चकमा दे दिया।

कंटेनर को बाहर पुलिस ने निकाला

इस दौरान कंटेनर चालक स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरा। थानाध्यक्ष परमहंस ने बताया कि हादसे में चालक-उपचालक दोनों सुरक्षित हैं। पुलिस और स्थानीय लोगों ने कंटेनर को बाहर निकाला हैं। फिलहाल सड़क पर यातायात नियंत्रित तरीके से चलाया जा रहा है।

कंटेनर रेवा रोड में दूध उतारकर जा रहा था। इसी दौरान करजा बाया नदी पुल के पास सामने से आ रहे एक बेकाबू ट्रैक्टर ने चकमा दे दिया। इस दौरान कंटेनर चालक स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी।

थानाध्यक्ष ने बताया कि हादसे में चालक-उपचालक दोनों सुरक्षित हैं। कुछ देर के रेवा रोड एनएच सड़क पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची करजा थाना पुलिस और 112 टीम ने जाम को हटवाया। उसके बाद रेवा रोड में यातायात व्यवस्था फिर से चालू हो गया है। पुलिस और स्थानीय लोग कंटेनर को बाहर निकालने की प्रक्रिया में जुटे हुए हैं। कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन के माध्यम से कंटेनर को बाहर निकाल लिया गया है। स्थानीय युवक रंजीत कुमार ने बताया कि कंटेनर पूल से नदी में गिरा है। बहुत जोर से आवाज हुआ है। चालक और उप चालक को बाहर निकाला गया है।

समस्तीपुर में करंट लगने से मिस्त्री की मौत :रॉड लगाते समय लगा बिजली का झटका, घर का हो रहा था निर्माण

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीन नगर चांदनी चौक बाजार मोहल्ले में करंट लगने से एक मिस्त्री की मौत हो गई। मृतक की पहचान इसी मोहल्ले के और राजू पासवान के बेटा अविनाश पासवान (26) के रूप में की गई है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। शव का पोस्टमार्टम मंगलवार सुबह सदर अस्पताल में कराया गया है। अविनाश दो बेटियों का पिता था, जबकि उसकी पत्नी गर्भवती थी। घटना के संबंध में मृतक अविनाश के भाई राजू पासवान ने बताया कि उसका भाई राजमिस्त्री का काम करता था। मोहल्ला में ही एक घर का निर्माण चल रहा था। जहां पर पिलर के लिए रॉड वह लगा रहा था। इसी दौरान रॉड ऊपर से गुजर रही 11,000 बिजली के तार में सट गई। जिस कारण उसे करंट का जोड़ का झटका लगा। वह गंभीर रूप से झुलस गया।

मोहिउद्दीन नगर थाने में दर्ज होगी प्राथमिकी– हल्ला होने पर जुटे आसपास के लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए मोहिउद्दीननगर पीएसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा बनाया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। पटोरी के डीएसपी बीके मेधावी ने बताया कि करंट लगने से मजदूर की मौत हुई है । शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना को लेकर एक प्राथमिकी मोहिउद्दीन नगर थाने में दर्ज की जा रही है।

पूर्णिया में तीन बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता तीनों घर से खेलने निकले थे, परिजनों ने पुलिस से लगाई बरामदगी की गुहार

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के मधुबनी से सोमवार को तीन मासूम बच्चे लापता हो गए। दोपहर करीब 12 बजे तीनों बच्चे रोज की तरह घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर परिजन थाने पहुंचे। लिखित आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई। मामला मधुबनी थाना क्षेत्र के रहमतनगर का है।

बच्चों की पहचान शहर के मधुबनी इलाके के रहमतनगर निवासी पवन राउत के बेटे विशाल कुमार (8) और लालू कुमार (6) के रूप में हुई है। जबकि एक अन्य की पहचान मुखी राउत के बेटे विष्णु कुमार (5) के रूप में हुई है। तीनों बच्चे आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। जानकारी देते हुए पवन राउत और मुखी राउत ने बताया कि तीनों बच्चे रोजाना की तरह घर से बाहर खेलने निकले थे। बच्चे पास ही खेल रहे थे और दोपहर में घर से कुछ देर में लौटने की बात कहकर निकले थे। हमने सोचा थोड़ी देर में लौट आएंगे। लेकिन जब तीन घंटे तक बच्चे

वापस नहीं आए, तब हम खोजने निकले। मोहल्ले, मैदान, सड़क, रिश्तेदारों के यहां सब जगह खोज लिया, मगर कहीं कुछ पता नहीं चला।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस– विष्णु के पिता मुखी राउत ने कहा काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चे हमने पुलिस को सूचना दे दी है। सीसीटीवी कैमरे चेक हो रहे हैं। हम बस यही प्रार्थना करते हैं कि हमारे बच्चे सुरक्षित मिल जाएं। यह हम पर बहुत बड़ा दुख टूट पड़ा है।

थाना प्रभारी सूरज प्रसाद ने बताया कि बच्चों की गुमशुदगी की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम एक्टिव कर दी गई है। क्षेत्र के सभी संभावित स्थानों पर खोज की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। गश्ती बढ़ा दी गई है और दूसरे थानों को भी अलर्ट कर दिया गया है। पुलिस ने बच्चों की तस्वीरें और जानकारी आसपास के क्षेत्रों में शेयर कर दी है, ताकि जल्दी पहचान हो सके।

साइबर ब्लैकमेलर गिरफ्तार, पति की आवाज बनाकर महिलाओं को फंसाता था

50 से ज्यादा पीड़िताओं का कबूलनामा

बेतिया, एजेंसी। बेतिया साइबर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए उस साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है, जो महिलाओं को वॉट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए ब्लैकमेल करता था। आरोपी महिलाओं के पति की आवाज बनाकर उन्हें धमकाता था और फिर वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने के लिए मजबूर कर उनकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर लेता था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अब तक 50 से अधिक महिलाओं को इसी तरीके से जाल में फंसा चुका है।

पूरा मामला तब उजागर हुआ जब एक पीड़िता ने बेतिया साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में महिला ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके पति की आवाज बनाकर फोन किया और कहा कि उसका पति गलत काम करते हुए

पकड़ा गया है। आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और बाद में महिला को वॉट्सऐप वीडियो कॉल पर अश्लील हरकतें करने के लिए मजबूर किया। इसके बाद आरोपी ने स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

घटना के आधार पर कांड संख्या 21/25, दिनांक 08 जून 2025 दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। तकनीकी अनुसंधान और कॉल डिटेल की मदद से पुलिस ने आरोपी की पहचान चनपटिया थाना क्षेत्र के जैतिया, पुड्डुकिया निवासी 27 वर्षीय सचिन कुमार तिवारी (पिता– मुरारी तिवारी) के रूप में की। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन बरामद किया।

मुख्यमंत्री आवास के पास दो गाड़ियों में भीषण टक्कर, बाल–बाल बचे बच्चे, दोनों चालक गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। सोमवार सुबह पटना में मुख्यमंत्री आवास के पास तब हड़कंप मच गया जब दो गाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। यह हादसा मुख्यमंत्री आवास के पिछले गेट के पास उस समय हुआ, जब एक स्कूल वैन बच्चों को लेकर गुजर रही थी और अचानक सामने से आ रही एक कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला। स्कूल वैन में कई बच्चे सवार थे, लेकिन गनीमत ये रही कि सभी बच्चे सुरक्षित रहे। चूँकि सुरक्षा कारणों से मुख्यमंत्री आवास के पास हमेशा पुलिस मुस्तैद रहती है, इसलिए मौके पर तुरंत पुलिस टीम पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस बीच स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों गाड़ियों के चालकों को हिरासत में लिया है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों ही वाहन तेज रफ्तार में थे और एक वाहन चालक के अचानक मुड़ने के कारण यह टक्कर हुई। हालांकि इस संदर्भ में पुलिस द्वारा आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस की तीन सदस्यीय प्रदेश अनुशासन समिति का हुआ गठन

पटना, एजेंसी। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा तीन सदस्यीय प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति का गठन किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदेश अनुशासन समिति में वरिष्ठ नेता कपिलदेव प्रसाद यादव को अध्यक्ष, हसीब अनवर और संजय कुमार भारती को सदस्य के रूप में नामित किया है।

नवनिर्वाचित विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से की मुलाकात– सोमवार को बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में कांग्रेस पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से मुलाकात की और आगे पार्टी की रणनीति को लेकर विचार विमर्श किया।

देशभर में 'सुशासन' मॉडल के प्रतीक हैं नीतीश कुमार: उमेश सिंह कुशवाहा

पटना, एजेंसी। बिहार जनता दल (यू) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को जारी अपने बयान में नीतीश कुमार को 'सुशासन' मॉडल का प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने बिहार को कुशासन के अंधकार से निकालकर विकास और प्रगति की उस गगनचुंबी ऊँचाई पर पहुंचाया, जिसकी कल्पना भी पूर्ववर्ती दौर में असंभव मानी जाती थी। श्री कुशवाहा ने कहा कि नीतीश सरकार ने उम्मीद खो चुकी जनता के भीतर विश्वास और आशा की नई किरण जगाई। उन्होंने आगे कहा कि यही कारण है कि दो दशकों के ऐतिहासिक और अभूतपूर्व सुशासन के बाद बिहार की जनता ने एक बार फिर भारी जनसमर्थन के साथ नीतीश कुमार पर अपना भरोसा जताया और उन्हें पुनः नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष ने पूरी ताकत लगाकर झूठ और दुष्प्रचार के सहारे जनता को बरगलाने का हर हतकंडा अपनाया, लेकिन अंततः नतीजा सच्चाई

और सुशासन के पक्ष में ही आया। यह इस बात को सिद्ध करता है कि जनता का अटूट भरोसा न सिर्फ नीतीश कुमार पर कायम है, बल्कि दिनों-दिन और अधिक प्रगाढ़ होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार नए कार्यकाल में विकास की नई उड़ान भरने के लिए तैयार है। डबल इंजन की केंद्र और राज्य सरकार के साझा समन्वय से आने वाले पाँच वर्षों में बिहार देश के शीर्ष दस समृद्ध राज्यों में शामिल होगा।

विचार-मंथन

संपादकीय

विपक्ष का कोई पैतरा नहीं आया काम

बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है। पहला, इस चुनाव का माहौल बनना शुरू हुआ था स्पेशल इटेनशिप रिवीजन से और आखिर में जंगलराज पर आकर टिक गया। महागठबंधन ने एसआईआर को वोट चोरी के रूप में पेश किया। प्रक्रिया के दौरान आम लोगों को जिस तरह की दिक्कत आई, उससे ऐसा माहौल बना भी कि जनता में नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन, लगता है कि आखिर में जनता ने इसे एक जरूरी प्रक्रिया समझ कर स्वीकार किया। दूसरा, इलेक्शन में एनडीए की ओर से सबसे ज्यादा कोई शब्द सुनाई पड़ा, तो वह था जंगलराज। यह लड़ाई अतीत की याद बनाम भविष्य के बीच भी थी। और केवल इसी बार नहीं, पिछले दो दशकों में बिहार में हुए हर चुनाव पर लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की छाया रही है। दोनों ही सक्रिय राजनीति में नहीं हैं, लेकिन एनडीए ने उन्हें चर्चा में बनाए रखा। तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे। तीसरा, नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं। उनके खराब स्वास्थ्य को लेकर भी अटकलें होती रहीं। लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े पॉलिटिकल ब्रैंड हैं। वह अब तक नौ बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। चौथा, बिहार के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि क्या यह बदलाव का समय है और विकल्प कौन हैं? दोनों चरणों में रेकॉर्ड मतदान हुआ। यह संकेत था कि परिणाम भी ऐतिहासिक होगा। पांचवां, यह चुनाव याद रहेगा फ्रीबीज की घोषणा के लिए। पहली बार बिहार ने इस तरह के ऐलान देखे, जहां दोनों तरफ से होड़ मची हुई थी। दोनों खेमों ने महिलाओं और युवाओं पर फोकस किया। आमतौर पर महिलाओं को शराबबंदी की वजह से नीतीश समर्थक माना जाता है। फिर चुनाव से ऐन पहले करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे गए, जो अहम फैक्टर साबित हुआ। तेजस्वी ने हर घर में सरकारी नौकरी का वादा जरूर किया, लेकिन यह सवाल आखिर तक उनके पीछे लगा रहा कि वह इसे पूरा कैसे करेंगे। छठा, जनसुराज, एआईएमआईएम और दूसरे छोटे दलों को निराशा मिली। प्रशांत किशोर के लिए खासकर यह बड़ा झटका है। हालांकि उनकी पार्टी के लिए यह पहला मौका जरूर था, लेकिन वह कई दूसरे दलों को चुनाव लड़ा चुके हैं - इसी वजह से उन्हें लेकर उत्सुकता ज्यादा थी। उन्होंने भ्रष्टाचार और पलायन जैसे मुद्दों को बहस के केंद्र में लाने की कोशिश की, पर जनता ने स्थिरता को तवज्जो दी। सातवां, आरजेडी और कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। क्या आखिर तक सीटों पर तालमेल न हो पाना भारी पड़ा - इसका जवाब आने वाले चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है। जहां तक हृष्ठ की बात है, तो उनके सामने अभी प्रश्न है कि सीएम कौन होगा। नीतीश को एनडीए ने स्वीकारा नहीं, लेकिन नकारा भी नहीं है। हां, एक उलटफेर यह जरूर हो चुका है कि अब भाजपा राज्य की सबसे बड़ी पार्टी है और सरकार पर उसकी छाप जरूर दिखेगी।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा कानून-व्यवस्था का रहा। बिहार 2005 से पहले जिस बदहाल सुरक्षा व्यवस्था से गुजर रहा था, उसे नीतीश कुमार के शासन ने बदल दिया। अपराध में आई गिरावट, सड़क-बिजली में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और रात में भी महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही, ये सब बातें बिहार के सामाजिक मानस में गहराई से दर्ज हैं। एनडीए ने इसका चुनावी लाभ उठाया और जनता ने इसे स्वीकार किया। 2025 का चुनाव इस सबसे महत्वपूर्ण सबक को दोहराता है कि लोकतंत्र में सिर्फ मुद्दे नहीं बल्कि नेतृत्व की विश्वसनीयता मायने रखती है। तेजस्वी युवा और ऊर्जावान हैं लेकिन वे अभी उस परिपक्वता, ठोस दृष्टि और स्थिरता वाले नेतृत्व का विकल्प नहीं बन पाए, जिसकी उम्मीद बिहार का मतदाता करता है।

बिहार का जनादेश- एनडीए की सुनामी में ध्वस्त हुआ महागठबंधन

(योगेश कुमार गोयल)

243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूर्वानुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। बिहार की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंची है, जहां मतदाता ने अपनी पसंद को अभूतपूर्व स्पष्टता, दृढ़ता और राजनीतिक परिपक्वता के साथ दर्ज किया है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव सामान्य जनादेश नहीं बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है, जहां नीतीश कुमार के सुशासन ने अविश्वास को पछाड़ दिया, स्थिरता ने प्रयोगधर्मिता को और सामाजिक सुरक्षा ने जातीय ध्रुवीकरण को दृढ़ता से मात दे दी। बिहार का यह जनादेश बताता है कि बिहार का मतदाता भावनात्मक राजनीति, जातिगत उत्तेजना और चुनावी वादों की चमक-दमक से परे निकल चुका है और वह केवल उसी नेतृत्व को स्वीकार करता है, जो उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाए, सुरक्षा दे, भरोसा कायम रखे और विकास को धरातल पर उतारे। इसी कसौटी पर यह समझना कठिन नहीं कि एनडीए को ऐतिहासिक जीत क्यों मिली और महागठबंधन क्यों धराशायी हो गया। 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूर्वानुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। तेजस्वी यादव, जो दो वर्षों से स्वयं को मुख्यमंत्री-इन-वेटिंग के रूप में प्रक्षेपित करते रहे, जनता द्वारा स्पष्ट तौर पर नकार दिए गए। यह हार केवल किसी एक नेता की नहीं बल्कि पूरी उस राजनीतिक रणनीति की असफलता है, जो जातीय समीकरणों, लुभावने लेकिन अवास्तविक वादों और सहयोगियों को हाशिये पर रखकर बनाई गई थी। 2020 में महज कुछ हजार वोटों से पीछे रहने वाली आरजेडी को इस बार उम्मीद थी कि वह आसानी से सत्ता के द्वार तक पहुंच जाएगी लेकिन 2025 ने उसका यह सपना ध्वस्त कर दिया। इस चुनाव में महागठबंधन की सबसे बड़ी गलती टिकट वितरण की रणनीति रही। आरजेडी ने 144 सीटों में से 52 यादव उम्मीदवार उतारे, जो कुल टिकटों का लगभग 36 प्रतिशत थे। यह संख्या 2020 के मुकाबले कहीं अधिक थी। तेजस्वी यादव का उद्देश्य भले ही अपने कोर वोट बैंक को मजबूत करना रहा हो लेकिन इसका परिणाम उलटा निकला। यादव बिहार की आबादी का मात्र 14 प्रतिशत हैं जबकि चुनाव का फैसला ईबीसी, महादलित, सवर्ण, युवा, महिलाएं, शहरी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर निर्भर करता है। इतने अधिक यादव प्रत्याशी उतारने से यह संदेश गया कि आरजेडी सत्ता को फिर से एक जाति के हाथों में सौंपना चाहती है। एनडीए ने इसे चुनावी हथियार बनाकर 'यादव राज-भाग 2' का नैरेटिव चलाया, जो शहर से गांव तक गूंजता हुआ जनमत को प्रभावित करता गया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने 2024 में जातिगत संतुलन साधते हुए केवल 5 यादव प्रत्याशी उतारे थे, जिससे व्यापक सामाजिक आधार मिला। तेजस्वी इससे सीख नहीं ले सके और आरजेडी की छवि और भी यादव-केंद्रित बन गई, जिसका सीधा असर 10 से 15 प्रतिशत वोटों के खिसकने के रूप में सामने आया। दूसरी बड़ी गलती गठबंधन प्रबंधन की विफलता रही। महागठबंधन ऊपरी तौर पर भले ही मजबूत दिखता रहा लेकिन भीतर से बिखरा हुआ था। कांग्रेस से सीट-बंटवारे पर तकरार, वाम दलों को कमजोर सीटें देना और सहयोगियों को प्रचार में हाशिये पर रखना, इन सबने गठबंधन में असंतोष पैदा किया। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब महागठबंधन का घोषणापत्र 'तेजस्वी प्रण' के नाम से जारी किया गया। यह कदम साझेदारी की भावना को ठेस पहुंचाता था। कांग्रेस गारंटी मॉडल पर केंद्रित थी, वाम दल मजदूर-किसान मुद्दों को उभार रहे थे लेकिन तेजस्वी केवल नौकरियों के वादे पर टिके रहे। महागठबंधन एक साझा दृष्टि से वंचित रहा और चुनावों में एकजुट चेहरा न बन सका। तेजस्वी की तीसरी चूक उनके वादों के अविश्वसनीय स्वरूप में दिखी। उन्होंने हर घर में नौकरी, पेंशन, शराबबंदी की समीक्षा, महिलाओं की बड़ी आर्थिक मदद जैसे भारी-भरकम वादे तो किए पर उनके क्रियान्वयन, वित्तीय स्रोत या समय सीमा पर कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दे सके। हर मंच से वे कहते रहे कि ब्लूप्रिंट जल्दी आ जाएगा लेकिन चुनाव समाप्त होने तक वह ब्लूप्रिंट नहीं आया। इससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा आघात हुआ, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं में। महागठबंधन की मुस्लिम परस्त छवि ने नुकसान को और बढ़ाया। मुस्लिम बहुल सीटों पर तो लाभ मिला पर पूरे राज्य में यह छवि प्रतिकूल साबित हुई। वक्फ बिल को लागू न करने की तेजस्वी की घोषणा और कई संवेदनशील बयानों ने यादव समुदाय के एक वर्ग को भी असहज कर दिया। एनडीए ने इसे भुनाया और लालू यादव के संसद में दिए भाषणों को वायरल कर जनमत को प्रभावित किया। गैर-मुस्लिम और गैर-यादव वोटों ने निर्णायक मोड़ पर महागठबंधन को छोड़ दिया। तेजस्वी यादव की सबसे जटिल रणनीतिक गलती उनके पिता लालू प्रसाद यादव को लेकर उनकी दोहरी राजनीति रही। उन्होंने लालू की विरासत का सहारा भी लिया और उससे दूरी भी बनाए रखी। पोस्टरों में पिता की तस्वीर छोटी रखी गई जबकि मंचों पर उनके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। यह दोहरापन मतदाता को भ्रमित करता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेजस्वी पर 'लालू के पाप छिपाने' का आरोप लगाना इस उलझन को और गहरा कर गया। इसके विपरीत एनडीए ठोस काम और प्रामाणिक शासन मॉडल के साथ मैदान में उतरा। नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में महिला-सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की जो नींव रखी थी, वही इस चुनाव में निर्णायक बनी। 2006 में शुरू हुई साइकिल योजना, किताब-धन, पोशाक-धन, छात्रवृत्ति, जीविका समूहों का विस्तार, इन सबने महिला मतदाताओं के मन में एक स्थायी भरोसा पैदा किया। 2025 के चुनाव में महिलाओं का मतदान पुरुषों से 9 प्रतिशत अधिक रहा, जो स्पष्ट संकेत था कि महिला मतदाता एनडीए के साथ खड़ी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी एक करोड़ से अधिक महिलाओं पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभाव सीधा मतदान व्यवहार पर पड़ा। 10,000 रुपये की सहायता और 2 लाख रुपये तक की उद्यम सहायता ने इन्हें राजनीतिक रूप से और भी सक्रिय बनाया।

बिहार में नीतीश कुमार का जादू बरकरार

(बरुण कुमार सिंह)

बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जनता के बदलते मन-मिजाज की एक झलक पेश की है। ताजा चुनाव परिणाम शायद इसी ओर इशारा कर रही है कि कुल मिलाकर जदयू, बीजेपी एवं एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता है। क्या पीएम मोदी बिहार की अर्थव्यवस्था को लेकर कोई बड़ा फैसला करेंगे और इसके साथ ही अब वह क्या रणनीति अपनाएंगे। बिहार में मुकाबला मुख्य रूप से जदयू के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ एनडीए और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन के बीच था। इस बार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को भी बड़ा झटका लगा है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के एक्जिट पोल नतीजे के बाद जो आश्चर्यकारी परिणाम आये हैं, उसकी गूंज आने वाले पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से दिखायी देगी। लोकतंत्र के इस मंदिर की चैखट पर विराजमान दृश्य कुछ ऐसा है जिसमें हालात किसी एक पार्टी तक ही सीमित नहीं, बल्कि सभी प्रमुख दलों में टिकटों की दावेदारी में राजद व कांग्रेस और जदयु व भाजपा, लोजपा और इसके साथ ही कोई भी अन्य दल इनसे अछूता नहीं है। 10,000 रुपये महिलाओं के खाते में भेजने के कारण महिला मतदाताओं का प्रतिशत बढ़ा और उन्होंने नीतीश सरकार के लिए जमकर मतदान किया जो आज के चुनाव परिणाम में दिखाई दे रहे हैं, इस चुनाव परिणाम ने सारे एग्जिट पोल को झुठला दिया। इस चुनाव परिणाम ने जदयू, भाजपा एनडीए गठबंधन की सत्ता को बरकरार रखा बल्कि उनकी ताकत एवं सीटों में इजाफा पहले से बहुत ही बेहतर हुआ है। चुनाव परिणाम ने साबित कर दिया कि नीतीश का जादू अभी भी बिहार में बरकार है। बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजों ने जनता के बदलते मन-मिजाज की एक झलक पेश की है। ताजा चुनाव परिणाम शायद इसी ओर इशारा कर रही है कि कुल मिलाकर जदयू, बीजेपी एवं एनडीए के लिए एक बड़ी सफलता है। क्या पीएम मोदी बिहार की अर्थव्यवस्था को लेकर कोई बड़ा फैसला करेंगे और इसके साथ ही अब वह क्या रणनीति अपनाएंगे, यह आनेवाले दिनों में पता चलेगा। विधानसभा चुनाव में जनता स्थानीय मुद्दों को ज्यादा तवज्जो देती है। बीजेपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत करिश्मे के सहारे चुनाव दर चुनाव जीत रही है और मोदी का वह करिश्मा बिहार में भी आश्चर्यकारी परिणाम लाये हैं क्योंकि बिहार में सुशील मोदी के निधन के बाद उनके स्तर का नेता आज भी नहीं है। ताजा चुनाव नतीजों को नीतीश भाजपा की गठबंधन सरकार के कामकाज पर टिप्पणी की तरह ही देखा जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की दर्जनों रैलियां बताती हैं कि एनडीए इस चुनाव को लेकर कितना संवेदनशील है। क्योंकि इसका असर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी असर देखने को मिलेगा। नीतीश कुमार का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है, खास तौर पर महिलाओं की वजह से, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर उनका नाम औपचारिक रूप से घोषित नहीं किया गया। इससे उनका वोटर कुछ असहज रहा। राजद महागठबंधन का स्तर बहुत मुश्किल भरा रहा है, आरजेडी अपने पिछले प्रदर्शन को भी कायम नहीं रख सकी 1 नंबर से वह 3 नंबर पर पहुंच गई, इस बार का उसका प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5917

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5916

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5917

संकेतः बाएं से दाएं

1. 23 मार्च 1931 को इस क्रांतिकारी को अपने दो प्रमुख साथियों के साथ फांसी दे दी गई (5)
5. गर्व, फख्र, घमंड, अभिमान (2)
7. उन्नतिकाल, यह वैजयंतीमाला की पहली फिल्म थी जिसमें उनके नायक करण दीवान थे (3)
8. किसी रेखा पर सीधी और खड़ी गिरने वाली रेखा (2)
9. टेढ़ा, तिरछा, कोणयुक्त (2)
10. बोधप्राप्त, युक्तिकर्ता, बुद्धिमान (5)
12. मछली, मत्स्य (2)
13. एक कृत्रिम गरम जल स्त्रोत (3)
15. पराजित, हारा हुआ (3)
17. राजमुकुट, शाही टोपी, शिखा (2)
19. पाकिस्तान के प्रसिद्ध गजल गायक (निधन 13 जून 2012)(6)
22. इत्र को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
23. फिल्मों के प्रसिद्ध खल नायक (निधन 13 जनवरी 1985) (सिर्फ आरंभिक नाम), कामदेव (3)
24. सादृश्य, शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर (1)

ऊपर से नीचे

1. भीष्म पर्व के अंतर्गत 18 अध्यायों का एक प्रकरण जिसमें अर्जुन का मोह छुडाने के लिए श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए उपदेशों का इस ग्रंथ में संग्रहित है (6)
2. भिन्नकाल, उस बार में, उस अवस्था में (2)
3. देवताओं का आसन, राजा का पद (4)
4. जनानखाना, अंतपुर (3)
5. भारत का प्राचीन विश्वविद्यालय यहा है (3)
11. तकरार, किचकिच, चकल्लस (4)
12. सैयदों की उपाधि (2)
14. निर्णय, न्याय, फैसला (4)
16. राजा के लिए प्रयुक्त शब्द (3)
18. पास बैठने वाला, महेश भट्ट निर्देशित फिल्म आशिकी की संगीतकार जोड़ी में से एक (3)
20. सीमा, मर्यादा, नियत काल, पराकाष्ठा (2)
21. पुत्र, बेटा (अंग्रेजी) (2)

वर्ग पहेली 5916 का हल

बी	र	ब	ल		आ	र	जू
घा	त	क		डॉ	न		न
		ना	दा	न		आ	
आ	उ			ब्रे		ह	स्त
प	र्व	त		ड		ट	
का	शी		झ	मे	ला		वा
		ची		न	ट	ख	ट
स	मा	चा	र			त	र

आज का राशिफल

मेष
आज आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल देने वाला रहेगा। सप्तम जाया भाव में सूर्य के होने और सप्तम घर में ही चंद्रमा के होने से राज्य से मान-सम्मान मिलेगा। ये शुभ योग रुके हुए कार्यों को पूरा करवाएगा। इस दौरान धार्मिक यात्रा जाने का प्लान बनेगा, लेकिन कुछ अप्रत्याशित कारणों से योजना फिलहाल टल सकती है।

वृष
आज का दिन आपके लिए व्यस्तताओं से भरा रहने वाला है। हालांकि, इसे बाद भी आप मानसिक तनाव से कुछ हद दूर ही रहेंगे। आपकी राशि से पंचम भाव में शनि का योग बना हुआ है। ऐसे में आपको आज के दिन विवेकपूर्ण तरीके से कार्य करना चाहिए। किसी करीबी या परिचित से बेवजह के विवाद से बचें। इससे आपको ही नुकसान हो सकता है।

मिथुन
आज राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। सांसारिक सुख की वस्तुओं का विस्तार होगा। परिवार में मंगलमय परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वहीं, रात के समय में किसी विशेष समारोह में शामिल होने से कुछ महान व्यक्ति के मिलने का अवसर प्राप्त होगा।

तुला
आज का दिन आपके लिए अत्यंत ही लाभकारी रहने वाला है। तृतीय भाव में चंद्रमा अकस्मात बड़ी मात्रा में लाभ कराएगा। इससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शाम के समय में कोई सुखद समाचार मिलेगा। रात्रि में किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

वृश्चिक
आज बिना किसी ठोस कारण के कुछ लोग आपके प्रति शत्रुता का भाव रख सकते हैं। इससे आप असहज महसूस कर सकते हैं। ऐसे में शांत मन से स्थिति का सामना करें और किसी अनावश्यक विवाद में न पड़ें। वहीं, आज चतुर्थ भाव में केतु और द्वादश भाव में गुरु से माता को कष्ट हो सकता है। व्यवसाय में सावधानी बरतें और जोखिम के कामों से दूर रहें।

धनु
आज का दिन सुख शांति से बीतने वाला है। पिछले कई दिनों से चला आ रहा तनाव आज कुछ कम होगा। राशि का स्वामी चन्द्रमा चतुर्थ भाव में पराक्रम वृद्धि और कोर्ट कचहरी में जीत दिला सकता है। वहीं इस समय गुरु ग्रह का प्रभाव वैवाहिक जीवन के लिए शुभ संकेत दे रहा है। किसी शारीरिक कष्ट से पत्नी को छुटकारा मिलता हुआ दिख रहा है।

कर्क
आज के दिन अधिक सतर्क रहें और अनावश्यक जोखिम न लें। चतुर्थ भाव में मीन राशि का शनि होने से व्यर्थ खर्च बढ़ सकते हैं। इस दौरान पत्नी को कष्ट हो सकता है। आज नज़दीक या दूर की आवश्यक यात्रा का योग प्रबल है। शाम के समय एकादश भाव में तुला राशि का चन्द्रमा आपको कुछ सुखद समाचार दे सकता है।

सिंह
आज कई दिनों से कर्क राशि के होकर पंचम भाव में चल रहे हैं। चंद्रमा भी आज नवम घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। इससे खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा मिलने के योग बन रहे हैं। आज आप अपनी मंत्रणा शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा। आपके प्रयासों का फल मिलेगा।

कन्या
आज प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सत्तारूढ़ व्यक्तियों की कृपा से धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आने वाले समय में आपको कुछ महत्वपूर्ण मौके मिल सकते हैं। यह अवसर आपके करियर, व्यवसाय से जुड़े हो सकते हैं। ऐसे में आपको इसका पूरा लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा।

मकर
आज का दिन प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। चतुर्थ भाव में राहु की स्थिति भूमि, संपत्ति या जायदाद से संबंधित मामलों में अप्रत्याशित लाभ का संकेत दे रही है। आज आपको किसी श्रेष्ठ या प्रभावशाली व्यक्ति का सानिध्य प्राप्त हो सकता है। इससे मन प्रसन्न रहेगा। उच्चाधिकारियों की कृपा से कोई रुका हुआ काम अचानक से बन सकता है।

कुंभ
आज धन और वाणी से संबंधित मामलों में सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है। आज चंद्रमा नवम भाव में है, जिससे नए आय स्रोत विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके प्रयासों का फल मिलेगा और नए अवसर आपके दरवाज़े पर दस्तक देंगे। अपनी बुद्धिमानी से आप अपने विरोधियों को मात देने में सक्षम रहेंगे। स्वास्थ्य भी थोड़ा कमजोर दिख रहा है। इसलिए खानपान पर ध्यान दें।

मीन
आज का दिन आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा। इसके साथ ही सुस्त पड़े कारोबार में भी रफ्तार देखने को मिलेगी। मन के मुताबिक धन लाभ होने से आपका मनोबल बढ़ेगा। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। आज का दिन रिश्तों में आई कड़वाहट को दूर करने के लिए अनुकूल है। किसी रिश्तेदार के सदस्य के साथ मनमुटाव को आज बातचीत से खत्म करने का अच्छा अवसर है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त में महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं। दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

बॉलीवुड में सब बस अपना फायदा देखते हैं, यहां कोई किसी के लिए नहीं लड़ता

सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में वो नेगेटिव रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ने देखा कि कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स रात के डेढ़ बजे फुटपाथ पर बैठकर कैब की राह देख रही थीं। जॉली एलएलबी 2, फोर मोर शॉट्स प्लीज, पगलैट जैसी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रहीं ऐक्ट्रेस सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में सयानी नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं।

किसी को तो विलन बनना पड़ेगा

खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप नहीं रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। शो में ही मेरे किरदार कुसुम की बात करें तो वह खुद दबाई गई है, इसलिए क्रूर बन गई है।

वो मुद्दे परेशान करते हैं वो दिखाना पसंद

लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। मतलब, जो मुद्दे मुझे परेशान करते हैं या सोच में डालते हैं, मैं उन कहानियों का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी, क्योंकि अगर हम किसी फिल्म या शो के जरिए उसे मेनस्ट्रीम में ला पाएं और उस पर चर्चा हो तो इससे बेहतर क्या होगा। वे लड़कियां इतनी रात में घर कैसे जाएंगी। मुझे लगता है कि हम ऐक्टर उस जगह पर हैं जहां उन लोगों के लिए बोल सकते हैं, जिनकी नहीं सुनी जाती तो आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे यहां कोई दूसरे के लिए नहीं लड़ता

सयानी को फिल्म सेट पर टीम संग गैरबराबरी से जुड़ी कई चीजें भी परेशान करती हैं। शूटिंग की शिफ्ट तय होने की चर्चा छिड़ने पर वह बेबाकी से कहती हैं, हमारे यहां ऐक्टर की मजबूत यूनियन ही नहीं है। जैसे हॉलिवुड में एआई को लेकर इतनी बड़ी हड़ताल हुई। पूरी इंडस्ट्री के ऐक्टर, डायरेक्टर वो चाहे कितने भी अनुभवी या नए थे, हर कोई साथ आया, काम बंद किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है। यहां सब अपना-अपना सोचते है। कोई किसी के लिए नहीं लड़ता। हम भारतीयों की सोच यही है कि हमारा काम नहीं जाए। मैं क्यों लड़ूं, यहां हर कोई ओवरटाइम करता है जिसका उन्हें कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं मिलता। देखिए, बतौर ऐक्टर मैं 20 घंटे भी काम हुआ तो करूंगी, पर जो लाइटमैन सबसे पहले आता है और सबसे बाद में जाता है और वो ट्रेन से जाएगा। उसके पास गाड़ी नहीं है। ऐसे सैकड़ों लोग सेट पर होते हैं, जिनके लिए बेसिक सुविधाएं नहीं होतीं।

ब्रेक के बाद निर्देशक दानिश असलम की फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान 10 साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। वह अपने पुराने दोस्त और निर्देशक दानिश असलम के साथ एक नई फिल्म बना रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने 15 साल पहले ब्रेक के बाद बनाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी वापसी और इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी आगामी फिल्म ब्रेक के बाद की तरह ही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे और दानिश के जीवन के अनुभवों से बनी है। दानिश की शादी हो चुकी है, और मेरा तलाक हो गया है। यह एक निजी प्रोजेक्ट है, जो दोस्तों के साथ मिलकर कहानी कहने की इच्छा से शुरू हुआ। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। जल्द ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज डेट की घोषणा होगी।

ब्रेक के बाद की कहानी

इमरान ने बताया कि उन्होंने पहले ब्रेक के बाद फिल्म के लिए मना कर दिया था। उस समय वह आई हेट लव स्टोरीज की शूटिंग कर रहे थे। दानिश ने उन्हें कहानी सुनाने की कोशिश की, लेकिन इमरान को कहानी सुनना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मना कर दिया। बाद में एक पार्टी में दानिश से मुलाकात हुई और उनकी बातचीत से इमरान का मन बदल गया। दानिश ने उन्हें स्क्रिप्ट भेजी, जो इमरान को पसंद आई, और फिर उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की।

इमरान का करियर

आखिरी बार इमरान 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें मिलने वाले किरदार पसंद नहीं आ रहे थे। अब वह वापसी कर रहे हैं, लेकिन वह अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं।

मां वंदे में पीएम मोदी की मां का किरदार निभाएंगी रवीना

रवीना टंडन हमेशा अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म पटना शुक्ला और लॉयर में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब खबर है कि रवीना एक और महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक मां वंदे का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में रवीना, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन मोदी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार करेंगे, जबकि दक्षिण भारतीय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रवीना इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमेशा से हीराबेन की सादगी, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने की क्षमता की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म मां-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड भावनात्मक फिल्म होगी। इसमें हीराबेन के त्याग, उनकी दृढ़ता और मोदी के जीवन में उनके योगदान को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। रवीना, हीराबेन के जीवन की इन्हीं बातों से प्रभावित होकर इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। साउथ इंडस्ट्री के एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे।

लक्ष्मण उतेकर की फिल्म ईथा में दिखाई देंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद श्रद्धा अब एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने पहले छावा जैसी फिल्म बनाई थी। ताजा जानकारी के अनुसार... फिल्म में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब श्रद्धा और रणदीप स्क्रीन पर दिखेंगे। दोनों के बीच लगभग 11 साल की उम्र का अंतर है। शूटिंग महीने के अंत तक मुंबई में शुरू होने वाली है। रणदीप और श्रद्धा दोनों को लेकर निर्माता बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकारों में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा है, जो निर्देशक की सोच से पूरी तरह मेल खाती है।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस किरदार के लिए लावणी डांस की ट्रेनिंग ले रही हैं।

हैवान में अक्षय को चेज करते दिखेंगे सैफ

अक्षय कुमार के काम की स्पीड एक बार फिर चर्चा में है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैवान की शूटिंग हाल ही में मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास पूरी हुई। इसमें अक्षय और सैफ अली खान ने लगातार पांच देर रातों तक शूटिंग कर फिल्म का क्लाइमेक्स सीक्वेंस कंप्लीट किया। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इस सीन में करीब 30-40 कारें और 100 जूनियर आर्टिस्ट शामिल थे, जिसे एक्शन डायरेक्टर स्टंट सिल्वा ने कोरियोग्राफ किया। रात के समय आउटडोर शूटिंग को लेकर प्रियदर्शन ने कहा कि... मुंबई जैसे व्यस्त शहर में इतनी बड़ी यूनिट के साथ शूट करना आसान नहीं था लेकिन अक्षय और सैफ ने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में साथ दिया।

मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है ये फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि अक्षय आमतौर पर जल्दी सोने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस लेट-नाइट शूट में पूरी तन्मयता से काम किया। फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 2016 की मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है। जहां मूल फिल्म में मोहनलाल ने लीड निभाया था, वहीं हिंदी वर्जन में सैफ ने एक नेत्रहीन व्यक्ति के किरदार में हैं, जिसकी सूंघने और सुनने की शक्ति बेहद तीव्र है। वे अक्षय के विलन किरदार से भिड़ते हैं।

अगस्त में शुरू हुआ था शूट

प्रियदर्शन ने बताया... हैवान एक कॉमेडी थ्रिलर है जिसमें नायक और खलनायक के बीच चूहे-बिल्ली की पकड़म-पकड़ाई जैसे खेल चलता है। फिल्म का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 में शूट होना शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है।

बता दें कि अक्षय ने दुबई में वेलकम टू द जंगल की शूटिंग शुरू करने से पहले अपना हिस्सा खत्म कर लिया था, जबकि सैफ के कुछ सीन्स बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्माए जा रहे हैं। प्रियदर्शन के लिए 2025 काफी प्रोडक्टिव रहा है। 69 साल की उम्र में उन्होंने भूत बंगला और हैवान जैसी दो बड़ी फिल्में पूरी की हैं। हैवान 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी और इसे प्रियदर्शन की सबसे बड़ी हिंदी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्ट हैं अक्षय के पास

अक्षय, प्रियदर्शन की एक और कॉमेडी-हॉरर फिल्म भूत बंगला में भी दिखेंगे। इसमें उनकी जोड़ी तबु के साथ 25 साल बाद बनेगी। साथ ही परेश रावल और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कॉमेडियन भी फिल्म में नजर आएंगे। वहीं 2027 में ही रिलीज होने वाली उनकी ओह माय गॉड फिर एक बार सामाजिक और धार्मिक पाखंड पर व्यंग्य करेगी, जिसमें अक्षय एक बार फिर गॉड के मैसेंजर बनेंगे।

वहीं 2027 साइको में आने वाली है जो एक साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर है। यह अक्षय को एक डार्क और गहन अवतार में दिखाएगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का अगला अध्याय सूर्यवंशी 2 है, जिसमें अक्षय, अजय देवगन और रणवीर सिंह एक साथ फिर से धमाकेदार एक्शन अवतार में लौटेंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने भी पूरी की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने भी हैवान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। श्रिया ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े दिख रही हैं, जिस पर फिल्म का नाम हैवान लिखा है। श्रिया ने लिखा... मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक सौभाग्य रहा, जिसका नेतृत्व निर्देशक प्रियदर्शन ने किया।

संक्षिप्त समाचार

लाल आतंक पर चोट, सुकमा में सुरक्षाबलों की नक्सलियों से मुठभेड़, एक नक्सली मार गिराया

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के जंगल में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने उनके खिलाफ अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान आज सुबह से सुरक्षाबल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। बाद में सुरक्षबलों ने घटनास्थल से एक नक्सली का शव बरामद किया। इस कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में 263 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 234 बस्तर संभाग में मारे गए, जिसमें सुकमा सहित सात जिले शामिल हैं। जबकि 27 अन्य रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नक्सली मारे गए।

गुरुग्राम की सोसाइटी में मंदिर तोड़ने पर हंगामा, लोगों ने रोड जाम कर किया हनुमान चालीसा पाठ

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम सेक्टर-85 स्थित पिरामिड हाइट्स सोसाइटी में सोमवार को भारी हंगामे के बीच धार्मिक स्थल पर बुलडोजर चला दिया गया। इससे गुस्साए लोगों ने मेन रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस ने जाम लगा रहे लोगों को कार्रवाई करने की चेतावनी दी तो वह पीछे हट गए। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में धार्मिक स्थल को हटाकर जमीन का कब्जा बिल्डर को सौंप दिया। पिरामिड हाइट्स सोसाइटी में दुकानों के लिए आरक्षित जमीन में से करीब 150 वर्ग गज में कुछ लोगों ने करीब चार महीने पहले एक धार्मिक स्थल का निर्माण कर दिया था। इस धार्मिक स्थल को हटाने के लिए बिल्डर और लोग आमने-सामने हो गए थे। जब इस मामले में पुलिस में शिकायत दी गई तो एसीपी, मानेसर ने दोनों पक्षों को तलब किया। दोनों पक्षों को जमीन से जुड़े दस्तावेज दिखाने के आदेश जारी किए। लोगों से धार्मिक स्थल के निर्माण की मंजूरी दिखाने के लिए बोला गया। धार्मिक स्थल के निर्माण की मंजूरी लोगों के पास नहीं थी। इस बीच अवैध रूप से निर्मित इस धार्मिक स्थल के खिलाफ नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई कार्यालय में शिकायत पहुंच गई। डीटीपीई की तरफ से बिल्डर को नोटिस देकर जवाब तलब किया गया। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर रिस्टोरेशन आदेश पारित किए। सोमवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में डीटीपीई कार्यालय से एक तोड़फोड़ दस्ता इस सोसाइटी में पहुंच गया। सूचना मिलने पर 25 से 30 लोग इकट्ठे हो गए। इसमें अधिकांश महिलाएं शामिल थीं। इन्होंने इस तोड़फोड़ का विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान लोगों ने सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। लोगों ने डीटीपीई कार्यालय की टीम को बताया कि इस कॉलोनी में करीब एक हजार परिवार रहते हैं। आसपास कोई धार्मिक स्थल नहीं है। पूजा अर्चना में दिक्कत होती है। ऐसे में इसे नहीं तोड़ा जाए। कुछ लोग तो इसके विरोध में सड़क पर जाम लगाने के लिए पहुंच गए। पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत किया। हंगामा कर रहे लोग भी कार्रवाई की चेतावनी पर पीछे हट गए। फिर धार्मिक स्थल को तोड़ दिया गया। बिल्डर की रखरखाव एजेंसी के योगेंद्र कुमार ने बताया कि अवैध रूप से यह धार्मिक स्थल बनाया गया था।

राम मंदिर ध्वजारोहण का न्योता मिलने पर बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी बोले यह सौभाग्य की बात है

अयोध्या , एजेंसी।
अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी को भी औपचारिक निमंत्रण मिला है। इकबाल अंसारी के मोबाइल पर कार्यक्रम के निमंत्रण से जुड़ा मोबाइल संदेश पहुंचा है। इससे पहले उन्हें राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भी न्योता मिला था। राममंदिर ट्रस्ट की ओर से इकबाल अंसारी को इस बार होने वाले विशेष ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत तौर पर आमंत्रित किया गया है। इस पर इकबाल अंसारी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह अयोध्या का सौभाग्य है। माननीय प्रधानमंत्री जी का आगमन हो रहा है। अयोध्या नगरी धर्म की नगरी है। भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री जी ध्वजारोहण करने आ रहे हैं। हम भी बहुत खुश हैं। बाबरी मस्जिद के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा कि इस कार्यक्रम में सभी लोग आ रहे हैं। देश-विदेश से लोग आ रहे हैं। आना भी चाहिए। आस्था सबकी है। भगवान राम में सबकी आस्था लगी हुई है कि हम दर्शन भी करें पूजन भी करें, भगवान को साक्षात देखें भी। मंदिर पर ध्वजारोहण होने जा रहा है। हमको भी निमंत्रण मिला है। हम भी बहुत खुश हैं। चाहते हैं कि ध्वजारोहण में हम भी शामिल हों। बता दें कि ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए करीब छह हजार लोगों को औपचारिक न्योता दिया गया है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण अपनी पूर्णता की ओर है। इस बीच पत्थरों की घिसाई व सफाई का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके कारण पूरा परिसर धूल-गुबार से ढका दिखाई दे रहा है। वहीं लोअर प्लिंथ पर थ्रीडी म्यूरल्स को लगाने और उनकी सेटिंग भी हो रही है। शिखर से लेकर खंभे और सतह पर हैंड मशीन की घर्घराहट का शोर भी बहुत अधिक है। इस बीच में श्रद्धालुओं का रेला भी पहुंच रहा है व अधिकांश श्रद्धालु नाक पर रुमाल रखकर दर्शन के लिए आ रहे हैं। राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह तैयारियों में जुटा है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देश-विदेश की कई वीवीआईपी हस्तियों के शामिल होने की संभावना है। भारी भीड़ और वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। खासतौर पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट के भीतर और बाहर तैनात सभी कर्मचारियों का सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। राजनैतिक और बॉलीवुड से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों को निमंत्रण भेजा गया है। इनके चार्टर्ड विमानों से पहुंचने की संभावना को देखते हुए एयरपोर्ट पर वीआईपी मूवमेंट बढ़ने की संभावना है। इसलिए सुरक्षा बलों ने तैयारियां और तेज कर दी हैं। एयरपोर्ट के आसपास स्थित होटल, होमस्टे और आवासीय परिसरों की गहन जांच चल रही है।

गुरुग्राम में सेक्टर-101 मेट्रो रूट की अड़चनें होंगी दूर

गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के निर्माण के तहत बसई मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-101 मेट्रो स्टेशन के बीच प्रस्तावित मेट्रो रूट के निर्माण की अड़चनें जल्द दूर होंगी। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की संयुक्त टीम मंगलवार को करीब ढाई किमी लंबे इस मेट्रो रूट की पैमाइश करेगी।

एचएसवीपी ने गांव बसई स्थित तालाब से लेकर सेक्टर-101 (द्वारका एक्सप्रेसवे) तक 60 मीटर चौड़ी सड़क विकसित करने के लिए जमीन का अधिग्रहण किया हुआ है। तालाब के साथ रेलवे लाइन को पार करते हुए द्वारका एक्सप्रेसवे तक मेट्रो का रूट तैयार होना है। निर्माण के रास्ते में कुछ मकान आ रहे हैं। ऐसे में एचएसवीपी की तरफ से अधिग्रहीत जमीन की पहचान करके पैमाइश की जाएगी। इस दौरान जांच की जाएगी कि अधिग्रहीत जमीन में मकानों का निर्माण हुआ है या उससे बाहर है। मकान बाहर आते हैं तो अधिग्रहण की योजना बनाई जाएगी। पैमाइश के दौरान दोनों विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। एचएसवीपी की तरफ से जीएमआरएल को जमीन का कब्जा सौंपा जाएगा।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण एक साथ तीन जगह पर शुरू होगा। पाइल करने के लिए तीन मशीन मौके पर पहुंच चुकी है। एक मशीन के माध्यम से सेक्टर-45 मेट्रो स्टेशन के समीप से पाइल लगाने का काम शुरू किया जाएगा। दूसरी मशीन सुभाष चौक से हीरो होंडा चौक के बीच काम करेगी, जबकि तीसरी मशीन हीरो होंडा चौक से लेकर सेक्टर-नौ तक पाइल करने का काम करेगी।

पहले चरण की मेट्रो के निर्माण को लेकर दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सेक्टर-33 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में मेट्रो का निर्माण कर रही कंपनी की तरफ से कास्टिंग यार्ड तैयार किया जा रहा है। इस कंपनी ने अपना कार्यालय तैयार कर लिया है। कास्टिंग यार्ड बनने के साथ मेट्रो का निर्माण तेज गति से शुरू हो जाएगा। डॉ. चंद्रशेखर खरे, प्रबंध निदेशक, जीएमआरएल, ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट का निर्माण निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाएगा। इसको लेकर निर्माणाधीन कंपनी को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। मेट्रो निर्माण के दूसरे चरण के तहत टेंडर जारी करने के तहत कागजी प्रक्रिया की जा रही है।

बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में 20वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक जप समारोह का आयोजन

बोधगया , एजेंसी। बौद्ध विरासत और अंतर-सामुदायिक सहयोग के एक ऐतिहासिक क्षण में, भारत के 17 बौद्ध संगठन पहली बार बिहार के बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में 20वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय त्रिपिटक जप समारोह का सामूहिक आयोजन करने के लिए एक साथ आए हैं। 2006 से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह आयोजन 2-13 दिसंबर 2025 तक चलेगा, जिसके बाद जेठियन घाटी से राजगीर के वेणुवन के बांस के बाग तक स्मारक पदयात्रा होगी। यह ऐतिहासिक एकता इस आयोजन के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका नेतृत्व दो दशकों से लाइट ऑफ बुद्धा धर्म फाउंडेशन इंटरनेशनल (एलबीडीएफआई-यूएसए) की संस्थापक और कार्यकारी निदेशक सुश्री वांगमो डिक्सी कर रही हैं। संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सुश्री डिक्सी ने त्रिपिटक के सामूहिक पाठ के माध्यम से प्राचीन पाली परंपरा का सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह बेहद सम्मान की बात है कि पीएम मोदी द्वारा पाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी गई है और आशा करते हैं कि इस वर्ष के पाठ में भारत से और अधिक लोग शामिल होंगे।' उन्होंने आगे कहा कि बुद्ध की पवित्र मातृभूमि में धर्म की ध्वनि को वापस लाना एक अत्यंत सौभाग्य की बात है, जो भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय संघ सदस्यों और गृहस्थ भक्तों के सहयोग से संभव हुआ है। यह वार्षिक समारोह अपनी तरह का सबसे बड़ा थेरवाद बौद्ध समागम है, जिसमें दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से हज़ारों भिक्षु और श्रद्धालु आते हैं। इस वर्ष, 15,000 से ज़्यादा भारतीय भिक्षुओं और आम लोगों के साथ-साथ अमेरिका, बांग्लादेश, कंबोडिया, लाओस पीडीआर, इंडोनेशिया, नेपाल, म्यांमार, थाईलैंड, श्रीलंका और वियतनाम से अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। लगभग 1,000 स्वयंसेवक इस आयोजन के संचालन में सहयोग करेंगे। 2 दिसंबर को मुख्य अतिथि के रूप में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

भंगेल एलिवेटेड रोड शुरू होने में देरी से लोग परेशान, किसानों ने किया खोलने का ऐलान

नोएडा , एजेंसी।
नोएडा में भंगेल एलिवेटेड रोड को खोलने का काम फिर अटक गया है। ऐसे में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने सोमवार को आगाहपुर गांव में एक बैठक कर यह ऐलान किया कि किसान मंगलवार को इस एलिवेटेड रोड को खोल देंगे। हालांकि, इस सप्ताह मुख्यमंत्री के नोएडा आने की संभावना है। नोएडा प्राधिकरण ने संभावना जताई है कि उसी दिन एलिवेटेड रोड का शुभारंभ हो सकता है। भंगेल एलिवेटेड रोड करीब ढाई महीने से बनकर तैयार है। इसका शुभारंभ नहीं होने से लोगों को 10-12 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर काटकर आना-जाना पड़ रहा है। दादरी-सूरजपुर-छलेरा यानी डीएससी रोड पर एलिवेटेड रोड शुरू होने से लोगों का नोएडा से ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर की ओर सफर आसान हो जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने 10 दिन पहले दावा किया था कि 12 या 13 नवंबर को मुख्यमंत्री लखनऊ से बटन दबाकर इसका शुभारंभ कर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो एक सप्ताह के अंदर इसको ट्रायल के तौर पर खोल दिया जाएगा। अब यह समय सीमा समाप्त हो चुकी है, लेकिन एलिवेटेड रोड की शुरुआत नहीं की गई। अब इस बारे में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी खुलकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। सिर्फ इतना ही कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री का समय मिलते ही इसको शुरू करा दिया जाएगा।

अधिकारियों ने संभावना जताई है कि इस सप्ताह मुख्यमंत्री ग्रेटर नोएडा आ सकते हैं। इसी दौरान इसका शुभारंभ करा दिया जाएगा। एलिवेटेड रोड नहीं खोले जाने से लोगों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। भंगेल एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू के एनएसईजेड के पास नाले के पास तक बना है। नाले पर पुलिया की चौड़ाई कम है। ऐसे में यहां पर जाम लग सकता है। प्राधिकरण ने निर्णय लिया है कि फेज-टू की तरफ से एलिवेटेड रोड पर चढ़ते-उतरते समय पुलिया चौड़ी की जाएगी। एलिवेटेड रोड का काम जून 2020 में शुरू हुआ था। यह दिसंबर 2022 में बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। इसके निर्माण का जिम्मा सेतु निगम के पास है। लोगों का कहना है कि पहले इसको बनाने में देरी हुई। अब जब बनकर तैयार हो चुका है, तो अब खोलने में देरी की जा रही है।

जिन हाथों ने कभी थामी थी बंदूकें, अब कैफे में कॉफी परोस रहे; कमाल की पहल!

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में एक नया कैफे शुरू किया गया, जिसका संचालन ऐसे लोग कर रहे हैं जो या तो नक्सल हिंसा के पीड़ित रहे हैं या प्रतिबंधित माओवादी गतिविधियों के सदस्य रह चुके हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को जगदलपुर के पुलिस लाइन परिसर में स्थित इस कैफे उद्घाटन किया। सरकार का दावा है कि यह पहल बस्तर में नक्सल उन्मूलन और शांति स्थापना के प्रयासों को नई दिशा देगी।

दिया गया प्रशिक्षण

जगदलपुर के इस पांडुम कैफे में आत्मसमर्पण कर चुके नक्सली भी काम कर रहे हैं। जिला प्रशासन और पुलिस के सहयोग से उन्हें आतिथ्य सेवाओं, कैफे प्रबंधन, ग्राहक सेवा, स्वच्छता मानकों, खाद्य सुरक्षा और उद्यमिता कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। यह कैफे नक्सली हिंसा के पीड़ितों और समर्पण कर चुके सदस्यों के पुनर्वास हेतु छत्तीसगढ़ सरकार की एक पहल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पांडुम कैफे का शुभारंभ बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है। हिंसा का मार्ग छोड़क कैफे में काम करने आई एक महिला ने भावुक होकर इस पुनर्वास पहल से हुए बदलाव की बात दोहराई।

मेहनत की कमाई से परिजनों का भविष्य संवार रहे

अन्य सहयोगी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि,पहले हम अपने परिवार को सम्मानजनक जीवन देने का सपना भी नहीं देख सकते थे। अब हम अपनी मेहनत से कमाए पैसों से घर के सदस्यों का भविष्य संवार सकते हैं। एक अन्य सदस्य ने समुदाय के सहयोग पर जोर देते हुए कहा कि हमें लगा था कि मुख्यधारा में लौटना आसान नहीं होगा, लेकिन पुलिस और प्रशासन ने हमें प्रशिक्षण दिया और हमारा विश्वास जीता। हम अब पीड़ितों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बिहार चुनाव हार पर राहुल गांधी का बचाव करते दिखे कांग्रेस नेता

पटना, एजेंसी।
बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने भारतीय राजनीति में विपक्ष को पूरी तरह से हिला दिया है। विपक्ष लगातार इस चुनाव में करारी शिकस्त के लिए चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवालिया निशान लगा रहा है। दूसरी तरफ भाजपा इसे जनादेश करार देते हुए, कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साध रही है। महागठबंधन की हार से तेजस्वी यादव से ज्यादा राहुल गांधी पर उठाए जा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बचाव करते हुए नजर आ रहे हैं। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने सोमवार को चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह पूरी तरह से सरकार के साथ है। ऐसे में उनकी पार्टी के नेतृत्व का इसमें कोई दोष नहीं है।

एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस सांसद ने बिहार चुनाव में मिली हार के सवाल पर कहा, 'वोट खरीदे जा रहे हैं। चुनाव आयोग और पूरा सरकारी सिस्टम (एनडीए) उनका साथ दे रहा है। इसके खिलाफ एक रणनीति बनाई जाएगी। कल हमारी एसआईआर पर एक बैठक होने जा रही है। चुनाव आयोग पूरी तरह से उनका सहयोग कर रहा है। चुनाव में धनबल का इस्तेमाल हो रहा है। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।'

शुक्ला ने कहा, 'बिहार चुनाव निश्चित रूप से धनबल का प्रयोग था। पूरी तरह से चुनाव आयोग उनका समर्थन कर रहा था। यह जोर आजमाइश से लिया गया नतीजा है। यहां, बेवजह नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। नेतृत्व का इससे कोई लेना देना नहीं है। नेतृत्व ने पूरी मेहनत की, कोशिश की है।'

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस नेतृत्व को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यह सवाल केवल उनके विरोधियों की तरफ से ही नहीं बल्कि उनके कई समर्थकों की तरफ से भी उठाए जा रहे हैं। पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के बाद राहुल पर उठाए जा रहे सवालों में कमी आई थी।

मुंबई में सीएनजी संकट जारी, पंपों पर लंबी कतारें, ड्राइवरों की मुश्किलें बढ़ीं

मुंबई, एजेंसी।
मुंबई और आसपास के इलाकों में मंगलवार को भी सीएनजी पंपों पर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। एक प्रमुख गैस पाइपलाइन को नुकसान पहुंचने के कारण सप्लाई ठप होने से वाहनों में गैस भरवाने में दिक्कतें हो रही हैं। महानगर गैस लिमिटेड के मुताबिक, यह दिक्कत रविवार से शुरू हुई जब राष्ट्रीय रसायन और उर्वरक (आरसीएफ) परिसर में गैल की मुख्य सप्लाई पाइपलाइन को किसी तीसरे पक्ष द्वारा नुकसान पहुंचा। इससे वडाला स्थित एमजीएल के सिटी गेट स्टेशन को गैस की सप्लाई प्रभावित हुई, जो शहर में सीएनजी आपूर्ति का एक प्रमुख केंद्र है।

एमजीएल ने सोमवार शाम कहा कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में गैस सप्लाई करने वाले 389 सीएनजी पंपों में से लगभग 60 फीसदी यानी 225 पंप काम कर रहे थे और मंगलवार दोपहर तक पूरी तरह से सुविधा बहाल होने की उम्मीद थी।

एक टैक्सी चालक सीताराम राजक ने कहा, 'मैं सुबह 4 बजे से सीएनजी पंप पर कतार में खड़ा हूं और मुझे अभी तक नहीं पता कि मेरे वाहन में कब गैस भरेगी, क्योंकि मेरे आगे सैकड़ों टैक्सियां लगी हैं।' वह ताड़देव के एमजीएल सीएनजी पंप पर कतार में खड़े थे। राजक ने कहा कि उन्होंने जल्दी सीएनजी भरवाने की सोची ताकि सड़कों पर कम कैब चलने से अच्छी कमाई हो सके। एमजीएल नेयह स्पष्ट किया कि घरों में पाइप से दी जाने वाली प्राकृतिक गैस की सप्लाई बिना किसी रुकावट के जारी है।

सोमवार कोभी मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई के कई चालू पंपों पर ऑटोरिक्शा, टैक्सियों, स्कूल वाहनों और ऐप-आधारित कैब्स के बीच सीमित सीएनजी सप्लाई को लेकर लंबी कतारें देखी गईं थीं।

पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, कम गैस के दबाव के कारण कई पंपों को या तो गैस देना कम करना पड़ा या फिर कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। मुंबई शहर में करीब 150 सीएनजी पंप हैं, जिनमें से कई सोमवार सुबह से ही काम नहीं कर रहे थे। कुछ ऐप-आधारित कैबों ने पेट्रोल का इस्तेमाल शुरू कर दिया, लेकिन काले-पीली टैक्सियों के पास यह विकल्प नहीं था क्योंकि उन्होंने रखरखाव लागत कम करने के लिए अपना पेट्रोल विकल्प हटा दिया था। इस वजह से उन्हें अपना काम रोकना पड़ा। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्तिऔर परिवहन (बेस्ट) उपक्रम के सूत्रों ने बताया कि कुछ डिपो में सप्लाई प्रभावित होने के कारण उनकी कुछ सीएनजी बसों में देरी हुई या फिर उन्हें अपने रूट छोटे करने पड़े। हालांकि, बेस्ट ने आधिकारिक तौर पर कहा कि उनके संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। एमजीएल ने कहा कि उसने आवासीय उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी है और प्रभावित इलाकों में औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं से सलाह दी है कि जब तक पूरी तरह से सुविधा बहाल नहीं हो जाती, तब तक वे किसी दूसरे ईंधन का इस्तेमाल करें।

रेप केस में फंसे हरियाणवी एक्टर उत्तर कुमार पर एक और एफआइआर इस बार क्या नए आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। दुष्कर्म और धमकी के मामले में जमानत पर चल रहे देहाती और हरियाणवी फिल्मों के अभिनेता उत्तर कुमार के खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। यह मुकदमा पीड़िता के केस की पैरवी कर रही वकील ने दर्ज कराया है। आरोप है कि उत्तर कुमार ने सहयोगी से धमकी भरा और आपत्तिजनक वीडियो यूट्यूब पर अपलोड कराया था। शिकायतकर्ता ने गाजियाबाद के कविनगर थाने में दी शिकायत देकर बताया कि वह पेशे से वकील हैं। वह शालीमार गार्डन थाने में दर्ज दुष्कर्म और एससी-एसटी ऐक्ट के मामले में पीड़िता की पैरवी कर रही हैं। वकील का आरोप है कि उत्तर कुमार ने अपने लोगों से उन्हें धमकियां दिलवानी शुरू कर दीं। गालियां देने के साथ उन पर केस छोड़ने का दबाव बनाया गया। 7 नवंबर को वह दुष्कर्म पीड़िता के साथ कोर्ट पहुंचीं थीं। 8 नवंबर को फरीदाबाद निवासी सोनम सैन ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें सोनम ने उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उनकी 6 वर्षीय बेटी के बारे में भी अभद्र बातें कहीं गईं और धमकी दी गई। पीड़ित वकील ने पुलिस को दी शिकायत में उत्तर कुमार और उसके सहयोगियों से जान का खतरा बताया है। उनका कहना है कि उत्तर कुमार किसी भी व्यक्ति से उन पर जानलेवा हमला करवा सकता है।

पांच प्लेयर्स भारत की सीनियर टीम में शामिल

मिनर्वा की प्रोडक्शन लाइन फिर चमकी

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल विकास की कहानी को एक और बड़ी मजबूती देते हुए मिनर्वा एकेडमी ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी अद्वितीय भूमिका साबित की है। उसके पांच ग्रेजुएट्स– बिकाश, अनवर, संदेश, विक्रम प्रताप और प्रमवीर –को एएफसी अभियान के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। यह चयन भारतीय फुटबॉल हलकों में लंबे समय से स्वीकार की जा रही सच्चाई को दोहराता हैः मिनर्वा की टैलेंट पाइपलाइन देश की सबसे निरंतर और भरोसेमंद प्रतिभा देने वाली प्रणालियों में से एक है।

एक ऐसी एकेडमी के लिए जिसने भारत के फुटबॉल इकोसिस्टम को बदलने के साहसिक लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी, यह उपलब्धि उसकी ग्रासरूट-फर्स्ट फिलॉसफी की एक और पुख्ता पुष्टि है। साल दर साल, मिनर्वा ने कच्ची प्रतिभा को पहचानने, संरचित मार्ग प्रदान करने और विभिन्न आयु वर्गों में राष्ट्रीय सेटअप को लगातार खिलाड़ियों की आपूर्ति करने की प्रतिष्ठा बनाई है।

यह नवीनतम उपलब्धि मिनर्वा के उस बढ़ते हुए सूची में एक और अध्याय जोड़ती है, जिसमें उसके विकसित खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व उच्चतम स्तर पर कर चुके हैं। साथ ही यह दिखाती है कि एकेडमी-ड्रिवन मॉडल राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पूल को मजबूत करने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जैसे ही सीनियर स्क्वाड अपने एएफसी अभियान की तैयारी कर रहा है, भारतीय फुटबॉल पर मिनर्वा की छाप एक बार फिर स्पष्ट है–यह याद दिलाते हुए कि एकेडमी की मिट्टी से राष्ट्रीय जर्सी तक का सफर न सिर्फ संभव है, बल्कि उसके सिस्टम में निखरने वाले खिलाड़ियों के लिए अब बेहद आम होता जा रहा है।

19 नवंबर का वो दिन, जब आयरन लेडी कर्णम मल्लेश्वरी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल इतिहास में '19 नवंबर' का दिन बेहद खास रहा है। साल 1995 में इसी दिन महिला वेटलिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी ने चीन के ग्वांगझू में हुई विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 113 किलोग्राम वजन उठाकर 'क्लीन एंड जर्क' में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। 'आयरन लेडी' कर्णम मल्लेश्वरी ने

महज 20 साल की उम्र में 54 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 202.5 किलोग्राम भार उठाते हुए गोल्ड जीता। अन्य सात भार वर्गों में चीनी वेटलिफ्टर विजेता रहे थे। इससे पहले साल 1994 में इस्तांबुल में भी कर्णम मल्लेश्वरी विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुकी थीं। 1 जून 1975 को श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) के वोसावनिपेटा गांव में जन्मीं कर्णम मल्लेश्वरी ने बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। पिता कॉलेज स्तर पर फुटबॉलर रहे थे। ऐसे में बेटियां भी पिता की तरह खेल में अपना करियर बनाना चाहती थीं। महज 13 साल की उम्र में कर्णम मल्लेश्वरी ने वजन उठाना शुरू कर दिया था। साल 1994 और 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम करने से चूक गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने सिडनी ओलंपिक की तैयारियां शुरू कर दीं। आखिरकार, 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने स्नैच में 110 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 130 किलोग्राम भार उठाया। कुल 240 भार के साथ कर्णम मल्लेश्वरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। कर्णम मल्लेश्वरी 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को एक और पदक जिताने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन इसी बीच पिता के निधन ने उन्हें झकझोर दिया। साल 2004 में वह ग्रीस में हुए ओलंपिक गेम्स में उतरीं, लेकिन दुर्भाग्य से पदक नहीं जीत सकीं। कुछ समय बाद उन्होंने अपने करियर से संन्यास का ऐलान कर दिया।

भारत में 17 दिसंबर से होगी विश्व टेनिस लीग, मेदवेदेव और बोपन्ना सहित कई स्टार खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

बेंगलुरु एजेंसी। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त

अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।

जर्मनी और नीदरलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्लोवाकिया को 6-0 से शिकस्त देकर जर्मनी ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यूरोपीय दिग्गजों के साथ

नीदरलैंड्स भी विश्व कप में जगह पक्की कर चुका है, जिसने लिथुआनिया को 4-0 से हराते हुए ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया। लेरॉय साने जर्मनी की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने स्लोवाकिया के खिलाफ दो गोल दागते हुए जर्मनी को लगातार 19वें विश्व कप में जगह दिलाई। निक वोल्टेमाडे ने इस मुकाबले का खाता खोला।

बांग्लादेश में तनाव, स्थगित हो सकता है पड़ोसी मुल्क की महिला क्रिकेट टीम का भारत दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी फ्यूचर टूर प्रोग्राम के तहत दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की आगामी घरेलू सीरीज कथित तौर पर बांग्लादेश में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण स्थगित हो सकती है। भारत और बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच इस सीरीज में 3 वनडे और 3 टी20 मैच शामिल हैं। दोनों देशों के बीच इन मुकाबलों के लिए विशिष्ट तिथियों और स्थानों की घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन इस सप्ताह बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से पहले ही दौरे का कार्यक्रम अनिश्चित था।

'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' के अनुसार, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि सीमित ओवरों की सीरीज को बाद की तारीख के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा। भले ही इसके पीछे का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच जारी राजनीतिक तनाव ने सीरीज के स्थगित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों देशों के बीच इस सीरीज के मुकाबले कोलकाता और कटक में होने वाले थे। वनडे मुकाबले दोनों टीमों के लिए महिला वनडे चैंपियनशिप के नए चरण की शुरुआत का प्रतीक थे। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए दौरा अगस्त 2025 में होना था, लेकिन इसे सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

बता दें कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने 'मानवता के खिलाफ अपराध' मामले में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाई है। 78 वर्षीय शेख हसीना को पिछले साल छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

यह सजा शेख हसीना की अनुपस्थिति में सुनाई गई और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस सजा का विरोध किया है। फिलहाल शेख हसीना भारत में हैं और बांग्लादेश उनकी वापसी पर अड़ा हुआ है। पिछले कुछ समय से दोनों पड़ोसी देशों के बीच राजनयिक संबंध प्रभावित हुए हैं।

कबड्डी स्टार नरवाल बोले-

केसीएल युवाओं को दे रहा सुनहरा मौका, वर्ल्ड टेनिस लीग पहली बार भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, 'भारत और टेनिस का रिश्ता बहुत पुराना है। डब्ल्यूटीएल के भारत आने से यह रिश्ता और मजबूत होगा। वैश्विक सितारों और भारतीय खिलाड़ियों का साथ में खेलना युवाओं के साथ परिवार वालों को बड़ी प्रेरणा देगा। भारत के जाने-माने कबड्डी खिलाड़ी राजेश नरवाल ने एक खास बातचीत में बताया कि कबड्डी चैंपियंस लीग हरियाणा के युवाओं के लिए एक बड़ा बदलाव ला रही है। उनके मुताबिक केसीएल ने लड़कों को ट्रेनिंग, मौके और करियर, तीनों ही स्तरों पर नई ऊर्जा दी है।

गांव से लेकर शहर तक, हर किसी को मौका

राजेश नरवाल ने बताया कि केसीएल ने हरियाणा के हर इलाके, छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक में कबड्डी को नई जिंदगी दी है। लीग बेहतरीन ट्रेनिंग, राष्ट्रीय स्तर का माहौल, प्रोफेशनल खेलने का अनुभव जैसी सुविधाएं दे रही है। उनके अनुसार इससे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और करियर बनाने का बड़ा रास्ता मिल रहा है।

हरियाणा बन रहा है देश की 'स्पोर्ट्स कैपिटल'

नरवाल ने कहा कि हरियाणा को पहले से ही रेसलिंग का गढ़ माना जाता है। लेकिन केसीएल जैसी पहलें अब राज्य को कबड्डी और बाकी खेलों का हब बना रही हैं। उन्होंने कहा, 'हरियाणा खेलों की धरती है। कुश्ती और कबड्डी में हमारे खिलाड़ी हमेशा छाए रहे हैं। चष्टरुके साथ मुझे यकीन है कि हरियाणा जल्द ही देश की स्पोर्ट्स कैपिटल कहलाएगा।'

बाबर आजम पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना और डिमेरिट अंक जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार कारण उनका खेल नहीं बल्कि अनुशासनात्मक मामला है।

रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान बाबर पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन का आरोप लगा, जिसके बाद उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया। आउट होने के बाद स्टंप्स की ओर बल्ले से गेंद मारना उनके खिलाफ कार्रवाई का आधार बना। हालांकि बाबर ने तुरंत गलती स्वीकार कर ली, लेकिन यह घटना पाकिस्तान की क्लीन स्वीप जीत के बीच चर्चा का विषय बन गई।

आस्ट्रेलियन ओपनः

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में, त्रीसा और गोपीचंद को मिली हार

सिडनी, एजेंसी। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पहले दौर में चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज की। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की।

शुरुआती गेम में एक समय पिछड़ रही थी भारतीय जोड़ी

सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने पलटवार करते हुए 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों टीमों को गेम प्वाइंट मिले लेकिन आखिर में भारतीय जोड़ी अपने तीसरे गेम प्वाइंट को भुनाने में सफल रही। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम की शुरुआत में 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन नेट पर दो गलतियों और ताइवानी जोड़ी के एक ज़ोरदार स्मैश ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी इंटरवल तक एक अंक से आगे थी। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बरकरार रखकर मैच अपने नाम किया।

महिला युगल में हालांकि त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को अपने पहले मैच में इंडोनेशिया की एफ कुसुमा और एम पुष्पितसारी की जोड़ी से 10-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, आयुष शेट्टी जैसे भारतीय एकल खिलाड़ी बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

विकेट को दोष देना आसान, लेकिन अपने गिरेबान में झांकना होगा : अमित मिश्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच को 30 रन के करीबी अंतर से गंवा बैठी। पूर्व भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि इसके लिए विकेट को दोष देना आसान है, लेकिन खिलाड़ियों को अपने गिरेबान में झांकना होगा। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में खेले गए इस टेस्ट मैच में टेंबा बावुमा ऐसे इकलौते बल्लेबाज रहे, जिन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए सिर्फ 124 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया 93 रन पर सिमट गई।

इसके बाद कुछ दिग्गजों ने इस शर्मनाक हार के लिए पिच को दोषी ठहराया। अमित मिश्रा ने कहा, 'ऐसा पहली बार नहीं है कि इस तरह की विकेट मिली हो। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स निखारनी होगी। अपनी स्किल्स को सुधारने की जरूरत है। विकेट को दोष देना आसान है, लेकिन इससे पहले अपने गिरेबान में झांकना होगा। जब हम इंग्लैंड जैसे देशों का दौरा करते हैं, तो वहां स्विंग का सामना करना पड़ता है। हम उस हिसाब से अपनी स्किल्स को सुधारते हैं। आपको समझना होगा कि किस तरह की पिच पर किस तरह से बल्लेबाजी करनी होगी। 'उन्होंने कहा, 'यह एक युवा टीम है। इसमें काफी युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें अनुभव की कमी है। सीनियर खिलाड़ियों और कोच को उनसे बात करनी होगी। इस तरह की पिच पर फुट मूवमेंट बेहद अहम है। आपको यह समझना होगा कि किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट खेल सकते हैं, किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट नहीं खेलने।

यह सभी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। भविष्य में यह टीम बेहतरीन हो जाएगी। साउथ अफ्रीका ने मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए पहली पारी में 159 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी साउथ अफ्रीकी टीम की हालत खराब रही, लेकिन कप्तान टेंबा बावुमा की नाबाद 55 रन की पारी के दम पर टीम ने किसी तरह 153 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 124 रन का लक्ष्य दिया। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 93 के स्कोर तक अपने 9 विकेट गंवा चुकी थी। चोटिल कप्तान शुभमन गिल इस पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके। इसी के साथ टीम इंडिया को सीरीज के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

अब बॉक्सिंग में होगा एआई का इस्तेमाल, जूरी की हो सकती है छुट्टी?

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने दावा किया कि विश्व मुक्केबाजी मुकाबलों की समीक्षा के लिए आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की संभावना का मूल्यांकन कर रहा है। इससे जूरी की छुट्टी हो सकती है। विश्व मुक्केबाजी प्रमुख ने स्वीकार किया कि खेल की विवादास्पद स्कोरिंग प्रणाली से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में इस खेल का आयोजन करने वाले नए संगठन के लिए मुख्य चुनौती होगी। वैन डेर वोर्स्ट ने चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के दौरान संवाददाताओं से कहा, 'मुख्य चुनौती यह है कि हर मुकाबले के अंत में सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज का हाथ उठाया जाता है। प्रतियोगिता की निष्ठा एक ऐसे खेल के लिए मुख्य चुनौती बनी हुई है, जिसमें जूरी शामिल होती है। '

एआई के इस्तेमाल का मूल्यांकन

एआई के इस्तेमाल के बारे में बात करते हुए वोर्स्ट ने आगे कहा, 'हम मुकाबलों की समीक्षा के लिए एआई जैसी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की जुगत में लगे हुए हैं ताकि हम प्रशंसकों और मुक्केबाजों का सिस्टम में विश्वास बहाल कर सकें। इस पर अभी काम चल रहा है और मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम इस समय इसका मूल्यांकन कर रहे हैं। 'स्कोरिंग दिक्कत का विषय चाहे पिछला संगठन

अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) हो या वर्तमान संस्था मुक्केबाजी के लिए स्कोरिंग दिक्कत का विषय बना हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि विश्व मुक्केबाजी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से पूर्ण मान्यता दिलाने के लिए इसे सुलझाना एक प्रमुख मुद्दा है।

रैंकिंग प्रणाली

प्रतिस्पर्धा के स्तर को और भी बेहतर बनाने के लिए विश्व मुक्केबाजी ने हाल ही में एक रैंकिंग प्रणाली शुरू की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज किसी बड़ी प्रतियोगिता के शुरुआती दौर की बजाय, अंत में एक-दूसरे से भिड़ें। वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'रैंकिंग अंक रखने का उद्देश्य मुक्केबाजों को बड़े टूर्नामेंटों से पहले वरीयता देना और रैंकिंग देना है, ताकि दो सबसे मजबूत मुक्केबाज पहले ही दौर में न लड़ें। '

रैंकिंग से वरीयता तय होगी

भारत की दिग्गज मुक्केबाज निखत जरीन को ओलंपिक में वरीयता न मिलने का खामियाजा भुगतना पड़ा क्योंकि दो विश्व खिताब जीतने के बावजूद वह गैर-वरीयता प्राप्त थी और पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में उनका सामना स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से हुआ। विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू की गई वर्तमान रैंकिंग प्रणाली के तहत, एक सत्र में सभी टूर्नामेंटों में मुक्केबाजों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग की जाएगी और इसी से उनकी वरीयता तय होगी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए कैसे तय होगा क्वालिफिकेशन

यह पूछे जाने पर कि क्या रैंकिंग अंकों का उपयोग क्वालीफिकेशन के लिए किया जाएगा, वैन डेर वोर्स्ट ने कहा, 'सबसे पहले, लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया अभी तक अंतिम रूप से तय नहीं हुई है। हम यह मूल्यांकन करना चाहते हैं कि कौन सी प्रक्रिया सबसे उपयुक्त है .

संक्षिप्त समाचार

आइआइटी आइएसएम में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम शुरू

धनबाद।, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम में मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत आयोजित सातवें नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम की शुरुआत सोमवार को की गयी। पांच दिवसीय यह कार्यक्रम 17 से 21 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसका आयोजन शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है। एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल आइ2एच बिल्डिंग में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आये प्रोफेसर, शिक्षक नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसमें आइआइइएसटी शिवपुर, रांची यूनिवर्सिटी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, सिदो-कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी और बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक एवं मुख्य संरक्षक प्रो सुकुमार मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शिक्षकों का नेतृत्व कौशल और सतत प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नई दिशा और प्रभावी नेतृत्व क्षमता प्रदान करते हैं। एनएफएल कार्यक्रम की समन्वयक प्रो मृणालिनी पांडे ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने और शैक्षणिक नेतृत्व को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह पहल भविष्य के शैक्षणिक नेताओं को तैयार करने में अहम योगदान देगा। यह प्रशिक्षण शिक्षकों में नवाचार, नेतृत्व और पेशेवर दक्षता को और सशक्त करेगा।

धनबाद में मालगाड़ी के कंटेनर पर चढ़ा युवक, मची अफरातफरी

धनबाद, एजेंसी। एक युवक धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी मालगाड़ी के कंटेनर के ऊपर चढ़ गया। वह हाई टेंशन ओवरहेड तार के नीचे दौड़ने-भागने लगा। अफरातफरी मच गई। पता चलने पर रेलकर्मियों ने सबसे पहले ओवरहेड तार की बिजली कटवा दी। फिर जीआरपी और आरपीएफ ने एक घंटे की मशक्कत के बाद सीढ़ी लगाकर युवक को नीचे उतारा। इस दौरान उसने जवानों व रेलकर्मियों के साथ हाथापाई भी की। इससे उनके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। जांच में पता चला कि युवक विक्षिप्त है। काफी पूछने के बावजूद युवक के नाम-पते की जानकारी नहीं मिल सकी। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। वहीं, ओवरहेड तार की बिजली कटी रहने की वजह से जलियांवाला बाग एक्सप्रेस आधे घंटे से अधिक समय तक स्टेशन पर रुकी रही। बिजली सप्लाई शुरू होने पर ट्रेन को रवाना किया गया। एक रेलवे कर्मचारी ने बताया कि दूर से देखने पर एक युवक ट्रेन के डिब्बे के ऊपर चढ़ा हुआ दिखा। इसकी जानकारी तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद लाइन बंद कराई गई। कर्मचारी के अनुसार, युवक नशे में था और उसे नीचे उतारने गए कर्मचारियों को चप्पल से मारने की कोशिश भी कर रहा था। युवक को 25,000 वोल्ट के बिजली के तार की चपेट में आने से बचाया गया।

राज्य में सेरेब्रल पाल्सी के 9097 मरीज, सबसे अधिक गोड्डा में

धनबाद ,एजेंसी। पूरे राज्य में सेरेब्रल पाल्सी के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं, पर झारखंड में अब तक इसके इलाज को लेकर ठोस पहल नहीं हो पायी है। पूरे राज्य में इस बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या 9097 है। इनमें से 3251 मरीज सिर्फ धनबाद, बोकारो, गिरिडीह और गोड्डा जिले में हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार धनबाद में 357, गिरिडीह में 553, बोकारो में 845 व गोड्डा में सबसे अधिक 1496 मरीज हैं। ज्ञात हो कि इस बीमारी की गंभीरता के अनुसार इसकी रोकथाम के लिए राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्पीच और ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट नहीं हैं। ऐसे में मरीजों को उचित उपचार और परामर्श से वंचित रहना पड़ता है। झारखंड में सेरेब्रल पाल्सी के सबसे अधिक 1496 मरीज गोड्डा जिले में हैं। इसके बाद कोडरमा में 891, साहेबगंज में 778 और बोकारो में 845 मरीज हैं। जबकि सबसे कम सात मरीज सिमडेगा में और 20 मरीज सरायकेला में हैं। अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में मरीज हैं। धनबाद जिले में एक भी स्पीच थेरेपिस्ट नहीं हैं। कुछ ऐसा ही हाल आसपास के जिलों में भी है। ऐसे में मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों में ले जाना पड़ता है। इससे मरीज के परिजनों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। सेरेब्रल पाल्सी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जो बच्चे के मस्तिष्क के विकास के दौरान ऑक्सीजन की कमी या प्रसव के समय चोट लगने से होता है। इससे बच्चे की मांसपेशियों की गतिविधि, बोलने की क्षमता, संतुलन और चाल-ढाल पर असर पड़ता है। फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और ऑक्युपेशनल थेरेपी से इसमें काफी हद तक सुधार लाया जा सकता है। सेरेब्रल पाल्सी के लक्षण जन्म के शुरुआती छह माह में पहचान लिये जायें, तो ऐसे बच्चों की स्थिति में बड़ा सुधार लाना संभव है। नियमित फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी और पोषणयुक्त आहार से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। वहीं प्रत्येक जिले में पुनर्वास केंद्र व थेरेपिस्ट की नियुक्ति सुनिश्चित होने और अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर

14 हजार गर्भवती व धात्री महिलाओं को 3 माह से नहीं मिला पोषाहार

बोकारो, एजेंसी। राज्य सरकार का लक्ष्य राज्य को कुपोषण मुक्त करने का है। लेकिन सरकार ही इस पर ध्यान नहीं दे रही है। आलम यह है कि जिले के गर्भवती व धातृ महिलाओं के साथ-साथ बच्चों को पोषण आहार ही नहीं मिल रहा है। इसका बड़ा कारण समाज कल्याण विभाग से सप्लायर्स को आर्डर नहीं मिलना है। सप्लायर्स को आर्डर नहीं मिलने से कहीं पोषण आहार की सप्लाई नहीं हो रही है। बोकारो की दो कंपनी और पतरातू की एक कंपनी पूरे राज्य में पोषण आहार सप्लाई करती है।

बोकारो जिले की बात करें तो 2255 आंगनबाड़ी केंद्रों में 14,001 गर्भवती और धातृ महिलाएं है। वहीं 3 माह से 6 वर्ष के बच्चों की संख्या 10 लाख 31 हजार 194 है। इसमें से 1,163 बच्चे कुपोषित हैं। पोषण आहार नहीं मिलने से आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाला पूरक पोषण नहीं मिल पाएगा, जिससे गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं का पोषण अधूरा रह जाएगा। वहीं बच्चों के पोषण पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा।

सबसे अधिक 1195 कुपोषित बच्चे गोमिया में

06 माह से 03 वर्ष तक के 50647 बच्चे हैं। 03 वर्ष से 5 वर्ष के 38205 और 05 वर्ष से 06 तक के 14342 बच्चे हैं। इसमें 6 माह से 3 वर्ष तक के 732 बच्चे कुपोषित हैं। 3 वर्ष से 5 वर्ष के 431 बच्चे कुपोषित हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं की संख्या 8394 है और धात्री महिलाओं की संख्या 5607 है। सबसे अधिक गर्भवती महिलाएं गोमिया में है। उनकी संख्या 1195 है। वहीं दूसरे स्थान पर चास ग्रामीण है, जहां गर्भवती महिलाओं की संख्या 1147 है। सबसे अधिक कुपोषित बच्चे 6 माह से 3 वर्ष तक के नावाडीह प्रखंड में है। वहीं 3 वर्ष से 5 वर्ष आयु वर्ग के सबसे अधिक कुपोषित बच्चे पेटरवार में हैं।

विभाग ऑर्डर देगा तो पुनः पोषक आहारों की आपूर्ति होगी

सही समय पर सही पोषण नहीं मिलना गर्भवती और धात्री महिलाओं के साथ-साथ उनके बच्चों के स्वास्थ्य को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। रेडी टू इट पैकेज में आवश्यक विटामिन और खनिज होते हैं। इनकी कमी से कुपोषण हो सकता है और खून की कमी से एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है, जो गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत हानिकारक है। पोषण की कमी से महिलाओं की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। गंभीर कुपोषण के कारण समय से पहले डिलीवरी, कम वजन वाले बच्चे का जन्म व उनका विकास प्रभावित हो सकता है और डिलीवरी के बाद की परेशानियां हो सकती है। वहीं बच्चों के कुपोषित होने की संभावनाएं बढ़ जाएगी और यह उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है।

एआइ के युग में मैनुअली चल रही धनबाद में ट्रैफिक व्यवस्था

जमशेदपुर, एजेंसी। एआइ के युग में भी देश की कोयला राजधानी कहे जाने वाली धनबाद जिला में आज भी ट्रैफिक सिस्टम मैनुअल है। देश के कस्बानुमा शहरों में जहां ऑटोमेटिक ट्रैफिक लाइट के जरिये ट्रैफिक कंट्रोल हो रही है।

धनबाद जिला में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए 118 पुलिस के जवान व अधिकारी तैनात हैं। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में डीएमएफटी मद से 13 स्थानों पर ट्रैफिक लाइट लगाने की योजना बनी। लेकिन, इसे एंस्टाल कौन करेगा तथा इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी कौन संभालेंगे। इस पर नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस के बीच जिच बरकरार है। यह योजना आगे नहीं बढ़ पा रही है।

वहीं झारखंड के पहले मिलेनियम सिटी धनबाद में अब भी जवान हाथ रोक कर। ऐसे में वर्ष 2010 में नेशनल गेम्स के दौरान तीन स्थानों पर ट्रैफिक लाइटें लगी थी। लेकिन, यह केवल आठ दिन ही चली। एक बार खराब हुई तो दुबारा शुरू नहीं हो पायी। ट्रैफिक लाइट लगाने के लिए कई बार योजनाएं बनीं। लेकिन, एंस्टाल एवं मेटेनेंस को लेकर यहां नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन के बीच जिच बना हुआ है। इस कारण योजनाएं आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

पिछले डेढ़ दशक के दौरान धनबाद में कई बार ट्रैफिक लाइट सिस्टम लागू करने की कई बार योजनाएं बनीं। परंतु कभी भी योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पायीं। वर्ष 2018 में नगर निगम ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत छह प्रमुख चौराहों पर लाइट लगाने की योजना बनाई थी। लेकिन, बजट, टेंडर प्रक्रिया और प्रशासनिक बदलावों के कारण काम अधूरा रह गया। फिर 2024 में धनबाद जिला में 20 स्थानों पर ट्रैफिक लाइट लगाने की योजना बनी। तय हुआ कि ट्रैफिक लाइट एवं सीसीटीवी लगाने के लिए डीएमएफटी मद से 31 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। स्थल चयन जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम को करनी है। जबकि इसके एंस्टॉलेशन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम को दी गयी। हालांकि, निगम प्रशासन इसके लिए तैयार नहीं है।वर्ष 2024 में तय हुआ था कि सिटी सेंटर चौक, रणधीर वर्मा चौक, बिरसा मुंडा चौक, बैंक मोड़, मेमको मोड़, चंद्रशेखर आजाद चौक, श्रमिक चौक, स्टील गेट चौक, गोल बिल्डिंग चौराहा आदि प्रमुख स्थलों पर ट्रैफिक लाइट्स लगाने की योजना थी।

एक घर से अचानक उठने लगा धुआं, मची अफरातफरी; फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

आदित्यपुर, एजेंसी। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के रोड नंबर 21 स्थित स्वर्गीय विमल पंडित के घर में सोमवार सुबह अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना तब हुई जब घर के सभी सदस्य गहरी नींद में थे।

स्थानीय लोगों ने खिड़की से धुआं निकलते हुए देखा और शोर मचाकर घर के वर्तमान निवासी सूरज प्रजापति सहित परिवार के सदस्यों को जगाया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन अंदर से लगातार धुआं उठता रहा।

राहगीरों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने तत्काल आदित्यपुर थाना और झारखंड अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम के पहुँचने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

जानकारी के अनुसार, यह घर आकाशवाणी चौक से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित है। घर के बाहर कुछ दुकानें भी हैं, जो किराए पर दी गई हैं। आग लगने का स्थान घर का पूजा कक्ष बताया जा रहा है। आग किस कारण लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, स्थानीय लोगों का अनुमान है कि यह घटना शॉर्ट सर्किट या पूजा स्थल पर जलाई गई दीया के कारण हो सकती है।

इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, आग से घर के पूजा रूम में रखे सामान को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, फायर ब्रिगेड की टीम घटना की जांच कर रही है।

झारखंड पुलिस के पूर्व मुखिया ही थे कोयला माफिया के सरगना ! अरबों की उगाही को लेकर थाने में शिकायत

राज्य ब्यूरो, रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव कुमार ने मंगलवार को रांची के डोरंडा थाने में झारखंड के पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के विरुद्ध ऑनलाइन शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत का आधार मीडिया रिपोर्ट्स व झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों को बनाया है।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, डोरंडा थाने को की गई ऑनलाइन शिकायत पहले एसएसपी कार्यालय जाएगी, उसके बाद आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ डोरंडा थाने जाएगी। पुलिस इस मामले की जांच करा सकती है।

कोयला कारोबारियों से करोड़ों रुपये की वसूली : अधिवक्ता राजीव कुमार ने अपनी ऑनलाइन शिकायत में लिखा है कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स तथा उपलब्ध जानकारी से पता चला है कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यकाल में झारखंड के कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा आदि से मिलकर कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) नामक संगठन का गठन कर पूरे राज्य में कोयला कारोबारियों, ठेकेदारों, ट्रांसपोर्टरों, डॉक्टरों, व्यवसायियों आदि से करोड़ों रुपये की वसूली की है।

झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन : पद पर रहते हुए वे अपरोक्ष रूप से झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेस वार्ता में भी खुलासा किया है कि एक अपराधी के कहने पर अनुराग गुप्ता ने जेल में बंद अपराधी अमन साहू से तथाकथित मुठभेड़ करवाया।

पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया : बाबूलाल मरांडी ने यह भी खुलासा किया है कि कोयलांचल शांति समिति को पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया गया है। यह खुलासा न सिर्फ झारखंड के लिए खतरा का विषय है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

अधिवक्ता ने अपनी शिकायत में लिखा है कि अनुराग गुप्ता ने अपने पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की उगाही की है। इसमें उन्हें उनके सहयोगी पदाधिकारियों-जवानों ने भी पूरी मदद की है, जिसकी जानकारी अधिवक्ता ने अपनी शिकायत में की है और डोरंडा थाना प्रभारी से प्राथमिकी दर्ज कर जांच का आग्रह किया है।

ट्रैक्टर यूनियन ने सड़क किया जाम बालू उठाव की मांग पर प्रदर्शन

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड में ट्रैक्टर यूनियन ने सोमवार को बालू उठाव की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। बाबूपुर के पास महेशपुर-पाकुड़ मुख्य पथ पर हुए इस जाम को प्रशासन के आश्वासन के बाद चार घंटे बाद समाप्त किया गया। यूनियन सदस्यों ने बताया कि बालू की कमी से सरकारी और निजी दोनों तरह के कार्य बाधित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बालू न मिलने से सबसे ज्यादा परेशानी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को हो रही है।

बालू उपलब्ध न होने के कारण काम पूरी तरह रुका हुआ है : लाभार्थी अपना पुराना आवास तोड़कर नया बना रहे थे, लेकिन बालू उपलब्ध न होने के कारण काम पूरी तरह रुका हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने चिंता व्यक्त की कि ठंड का मौसम आ रहा है और यदि आवास का कार्य पूरा नहीं हुआ तो लोगों को रहने में दिक्कत होगी। यूनियन के अनुसार, एनजीटी के आदेश के बाद जून से 15 अक्टूबर तक बालू उठाव पूरी तरह बंद था। 15 अक्टूबर के बाद उठाव शुरू हुआ, लेकिन फिर अचानक रोक लगा दी गई, जिससे विकास कार्य और आम लोगों के काम प्रभावित हो रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे यूनियन के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बालू उठाव शुरू कराने की मांग की, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने अपनी मांग को जायज बताया।

जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई : सड़क जाम की सूचना मिलते ही सीओ संजय कुमार सिन्हा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार और थाना प्रभारी रवि शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर चार घंटे बाद जाम समाप्त करवाया। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इस दौरान मनोज यादव, सुजीत यादव, विजय भगत, रोहन तुरी, लोचन यादव, सुमन यादव, लक्ष्मण साहा, राकेश यादव, गौतम पाल, अजय भगत सहित दर्जनों यूनियन सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यू ईयर सेलिब्रेशन से माघ मेला तक, कई ट्रेनें खचाखच; धनबाद से दक्षिण की ट्रेनों में जगह नहीं

धनबाद, एजेंसी। त्योहारी सीजन समाप्त होने के साथ ही सैर-सपाटे का मौसम आ गया है। समुद्र तटों से लेकर हिल स्टेशन और तीर्थ स्थलों पर जानेवाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग लहरा रही है। नवंबर के बाद दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में क्रिसमस और न्यू ईयर को लेकर ट्रेनें खचाखच हैं। राजस्थान के रेगिस्तान से गुजरात के कच्छ और गोवा के समुद्री तटों तक पहुंचने की बेताबी दिख रही है। इसके साथ ही जनवरी के पहले सप्ताह से धार्मिक यात्रा भी शुरू होनेवाली है।

प्रयागराज में तीन जनवरी से माघ मेला शुरू होगा। मध्य फरवरी तक पुण्य स्नान की छह तिथियां हैं। जनवरी के पहले पखवाड़े की बुकिंग शुरू हो चुकी है। अग्रिम आरक्षण शुरू होने के पहले दिन ही प्रयागराज जानेवाली ट्रेनों में सीटें फुल हो रही हैं। ज्यादातर ट्रेनों में अब गिनती की सीटें ही बची हैं।

धनबाद होकर गोवा जानेवाली जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस 12 जनवरी तक फुल है। स्लीपर से एसी तक इस ट्रेन में जगह नहीं है। गुजरात जानेवाली मालदा टाउन-सूरत, हावड़ा-गांधीधाम व आसनसोल-भावनगर टर्मिनस पारसनाथ एक्सप्रेस का भी यही हाल है।

धनबाद से कोयंबटूर के बीच बोकारो व रांची होकर चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल के फेरे बढ़ाने की घोषणा सात नवंबर को ही हो चुकी है। 06063 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल 30 जनवरी तक तथा 06064 धनबा-कोयंबटूर स्पेशल दो फरवरी तक चलाने की घोषणा हुई है। पर कोयंबटूर से 28 नवंबर तो धनबाद से एक दिसंबर के बाद टिकटों की बुकिंग शुरू नहीं हुई है।

क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान पुरी जानेवाले यात्रियों की संख्या में अधिक रहती है। धनबाद के नजदीकी स्टेशन गोमो होकर पुरी जानेवाली पुरुषोत्तम, नीलांचल और नंदनकानन एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर से एसी तक नो रूम है।

इसके बाद भी धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल के फेरे नहीं बढ़े हैं।भुवनेश्वर से 30 नवंबर तो धनबाद से एक दिसंबर तक ही टिकट बुक हो रहे हैं। इस ट्रेन के फेरे में विस्तार हुआ तो पुरी तक पहुंचने का विकल्प मिल सकेगा।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रहा आजीविका सखी मंडल

धनबाद, एजेंसी। जिले के दस प्रखंडों में जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी) के तहत 12,400 आजीविका सखी मंडल चल रहे हैं। इससे जुड़ी सदस्य न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं, बल्कि घर की दहलीज से बाहर निकलकर स्टॉलों का संचालन भी कर रही हैं। पुरुषों के भरोसे न रहकर अब वे सारे काम स्वयं कर रही हैं।

महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेएसएलपीएस द्वारा एनआरएलएम (नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन) की शुरुआत की गयी थी। जिले में इसकी शुरुआत 2016 से टुंडी व पूर्वी टुंडी प्रखंड में हुई थी। उसके बाद सभी प्रखंडों में योजना की जानकारी दी गयी। महिलाओं को समूह बनाने व उसके संचालन की जानकारी दी गयी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आजीविका सखी मंडल बनाकर आज आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

योजना के तहत 10 से 15 महिलाओं का एक समूह बनता है। उन्हें जेएसएलपीएस की ओर से 30 हजार रुपये आरएफ (रिवाल्विंग फड) दिया जाता है। इस फंड का काम समूह बनाने से लेकर महिलाओं को सक्रिय करना होता है। हर माह सदस्यों की चार-पांच मीटिंग होती है। हर मीटिंग में ये दस रुपये जमा करती हैं। छह माह के बाद उन्हें जेएसएलपीएस की ओर से सीआइएफ (कम्यूनिटी इंवेस्टमेंट फड) के तहत 50 से 75 हजार रुपया लोन दिया जाता है। उसके बाद सीसीएल (कैरा क्रेडिट लिकेंज) के तहत बैंक से लोन मिलता है।

सभी मंडल तैयार करता है उत्पादआजीविका सखी मंडल की सदस्य जूट बैग, मसाला, तेल, बेकरी, जेनरल स्टोर, ब्यूटी पार्लर, फिनाइल बनाने के साथ ही प्रखंड में दीदी किचन चला रही हैं। वहीं हैंडी क्राफ्ट के तहत कलात्मक वस्तुएं बना रही हैं। सबसे ज्यादा सखी मंडल बलियापुर व निरसा में चल रहे हैं। बाजार में किस उत्पाद की खपत व मांग है, इसके मार्केट सर्वे के बाद मंडल की सदस्य उत्पाद तैयार करती हैं।

शैलेश रंजन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि जेएसएलपीएस महिलाओं की आर्थिक मजबूती के लिए लगातार काम कर रहा है। सखी मंडल से जुड़कर महिलाएं बेहतर काम कर रही है। बैंक का लोन भी समय पर चुका रही हैं जिससे बैंक का भरोसा सखी मंडल पर बढ़ा है। इन महिलाओं को बहु कार्य से जोड़ने की प्लानिंग चल रही है। उनके लिए पलाश मार्ट बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए उपायुक्त व नगर निगम के पास प्रपोजल भेजा गया है।

धनबाद सदर प्रखंड के मल्लिकडीह घोखरा की रहने वाली लक्ष्मी कुमारी मध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं। गांव में कुछ जमीन रहने के कारण वे बहुत अधिक कुछ नहीं कर पा रही थीं। पति की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। ऐसे में उन्हें महिला समूह की जानकारी मिली। उसने मां तारा आजीविका सखी मंडल से जुड़कर नर्सरी शुरू करने की योजना बनायी। इसके लिए उन्होंने एक लाख रुपये लोन लिया। इससे उन्होंने अपने 50 डिसमिल जमीन पर नर्सरी लगायी। यह काम उन्होंने वर्ष 2022 में शुरू किया था। वर्तमान में लक्ष्मी कुमारी की नर्सरी एक एकड़ में फैली है। इसमें गुलाब, गेंदा, मधुकामिनी, जवा एवं अन्य फूल लगाये गये हैं। धनबाद के अलावा आसनसोल, गिरिडीह, बोकारो से आकर लोग फूल ले जाते हैं। इससे उन्हें प्रति वर्ष तीन लाख रुपये व उसे अधिक की आमदनी हो जाती है। लक्ष्मी ने बताया कि अब उनका परिवार खुशहाल है। पति भी काम में सहयोग करते हैं।

हेमंत सरकार ने दी खुशखबरी, किसानों को धान पर प्रति क्विंटल मिलेगा बोनस; एकमुश्त होगा भुगतान

रांची, एजेंसी। झारखंड के किसानों को धान बिक्री पर एकमुश्त भुगतान राज्य सरकार करेगी। किसानों को अब किस्त में भुगतान नहीं किया जाएगा। खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड की रजत जयंती के अवसर पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इससे किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को भुगतान के लिए कतार में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने जामताड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि किसान मजबूत होंगे तभी समाज मजबूत होगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,369 रुपये प्रति क्विंटल के साथ किसानों को 100 रुपये बोनस भी जोड़कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार है, जिसपर जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। उन्होंने सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि धान बाहर गया तो कड़ी कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा कि इस बार धान खरीद प्रक्रिया 15 दिसंबर से पहले शुरू कर दी जाएगी। राज्य में अगले 10-15 दिनों में धान की कटनी पूरी होने जा रही है। इसे देखते हुए ही सरकार ने धान खरीद प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है। राज्य सरकार ने दूसरे राज्यों के बिचौलियों को रोकने के लिए विशेष निगरानी तंत्र को भी सक्रिय कर दिया है।